हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 25 नवम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :189 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

विराट सिख समागम में बंदा सिंह के दसवें वंशज बाबा जतिन्दर पाल सिंह द्वारा सम्मान अर्पित

एजेंसी

नई दिल्ली: पूर्व सांसद तरुण विजय को उनकी राष्ट्रीयता पूर्ण लेखनी और महान सिख वीर बाबा बंदा सिंह बहादुर के प्रति सेवा कार्यों के लिए प्रतिष्ठित सिख सम्मान बाबा बंदा सिंह बहादुर राष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत किया गया। हरियाणा के फतेहाबाद में एक बड़े सिख समागम में यह पुरस्कार दिया गया जिसमें सिरोपा, प्रशस्ति पत्र, इक्यावन हजार रुपये शामिल हैं। विशिष्ट बात यह थी कि बाबा बंदा बहादुर सिंह के दसवें वंशज एवं महान सिख संत बाबा जतिंदरपाल सिंह सोढ़ी के करकमलों से यह सम्मान दिया गया।रियासी (जम्मू कश्मीर) में चिनाब नदी पर बाबा बंदा सिंह घाट, उनकी तपस्थली तक पक्का पहुंच मार्ग, बनवाने तथा दिल्ली में महान धर्म योद्धा बंदा सिंह के उपेक्षित बलिदान स्थल के प्रति राष्ट्रीय ध्यान आकृष्टकरने में सहायता हेतु तरुण विजय को प्रशस्ति प्रदान की गयी।

बिहार विधानसभा शीतकालीन सत्र के लिए भाजपा की क्या होगी रणनीति?

26 नवंबर को भाजपा विधानमंडल की बैठक

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर विधानमंडल दल की बैठक करने का निर्णय लिया गया है।26 नवंबर को होने वाली इस बैठक में सत्र को लेकर आवश्यक रणनीति तय की जाएगी।

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र को देखते हुए भाजपा विधानमंडल की बैठक 26 नवंबर को होगी। पार्टी के प्रदेश भाजपा कार्यालय में होने वाली इस बैठक में पार्टी के सभी विधायक और विधान पार्षद शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि सत्र को लेकर विधानमंडल दल की बैठक करने का निर्णय लिया गया है। 26 नवंबर को होने वाली इस बैठक में सत्र को लेकर आवश्यक रणनीति तय की जाएगी। डॉ जायसवाल ने कहा कि विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए सरकार तैयार है। विपक्ष सदन में नियमानुसार सवाल उठाए, सरकार जवाब देगी।

आपको बता दें इससे पहले बीते शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव शीतकालीन सत्र को लेकर प्रदेश के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के नोडल पदाधिकारी विधानसभा के संबंधित प्रशाखा के साथ सामंजस्य स्थापित कर कार्यों का निष्पादन कराएं। सभी प्रश्नों के उत्तर सत्रवधि में ही समय पर प्राप्त हों, इसके लिए कार्यपालिका को और भी मुस्तैद और संवेदनशील होकर अपनी जिम्मेवारी निर्वहन करनी होगी।

बिहार विधानसभा का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 29 नवंबर तक चलेगा। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के सदन आहूत करने के आदेश के बाद संसदीय कार्य विभाग ने 28 अक्टूबर को इसकी अधिसूचना जारी की थी। प्रभारी सचिव ने अपने आह्वान की सूचना मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों समेत तमाम विधायकों को दे दी है। शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की पांच बैठकें होंगी। सत्र के पहले दिन वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय अनुपूरक बजट पेश होगा। इसी दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत अध्यादेशों की प्रति सदन पटल पर रखी जाएगी। इसी दिन दिवंगत नेताओं (आत्मा) को दोनों सदनों में श्रद्धांजलि दी जाएगी।जारी आह्वान के अनुसार 26 और 27 नवंबर को राजकीय विधेयक पेश व अन्य राजकीय कार्य, जबकि 28 को द्वितीय अनुपूरक बजट पर सामान्य चर्चा होगी। इसे सामान्य विमर्श के बाद पारित किया जाएगा।इसी दिन विनियोग विधेयक को भी चर्चा के बाद पारित किया जाएगा। सत्र के अंतिम दिन 29 नवंबर को गैर सरकारी संकल्प पेश किए जाएंगे।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर विधानमंडल दल की बैठक करने का निर्णय लिया गया है। 26 नवंबर को होने वाली इस बैठक में सत्र को लेकर आवश्यक रणनीति तय की जाएगी।

कल को कहेंगे नमाज और जकात का भी दस्तूर नहीं है

एजेंसी

पटना : राजधानी पटना में जमीअत उलमा-ए-हिन्द के संविधान बचाओ सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते हुए मौलाना अरशद मदनी ने देश की आजादी का जिक्र करते हुए कहा कि हमने आजादी के लिए तब से लड़ाई लड़ी, जब कांग्रेस का जन्म भी नहीं हुआ था। कांग्रेस का मकसद मुल्क की आजादी नहीं था। बल्कि कांग्रेस का निर्माण इसलिए हुआ, जिससे ब्रिटिश हुकूमत और मुल्क के लोगों के बीच तालमेल बनाया जा सके। मदनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा, और कहा कि मोदी जी ने कहा है कि वक्फ कोई चीज नहीं है, मुझे बड़ी हैरत हुई। कल को कह देंगे नमाज और जकात का भी दस्तूर नहीं है। वक्फ में संशोधन के मामले पर हमारा ऐतराज है।मौलाना मदनी ने कहा कि कोई ये समझता है कि मुल्क का दस्तूर केवल हिन्दुओं ने बनाया है, तो वो दुनिया के बारे में कुछ नहीं जानता। हमारा किरदार मुल्क के साथ 145 साल पुराना है। कोई माई का लाल नहीं है, जो इसे खारिज कर सके। जमीअत उलमा-ए-हिन्द प्यार, मोहम्मद के लिए कुर्बानी देते आयी है। मुल्क में अमन- चैन के लिए हम काम करते आए हैं। हमारे बुजुर्गों ने कुर्बानी देकर मुल्क को आजाद कराया है। हमने मुल्क का दस्तूर बनाया है।राजधानी पटना में जमीअत उलमा-ए-हिन्द के संविधान बचाओ सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते हुए मौलाना अरशद मदनी ने देश की आजादी का जिक्र करते हुए कहा कि हमने आजादी के लिए तब से लड़ाई लड़ी,।

वक्फ पर पीएम मोदी के बयान पर मदनी का पलटवार

हेमंत सोरेन ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, 28 नवंबर से संभालेंगे झारखंड की कमान

एजेंसी

झारखंड: झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत के बाद रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। उन्होंने राजभवन जाकर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद हेमंत ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वह 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें, झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक ने 56 सीटों पर जीत हासिल की। राज्य के गठन के बाद यह पहला मौका है, जब किसी सरकार को

दूसरी बार सरकार बनाने के लिए जनादेश मिला है।गंगवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सोरेन ने कहा, 'आज हमने महागठबंधन की ओर से नए सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की है। आज हमने राज्यपाल के पास वर्तमान सरकार से इस्तीफा देते हुए आगामी सरकार के लिए दावा पेश किया है। उन्होंने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री का जिम्मा सौंपा है। इस दौरान कांग्रेस और आरजेडी के प्रभारी भी हमारे साथ रहे। 28 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम होगा।'रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, "आज हमने महागठबंधन की ओर से नए सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की है। आज हमने राज्यपाल के पास वर्तमान सरकार से इस्तीफा देते हुए आगामी सरकार के लिए दावा पेश किया है। उन्होंने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री का जिम्मा सौंपा है।

'अल्लाह की अदालत से कोई नहीं बच पाएगा', संभल हिंसा पर अखिलेश, मायावती, ओवैसी और गिरिराज सिंह ने क्या कहा?

एजेंसी

संभल : सपा नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने संभल की घटना पर कहा, अगर ये बूथ लूटेंगे तो जनता निराश होकर क्या करेगी.पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल ज़िले में रविवार (24 नवंबर 2024) की सुबह शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई है. उग्र भीड़ ने कई गाड़ियों में आग लगा दी थी. पुलिस ने भीड़ को नियंत्रण में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया. इस पर कई राजनीतिक और सामाजिक नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आईं.समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, संभल में जानबूझकर बीजेपी ने सर्वे की टीम भेजी ताकि माहौल खराब हो सके और चुनाव पर चर्चा न हो सके. यह घटना बीजेपी और प्रशासन की साजिश है.

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, संभल में जानबूझकर बीजेपी ने सर्वे की टीम भेजी ताकि माहौल खराब हो सके और चुनाव पर चर्चा न हो सके. यह घटना बीजेपी और प्रशासन की साजिश है.

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "संभल में पुलिस की फायरिंग में तीन नौजवानों की मौत हुई है. हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं. इस हादसे की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए.

संभल से सांसद जिया उर रहमान बर्क ने एक्स पर लिखा, "मैं संभल की आवाम से शांति की अपील करता हूं. जो भी जानमाल का नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई नहीं की जा सकती. अल्लाह की अदालत से कोई नहीं बच पाएगा.

प्रियंका गांधी की जीत ने कर दिया वो काम, जो आजाद भारत के इतिहास में आज तक नहीं हुआ!

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रियंका गांधी की वायनाड उपचुनाव में जीत ने भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ लिया है. इस जीत के बाद, गांधी परिवार के तीन सदस्य एक साथ संसद में बैठने जा रहे हैं. यह पहली बार होगा, जब गांधी परिवार के तीन सदस्य राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी संसद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे. आजादी के बाद से गांधी परिवार के तीन सदस्य कभी एक साथ संसद में नहीं बैठे थे. इंदिरा गांधी

और राजीव गांधी के समय भी ऐसा अवसर नहीं आया. इंदिरा गांधी और राजीव गांधी दोनों ही अलग-अलग समय में प्रधानमंत्री रहे थे, लेकिन कभी परिवार के तीन सदस्य एक साथ संसद में नहीं थे. इस बदलाव ने गांधी परिवार के राजनीतिक महत्व को एक नया आयाम दिया है. प्रियंका गांधी की वायनाड उपचुनाव में जीत ने इस रिकॉर्ड को संभव बनाया है. इससे पहले, सोनिया गांधी राज्यसभा से सांसद हैं और राहुल गांधी लोकसभा में सांसद हैं, जबकि प्रियंका गांधी ने अब लोकसभा चुनाव में अपनी जगह बनाई है. इस तरह, अब गांधी परिवार के तीन सदस्य संसद में एक साथ होंगे.

विधानसभा चुनाव की मजबूत तैयारी में जुटे जरीवाल, रेवड़ी पर चर्चाकार्यक्रम की शुरूआत की

एजेंसी

दिल्ली: राजधानी दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने बीते शुक्रवार को रेवड़ी पर चर्चा कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने 6 रेवड़ियों का जिक्र करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला और जनता को बीजेपी को वोट देने के नुकसान बताए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को हमने छह मुफ्त की ह्यरेवड़ीह्ल दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मंचों से और कई बार ये बोल चुके हैं कि केजरीवाल दिल्ली में मुफ्त की रेवड़ी बांट रहे हैं। ये बंद होनी चाहिए। दिल्ली की जनता हमें बताए कि ये मुफ्त की रेवड़ी चाहिए या फिर नहीं चाहिए?दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल कहा कि भाजपा यहां पर आई तो ये छह सुविधा बंद कर देगी। देश के 20 राज्यों में भाजपा की सरकार है। इन 20 राज्यों में से एक भी राज्य में दिल्ली में जो हम रेवड़ी दे रहे हैं, उनमें से एक भी नहीं है। जब इन राज्यों में नहीं है तो फिर दिल्ली में भी नहीं देंगे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने छह रेवड़िया गिनाईं। उन्होंने कहा कि पहला है दिल्ली में मुफ्त बिजली और वो भी 24 घंटे बिना पावर कट के। इससे पहले जब दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी,

महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन चौंकाने वाला,

अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन: चव्हाण

एजेंसी

मुंबई । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि उनकी पार्टी की हार ह्यह्यचौंकानेह्लह्ल वाली है और उन्होंने इसे राज्य विधानसभा चुनावों में ह्यह्यअब तक का सबसे खराब प्रदर्शनह्लह्ल करार दिया। चव्हाण ने को प्रभावित किया।कराड दक्षिण सीट से हारने वाले चव्हाण ने कहा, ह्यह्ययह कहना मुश्किल है कि कोई लहर थी या धांधली हुई।ह्लह्ल राज्य की 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को हुए चुनावों के नतीजे शनिवार को घोषित किए गए। चव्हाण सहित एमवीए के कई बड़े नेता चुनाव हार गए। एमवीए के हिस्से के रूप में 101 सीट पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने केवल 16 सीट जीतकर अपनी सबसे बुरी हार दर्ज की।चव्हाण ने कहा कि उन्हें सतारा जिले की कराड दक्षिण सीट पर 5,000 से 6,000 वोट से जीत की उम्मीद थी। लेकिन, उन्होंने कहा कि जिले में एमवीए के सभी उम्मीदवार लगभग 40,000 मतों के अंतर से हार गए।

'पहले बाबरी, फिर ज्ञानवापी और अब जामा मस्जिद', संभल हिंसा पर क्या बोले मौलाना अरशद मदनी?

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने देश में बढ़ती सांप्रदायिक घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है. मदनी ने संभल की घटना को मुसलमानों के खिलाफ साजिश का हिस्सा बताते हुए वक़्फ़ कानून में बदलाव और मुसलमानों के अधिकारों पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की.संभल में हाल ही में भड़की हिंसा में भारी मात्रा में पथराव हुआ, कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया और इलाके के कई मकानों को भी नुकसान पहुंचा. इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है.मदनी का बयान

मौलाना मदनी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "ये खराब है. पहले बाबरी मस्जिद फिर बनारस की घटना और अब ये जामा मस्जिद का तीसरा मसला. 1947 के बाद मस्जिदें जैसी थी वैसी रहेंगी ये नियम है उसके बावजूद फिरकापरस्ती इस मुल्क में बढ़ रही है कि किस तरह मुसलमानों

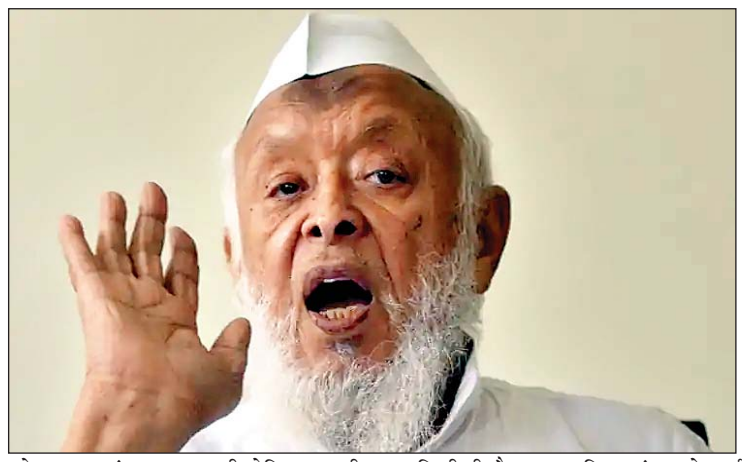

को नुकसान पहुंचाया जाए इसकी कोशिश चल रही है.मदनी ने वक़्फ़ कानून में प्रस्तावित बदलावों पर भी असंतोष जताते हुए कहा, "वक़्फ़ बिल के नए नियम मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने वाले हैं. हमारे हक छीने जा रहे हैं और सरकार ने इस मुद्दे पर किसी भी मौलाना या मुस्लिम संगठन से चर्चा नहीं की. अगर सरकार ने दारुल उलूम जैसे संस्थानों के प्रतिनिधियों को बुलाया होता तो एक बेहतर हल निकल सकता था.बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर इशारा करते हुए मदनी ने कहा, "नीतीश कुमार को समझना चाहिए कि उनकी राजनीति में मुसलमानों का समर्थन भी जरूरी है. यदि वे हमारे हक की रक्षा करते हैं तो हम उनका समर्थन करेंगे और अगर वे हमारे खिलाफ कदम उठाते हैं तो हमें अपने लिए अन्य विकल्प देखना पड़ेगा.मौलाना मदनी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद एक धार्मिक संगठन है, सियासी पार्टी नहीं. उन्होंने कहा, "हम हिंदुस्तानी हैं, लेकिन देश में बढ़ती सांप्रदायिकता और भेदभाव की राजनीति से मुल्क का भविष्य खतरे में है." उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वक़्फ़ को एक धार्मिक अधिकार मानने से कतराते हैं, जो हमारे हक पर कुठाराघात है.झारखंड में नफरत फैलाने की हुई कोशिशमदनी ने 'संविधान बचाओ आंदोलन' का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी आवाज सरकार तक पहुंच चुकी है और उनका संगठन अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहेगा. झारखंड चुनाव के दौरान सियासी भाषणों और घुसपैठिया जैसे शब्दों पर ऐतराज करते हुए मदनी ने कहा कि झारखंड में नफरत फैलाने की कोशिश हुई थी.

दो दिवसीय नियोजन-सह- व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का हुआ शुभारंभ

रोजगार मेला में 1457 आवेदकों का चयन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- बिहार कौशल विकास मिशन "संकल्प योजना अंतर्गत" श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना के तत्वावधान में उप निदेशक (नियोजन) दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा के द्वारा दो दिवसीय नियोजन-सह-व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन नेहरू स्टेडियम (पोलो मैदान), लहेरियासराय, दरभंगा परिसर में किया गया।

जिसमें 22. नवम्बर 2024 एवं 23 नवम्बर 2024 को तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्रों के कुल 33 नियोजकों यथा- Neha Enterprises, Vision India, Walkaroo International Pvt. Ltd, Quess Corp, Barbeque Nation Hospitality Limited, Shilpan Steelcast ltd., Mitrata Finance, MJF Skills, Pahal Finance, M2S Infotech, Utkarsh Small Finance Bank, Satin Creditcare network limited, Skillzdesk, Swabhiman Finance, GSA Foundation, Prerna Group, Sri Sai Rajeshwari Educational society (RTD), Chaitanya India Fin Credit Pvt. Ltd., Aamdhane Pvt. Ltd., Swatantra Finance, Nava Bharat Fertilisers, Pipal Tree Ventures Pvt. Ltd., Shivshakti Agritech Limited, Sujata Metallurgical Engineering(Govind Mishra Pvt. ITI), Balaji Bio Plantteec Tech. Pvt. Ltd., Delhivery Ltd., Fusion Microfinance, Zomato, LIC of India, Career Tree, Career Tree, Arvind Mills, Workex, Inodya perceptors Pvt. Ltd के साथ-साथ मार्गशन हेतु अवर प्रादेशिक

नियोजनालय, दरभंगा जिला निबंधन सह परामर्श केन्द्र दरभंगा, श्रम अधीक्षक कार्यालय दरभंगा, एवं आर० सेटी० दरभंगा ने भाग लिया।

इस नियोजन मेला का उ?द्घाटन मुख्य अतिथि श्री संजय सरावगी, माननीय विधायक, दरभंगा द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में श्रीमती सीता देवी, अध्यक्ष जिला परिषद, दरभंगा एवं श्रीमती नाजिया हसन, उप महापौर नगर निगम दरभंगा ने भी गणमान्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

श्री संजय सरावगी, माननीय विधायक ने योजनाओं के लाभ लक्षित वर्गों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही स्वरोजगार के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने की अपील युवाओं से की। रोजगार देने के प्रत्येक स्तर पर अनुश्रवण की अपेक्षा माननीय विधायक ने अधिकारीयों से की। श्रीमती नाजिया हसन, उप महापौर ने इस स्तर पर मेले के आयोजन को सकारात्मक सोच से प्रेरित बताया। वही अध्यक्षा जिला परिषद, दरभंगा श्रीमती सीता देवी ने उप निदेशक (नियोजन) दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा, ने अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करने के साथ कॅरियर संबंधित विभिन्न पक्षों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

उपरोक्त नियोजक द्वारा बेरोजगारों से 22 नवम्बर 2024 और 23 नवम्बर 2024 को क्रमसः 1714 और 988 कुल 2702 बयोडाटा प्राप्त किया गया, "जिसमें से 1,457 आवेदकों का औपबंधिक चयन किया गया।

इस नियोजन मेला को सफल बनाने हेतु श्री नीतिश कुमार सिन्हा, सहायक निदेशक (नियोजन) दरभंगा श्री मृणाल कुमार चौधरी नियोजन पदाधिकारी दरभंगा निशांत रंजन नियोजन पदाधिकारी दरभंगा, सुमित कुमार सिंह जिला नियोजन पदाधिकारी समस्तीपुर, राहुल कुमार कौशल परामर्शी समीर श्रीवास्तव, मुकेश कुमार सुधीर पानीगृह, श्रम अधीक्षक किशोर कुमार झा प्रणव शंकर परमार यंग प्रोफेशनल, जय किशन, कौशल प्रबंधक विशेषज्ञ प्रबंधक, दरभंगा धर्मेन्द्र कुमार, जिला कौशल विशेषज्ञ, नवीन कुमार, जिला कौशल विशेषज्ञ, मधुबनी, श्री प्रवेश कुमार प्रभाकार, जिला कौशल प्रबंधक, मधुबनी अमिय कुमार, एजाज हुसैन, रंजीत कुमार, जितेन्द्र कुमार रीतुराज, राहुल गोईत एवं मनोरंजन कुमार आदि उपस्थित थे।

डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में अडानी के खिलाफ कांग्रेस का विशाल प्रदर्शन

अडानी की गिरफ्तारी और जेपीसी की मांग को लेकर कांग्रेस का व्यापक प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ अडानी की गिरफ्तारी और जेपीसी के गठन को लेकर कांग्रेस का विशाल प्रदर्शन और पुतला दहन : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना. रविवार, 24 नवम्बर 2024

अमेरिका में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पर धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के मामले में गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद भारत में कार्रवाई नहीं होना उसके केंद्र सरकार के संपोषण में भ्रष्टाचार का नतीजा है। इस मामले पर जेपीसी का गठन कर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और अडानी की अविलंब गिरफ्तारी होनी चाहिए इन मांगों को लेकर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में इनकम टैक्स चौराहा पर जोरदार प्रदर्शन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गौतम अडानी का पुतला दहन

किया।प्रदर्शन व पुतला दहन कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने लगातार अडानी को केंद्र की मोदी सरकार का संपोषित नेक्सस बताया जिसको भाजपा और उसके सहयोगियों ने झुठलाया लेकिन अमेरिका में हुई हालिया कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि केंद्र सरकार के संरक्षण में देश विदेश में लूट करने की खुली छूट पाएं अडानी ने कैसे देश की साख को वैश्विक स्तर पर बट्टा लगाने का काम किया है। देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक हैं तो सेफ हैं का मतलब भी आम लोगों को समझाना चाहा और अब अमेरिका में वहां के निवेशकों के पैसे हड़पने और भारत में सौर बिजली बिक्री के लिए रिश्वतखोरी की बात सामने आई है जिसमें अडानी पर गैर जमानती वारंट जारी हुआ है बावजूद इसके देश में इस मामले पर सरकार के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। देश की साख को धूमिल कर व्यवसाय करने वाले अडानी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सह पर खड़ा साम्राज्य अब सबको दिखने लगा है। भाजपा के नेता लगातार अडानी का प्रवक्ता बनकर टीवी चैनलों पर ओवरटाइम नौकरी कर रहे हैं। ये सोचने वाली बात है कि आखिर भारत में रिश्वतखोरी की जांच अमेरिका में हो जाती है लेकिन देश के अंदर ऐसी कमजोर सरकार है जो इस मामले पर कान में तेल डालकर सो रही है। इस मामले पर अविलंब संयुक्त संसदीय समिति का गठन कर निष्पक्ष जांच हो और अडानी और सभी दोषियों के साथ रिश्वतखोरी करने वाले अधिकारियों की भी गिरफ्तारी हो।

हाईवा ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत , दूसरा रेफर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के डुमरसन बाजार में लखनपुर से लौट रहे बाइक सवार दो युवक को अनियंत्रित तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने रौंद डाला। जिससे मौके पर ही अरमान मिया पिता लाल मोहम्मद उम्र 18 वर्ष की मौत हो गई वही दूसरा युवक सनवर अली उम्र 19 वर्ष पिता भोथा मियां को गंभीर हालत में मशरक सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया। दोनो ही युवक शनिवार को उड़ीसा से घर पर शादी समारोह में शामिल होने आए थे। रविवार को शादी समारोह से पूर्व दोनों साथी मशरक से सामान खरीद गांव लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार डंपर ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। मां बसिरन खातून रोते रोते बेहोश हो जा रही हैं ।मृतक अरमान छोटा भाई है और असरफ दो भाई है उड़ीसा में फेरी का काम कर परिवार के सदस्यों का भरण पोषण करता था शादी समारोह मे शामिल होने घर आया था। मौके पर मशरक थानाध्यक्ष अजय कुमार दल बल के साथ पहुंच कर जायजा लिया ।पुलिस के अथक प्रयासों के बाद भी परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया ।

आभूषण दुकान में अपराधियों ने लाखो का जेवर लूटकर हुआ फरार,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार की संध्या समस्तीपुर शहर के भरी बाजार स्थित अनिल ज्वेलर्स में भीषण डकैती होने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि बदमाशों ने ज्वेलरी दुकान से करोड़ से अधिक मूल्य की ज्वेलरी और नगदी लूट ली है। आधा दर्जन से अधिक की संख्या में पहुंचे लूटेरों ने सभी कर्मचारियों को बंधक बनाकर डकैती की घटना को अंजाम दिया है। वैसे घटना के बाद एएसपी संजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस डीआईयू की टीम घटना की छानबीन में जुट गई है। पुलिस को घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मिल गया है। जिसकी मदद से लूटेरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों का चेहरा साफ साफ दिख रहा है। पुलिस शहर की नाकेबंदी करके जांच शुरू कर दी है। बदमाशों ने समस्तीपुर की पुलिसिया व्यवस्था को धत्ता बताते हुए एक बार फिर सरेशाम डाका डाला है। बाईक से पहुंचे बदमाश बड़े-बड़े झोलों में भरकर ज्वेलरी ले गये हैं। बताते चले कि हीरा ज्वेलर्स एवं रिलायंस ज्वेलर्स डकैती कांड के बाद समस्तीपुर की यह सबसे बड़ी डकैती बतायी जा रही है। इधर ए एस पी संजय कुमार पांडे ने मौके पर पहुंचकर अपने स्तर से जांच पड़ताल कर रहे हैं।

पैक्स चुनाव में नामांकन प्रक्रिया में की गई अनदेखी, जांच का विषय : परवेज आलम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर प्रखंड के अंतर्गत पैक्स चुनाव के नामांकन के नियम की गई अंदेखी। बिना जाति प्रमाण पत्र के आरक्षण सीट पर हुआ नामांकन, लखनीपुर महेशपट्टी पैक्स मे मेंबर के रूप में इंदु देवी ने नामांकन किया जिसे सामान्य कोटि मे नामित करना था, लेकिन बिना जाति प्रमाण पत्र लिए हुए ही उनका नामांकन आरक्षण कोटि मे नामित किया गया। होना यह चाहिए था के जाति प्रमाण पत्र नही होने के कारण उनका नामांकन समान कोटि में होना था या रद्द करना था आवेदन देने के बाद भी नही सुधार किया गया और कोई भी कर्मी के द्वारा सही से बात भी नही किया गया हद तो उस समय हुआ जब कोई अभिनव ठाकुर कर्मी के द्वारा बात करने पर सही तरह से बात नही किया। इतना ही नहीं उन्होंने सही भाषा का प्रयोग भी उनके द्वारा नही किया गया। इस तरह का व्यवस्था जब नामांकन में है तो गिनती से समय क्या हाल होगा। जब प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी से बात करने की कोशिश की गयी तो फोन पर बात नही हो सकी और मिलने की कोशिश की गयी तो वहाँ पर जो कर्मी थे उसने मिलने नही दिया और कहा गया के अभी व्यस्त है, नही मिल सकते आप को जो आवेदन देना है दे दें आवेद न पर भी कुछ नही हुआ। इस मामले को लेकर राजद के जिला महासचिव मो परवेज आलम ने खेद जताया है, उन्होंने नामांकन को रद्द करने की मांग निवार्ची पदाधिकारी से की है।

आँगनवाड़ी सेविकाओं को दिया गया 10 लाभुकों को स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ दिलाने का लक्ष्य

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- जिला प्रबंधक, जिला निबंधन-सह-परामर्श केन्द्र, दरभंगा विकास कुमार ने बताया कि जिला पदाधिकारी, दरभंगा श्री राजीव रौशन के आदेश के आलोक में मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के प्रगति को लेकर केवटी, बहादुरपुर एवं बेनीपुर प्रखण्ड के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा आँगनवाड़ी सेविका के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला निबंधन-सह-परामर्श केन्द्र, दरभंगा के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री निश्चय स्वंय सहायता योजना भत्ता के संबंध में उपस्थित सभी आँगनवाड़ी सेविका को विस्तृत जानकारी दिया गया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ 12वीं पास युवक/युवतियों, जिनका उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच हो तथा जो किन्हीं कारणवश आगे की पढ़ाई नहीं कर रहे हो और रोजगार की तलाश में हो, तो उन्हें बिहार सरकार प्रत्येक माह एक हजार रुपये अधिकतम 24 माह तक सहायता राशि का लाभ देती है। बैठक में सभी आँगनवाड़ी सेविकाओं को अपने क्षेत्र के कम-से-कम 10 पात्र लाभुकों को इस योजना का लाभ दिलाने हेतु लक्ष्य भी दिया गया।

प्रबंधक विकास कुमार के द्वारा बताया गया कि "मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना" के बारे में विस्तृत जानकारी कार्यालय के दूरभाष नम्बर - 06272-247018 एवं 06272-247043 तथा मोबाइल नम्बर - 9709344449 एवं 8340147210 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उक्त कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षिका पुतुल रानी, स्नेहा कुमारी, रंजीता गोयल एवं अन्य उपस्थित थे।

मोटर वाहन चालकों से अवैध रूप से राशि लेने पर सीटू ने खेद जताया,

30 को मोटर वाहन का चक्का जाम करने का लिया निर्णय

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को जिला परिवहन मजदूर युनियन सीटु, बिहार स्टेट आटो चालक संघ, बिहार राज्य ईरिक्शा चालक युनियन के बैनर तले आशोक राय की अध्यक्षता मे की गई। ऑटो, टोटो चालक ने विस्तार से बहादुरपुर, मगरदही घाट, मथुरापुर घाट, भोला टाकीज चौक, मोहनपुर, गोलंबर पर रंगदारी वसुली पर रोक के लिए आंदोलन करने पर मजबूर हैं। टोटो, ऑटो लगाने की जगह नही पुलिस भी गुंडा के प्रभाव में पकड़कर फाईन वसुलती है। बस पड़ाव मे गुंडा 300 / 500 रुपया जबरन वसुल रहे हैं। नगर थानाध्यक्ष को कई बार आवेदन दिया गया परंतु उनके द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है। नगर थानाध्यक्ष को अवैध वसुली करने वाले 30 हजार रुपया महीना देते हैं। सभी रंगदारी वसुलने वाले भजपा टीम के हैं। बैठक को सीटु के राज्य महासचिव अनुपम कुमार, परिवहन के महामंत्री डॉ एस एम ए इमाम, प्रमोद गुप्ता, मो हुसैन, मो ईलियास, ललित राय, अशोक राय, विशनाथ साह, अमन सिंह, अजय कुमार, आशोक राम, रामसागर महतो, अजामिल हसन, मो निजामुद्दीन, सिंटूसाह, अंकित कुमार, रामा राय, सुनिता देवी ने सम्बोधित किए। बैठक में फैसला लिया गया कि 27/11, 28/11को आयुक्त, मेयर का पुतला जलाया जाएगा 29/11 को 47 वार्डों में नुक्कड़ सभा किया जाएगा तथा 30/11/24 को सभी तरह के वाहन मोटर का चक्का जाम हड़ताल किया जाएगा।

जदयू का आगामी 14 दिसंबर 2024 को दरभंगा में होने वाले जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए डॉ. अवन कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- जद यू का आगामी 14 दिसंबर 2024 को दरभंगा में होने वाले जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए दरभंगा जिला जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ की ओर से लहेरियासराय स्थित अतिथि गृह के सभागार में प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. अवन कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई । बैठक में मुख्य रूप से आगामी 14 दिसंबर को होने वाले दरभंगा जिला जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारीओं पर चर्चा की गई। सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ. अवन कुमार राय ने कहा कि शिक्षा प्रकोष्ठ के सभी कार्यकर्ता साथी अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पार्टी के विचार धाराओं के साथ चलकर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के बढ़ते हुए बिहार में चार चांद लगाने हेतु एकत्रित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए तथा समर्पित कार्यकताओं सहित प्रत्येक बूथ अध्यक्ष, बूथ सचिव से संपर्क कर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। डॉ. अवन कुमार ने कहा की शिक्षा प्रकोष्ठ के सभी सम्मानित कार्यकर्ता साथी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किए गए जन कल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्रचार -प्रसार कर जनता तक पहुंचाएं तभी संगठन मजबूत होगा और जब संगठन मजबूत होगा तभी आने वाले 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में चुनाव जीतने का जो लक्ष्य रखा है वह लक्ष्य पूरा हो पाएगा। प्रदेश महासचिव प्रो. शहजाद मंजर ने आगामी कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर सभी कार्यकताओं से आग्रह करते हुआ कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन में शिक्षा प्रकोष्ठ की भागीदारी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएगा। प्रदेश महासचिव प्रो. रौशन कुमार झा एवं शशि कुमार ने कहा कि शिक्षा प्रकोष्ठ दरभंगा अपने पूरी टीम के साथ मजबूती के साथ शामिल होगा। कार्यक्रम के बैठक में डॉ.अखिलेश कुमार भिवू, डॉ.माधवी कुमारी, डॉ. अभिमन्यु कुमार, डॉ.मणिशंकर झा, मो. तबरेज, रमण कुमार, शिवनंदन कुमार, शिवम झा, गौतम कुमार उपस्थित थे!

पटना एम्स के कैंसर विभाग के प्रमुख ने मशरक में लगाया जागरूकता चौपाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत के महाराणा प्रताप चौंक के पास भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय के आवास पर एम्स पटना के कैंसर सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ जगजीत पांडेय ने कैंसर बीमारी को लेकर जागरूकता चौपाल में भाग लिया। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बीरबल प्रसाद कुशवाहा, आप नेता अमित कुमार सिंह, मुन्ना पांडेय, गौतम ओझा, नंदन बाबा, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि कमलेश सिंह समेत अन्य मौजूद रहें। सभी ने डॉ जगजीत पांडेय को अंग वस्त्र और फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर उन्होंने कहा कि कैंसर गंभीर बीमारी है लेकिन इसे लेकर लोगों में धारणा है कि इसका इलाज संभव नहीं है । लकिन ऐसा तभी होता है जब बीमारी अंतिम चरण में पहुंच जाती है। समय पर इसकी पहचान होने पर इसका इलाज संभव है। कैंसर की समझ तब आती है, जब वह विकराल रूप पकड़ लेता है। यानी वह चौथी स्टेज के कैंसर के रूप में हो जाता है। अन्यथा अगर कैंसर का पहले दूसरे या तीसरे स्टेज से ही सही ट्रीटमेंट दी जाए तो उसका इलाज संभव है।

सिहमा पंचायत के पूर्व मुखिया के पुत्र का असामयिक निधन, ग्रामीणों में शोक की लहर

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मुकेश कुमार

बिथान (समस्तीपुर)। प्रखंड क्षेत्र के सिहमा पंचायत के सिहमा गांव निवासी पूर्व मुखिया उर्मिला देवी के द्वितीय पुत्र राजेश कुमार उर्फ गोपी रमण 42 वर्ष की आयु में असामयिक निधन हो गया। वे यकृत की बीमारी से ग्रस्ति थे। जिनका उपचार एक माह से पटना के एम्स अस्पताल में चल रहा था। उन्होंने आखरी सांस शनिवार की देर रात्री ली। उनके निधन से न केवल गांव के बल्कि पूरे बिथान व हसनपुर प्रखंड में शोक की गहरी लहर दौड़ गई है। गोपी रमण ने अपने जीवन में समाज के उत्थान और कल्याण के लिए अनगिनत प्रयास किए। उनकी सादगी और ईमानदारी ने उन्हें सभी के दिलों में एक खास जगह दिलाई थी। रमण जी का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक था। वे हमेशा दूसरों की भलाई के लिए समर्पित रहे और उनके द्वारा किए गये कार्यों ने अनेक लोगों के जीवन को प्रभावित किया। उनके निधन से जो शून्यता आई है उसे भर पाना संभव नहीं है। समाज के हर वर्ग के लोग उनके योगदान को याद करेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।मुख्य अग्नि उनके बड़े भाई समाज सेवी राधिका रमण उर्फ डब्ल्यू यादव ने दी। श्री गोपी रमण अपने पीछे तीन पुत्री, एक पुत्र एवं पत्नी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ चल बसे।उनके असामयिक निधन से लोगों में मातम छाया हुआ है। उनके निधन पर कई प्रमुख नेताओं और समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वाले में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री गजेंद्र प्रसाद हिमांशू, पूर्व विधायक सुनील कुमार पुष्पम, पूर्व विधायक राजकुमार राय, राष्ट्रीय जनता दल की वरिष्ट नेत्री सह हसनपुर विधायक प्रतिनिधि श्रीमती विभा देवी, राजद नेता रामनारायण मंडल, ललन यादव, राजेश कुमार यादव, सिहमा पंचायत के मुखिया, पूर्व मुखिया सुनील कुमार यादव, जदयु के वरिष्ठ नेता शिवशंकर यादव, कैलाश राय, जदयु प्रखंड अध्यक्ष बिथान, बिथान प्रखंड प्रमुख ललिता देवी, राजद प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मी यादव, श्रवण यादव आदि का नाम शामिल है ।

बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं, उनका संरक्षण करना हमारा परम कर्तव्य -डीएम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- समाहरणालय अवस्थित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर सभागार में बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर आयोजित एक दिवसीय-सह- उन्मुखीकरण कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी दरभंगा श्री राजीव रौशन के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

किशोर न्याय अधिनियम 2015,पोक्सो अधिनियम 2012, दत्तक ग्रहण एवं परवरिश विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में प्रधान दंडाधिकारी किशोर न्याय बोर्ड दरभंगा,अध्यक्ष कल्याण समिति, उप निदेशक जन संपर्क, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, श्रम अधीक्षक आदि उपस्थित थे।

सहायक निदेशक सुश्री नेहा कुमारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने जल जीवन हरियाली की प्रतीक सभी आगत अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित की। कार्यशाला में जिले के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी, अधीक्षक पर्यवेक्षण गृह/बालगृह, समन्वयक, विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, चाइल्ड हेल्प लाइन एवं सभी हितधारकों को शाहिद जावेद एवं सैफुर रहमान, राज्य परामर्शी समाज कल्याण निदेशालय बिहार पटना द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य है, उनका संरक्षण करना,उन्हें समाज में मुख्य धारा से जोड़ना हम सबों का दायित्व है,हमें इसके लिए समाज को जागरूक करना है। प्रधान दंडाधिकारी ने सभी थाना प्रभारी एवं बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी को संबोधित करते हुए किशोर न्याय अधिनियम में कई धाराओं को उल्लेख किया और बताया कि पेटी ऑफेंस(ढी३३८ डाािल्लू) एवं सीरियस ऑफेंस मामलों में केवल संदेह के आधार पर बच्चों को विधि विवादित नहीं मानेंगे, विधि विवादित बच्चों के मामले में उम्र का निर्धारण हेतु जेजे एक्ट धारा -94 का अनुपालन किया जाना है। राज्य परामर्शी सह प्रशिक्षक शाहिद जावेद द्वारा जेजे एक्ट 2015 के विभिन्न धाराओं एवं इसमें व्यावहारिक अनुप्रयोग को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।साथ ही सैफुर रहमान द्वारा पास्को एक्ट पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए एवं इसके अधीन संचालित मामलों में त्वरित प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बताया कि पास्को मामले में 24 घंटे के अंदर बाल कल्याण समिति को एफआईआर की कॉपी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जानी है।कार्यक्रम के अंत में नेहा कुमारी द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि बच्चों के देख रेख एवं संरक्षण की जरूरतमंद तथा विधि विवादित बच्चों के संरक्षण हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई एक नोडल इकाई है। जिले में बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, पर्यवेक्षक गृह, बालगृह तथा विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान संचालित है।

उन्होंने कहा कि जिले के सभी पुलिस थानों में चाइल्ड फ्रेंडली कॉर्नर बनाया जा चुका है। साथ ही बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी नामित है,उन्होंने बताया कि जिले में संस्थानिक के अलावा गैर संस्थानिक स्तर पर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को जिले में की जा रही है दत्तक ग्रहण, चाइल्ड हेल्प लाईन-(1098/112) पोक्सो एक्ट आदि का जिले में बैनर ,फ्लेक्स नुक्कड़ नाटक, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार की जा रही है। बाल श्रम आदि रेस्क्यू अभियान नियमित रूप से चलाई जा रही है, परवरिश योजना में 643 लाभुकों को लाभ दी जा रही है।

उन्होंने बाल संरक्षण संबंधित सभी हितधारकों से संवेदनशीलता के साथ काम करने की अपील की। उप निदेशक जनसंपर्क श्री सत्येंद्र प्रसाद ने उपस्थित सभी से डीएम फेसबुक दरभंगा पेज को फॉलो लाइक और शेयर करने का अनुरोध उपस्थित पदाधिकारियों से किया।

मन की बात' कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा मिली -डॉ दिलीप जायसवाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में "मन की बात" कार्यक्रम के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का प्रेरणादायी संबोधन सुना गया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री श्री विजय सिन्हा एवं प्रदेश महामंत्री संगठन श्री भीखु भाई दलसानिया उपस्थित रहे।कार्यक्रम में समाज में सार्थक बदलाव लाने और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रेरणा प्राप्त हुई। माननीय प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री श्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा,

"माननीय प्रधानमंत्री जी का प्रत्येक संबोधन हमें राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की नई ऊर्जा देता है। 'मन की बात' कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को जोड़ने और सकारात्मक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने का मंच प्रदान करता है।इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकताओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा लेते हुए पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। प्रदेश महामन्त्री श्री राजेश वर्मा, श्रीमती निवेदिता सिंह,श्रीमती सजल झा भी उपस्थित रहीं।

शहाबा एकेडमी इस्लामिक स्कूल पर बुलडोजर चलाने के खिलाफ भाकपा माले ने निकाला प्रतिरोध मार्च,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

बुल्डोजर चलाने से हुए नुकसान का 20 लाख रुपए मुआवजा पीड़ित को मिले : खुर्शीद खैर

समस्तीपुर।शहाबा एकेडमी इस्लामिक स्कूल भगीरथपुर - कल्याणपुर में बुल्डोजर चलाकर तहस- नहस करने के खिलाफ भाकपा माले एवं इंसाफ मंच ने रविवार को प्रतिरोध मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में भाकपा - माले एवं इंसाफ मंच के कार्यकताओं ने शहर के मालगोदाम चौक स्थित भाकपा माले कार्यालय पर जुटकर अपने- अपने हाथों पर झंडे - बैनर एवं मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर प्रतिरोध मार्च निकाला।नारे लगाते हुए प्रतिरोध मार्च बाजार क्षेत्र के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए स्टेशन चौक पहुंचकर मार्च सभा में तब्दील हो गया। अध्यक्षता माले जिला सचिव उमेश कुमार ने किया। सभा का संचालन इंसाफ मंच के जिला संयोजक खुर्शीद खैर ने किया।सभा को संबोधित करते हुए माले राज्य कमिटी सदस्य बंदना सिंह ने कहा कि यूपी के योगी राज के नक्शेकदम पर बिहार की भाजपा - जदयू की नीतीश सरकार ने कल्याणपुर के भगीरथपुर स्थित शहाबा एकेडमी इस्लामिक स्कूल बुल्डोजर चलवाया। यह कार्रवाई एक अभियुक्त को पकड़ने के नाम पर की गई। यह बुलडोजर कार्रवाई हाल ही में आये सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उलंघन है। जदयू - भाजपा सरकार खुलेआम उक्त फैसले का धज्जियां उड़ा रही है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में माले जिला सचिव उमेश कुमार ने कहा कि मथुरापुर थानाध्यक्ष थाना को कोर्ट समझ रखा है। शहाबा एकेडमी पर पुलिसिया बुल्डोजर चलाना सुप्रीम कोर्ट एवं संविधान पर हमला है। इस कार्रवाई में शामिल मथुरापुर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार समेत तमाम पदाधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग भाकपा माले करती है।उन्होंने कहा कि समस्तीपुर शहर के पटेल मैदान में सांसद शांभवी चौधरी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के आव- भगत में पुलिस मजिस्ट्रेट- अधिकारी व्यस्त रहते हैं और दूसरी ओर बगल में अनिल ज्वेलर्स लूटकांड हो जाता है। यह राजनीतिक - प्रशासनिक विफलता को दशार्ता है। लगातार जिले में हत्या - अपराध - लूट की घटनाएं घट रही है।यह चिंताजनक है।

समस्तीपुर में ज्वेलरी दुकान से एक करोड़ से अधिक की लूट, पहले भी दो दुकानों में हो चुकी है बड़ी लूट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- पुरानी पोस्ट ऑफिस रोड स्थित अनिल ज्वेलर्स में ग्राहक बनकर घुसे चार लुटेरों ने शनिवार शाम 6:40 बजे एक करोड़ से अधिक के गहने लूट लिए। गहने 112 डिब्बों व काउंटर पर रखे हुए थे। 10 मिनट के अंदर वारदात को अंजाम देकर लुटेरे बाइक से भाग निकले।दुकानदार डॉ. अनिल कुमार ने लूट के जेवरात की कीमत बताने में फिलहाल असमर्थता जताई है।पुलिस जांच में जुट गई है। एफएसएल की टीम बुलाई गई है।एएसपी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों के चेहरे दिख रहे हैं।पुलिस गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गयी है।एसआईटी गठित की गई है। मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा। दुकानदार डॉ.

अनिल कुमार ने बताया कि शाम 6.40 बजे दुकान बंद करने की तैयारी थी।उसी समय दो बदमाश घुस आए और चेन दिखाने को कउन्हें दुकान बंद होने का हवाला देकर कल आने को कहा गया। इस बीच दो और बदमाश दुकान में घुस गए। सभी ने पिस्तौल के बल लूटपाट की। किसी से मारपीट नहीं की गई। उन्होंने बताया कि आकलन के बाद लूटे गये जेवरात की कीमत बतायी जा सकती है। माना जा रहा है कि लूट की राशि बढ़ सकती है।

समस्तीपुर: दिव्यांशु को जूनियर वैज्ञानिक सहायक पद पर प्रथम स्थान, ग्रामीणों में हर्ष का माहौल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

सरोज देवी के पुत्र दिव्यांशु भूषण ने आल इंडिया स्टाइपेंडरी ट्रेनी (श्रेणी-2) परीक्षा में जूनियर वैज्ञानिक सहायक बी पद पर एससी श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक में प्रथम स्थान लाकर क्षेत्र का नाम रौशन किया है।

समस्तीपुर/विद्यापतिनगर :- विद्यापतिनगर के बाजिदपुर गांव निवासी रेलवे कर्मचारी शशि भूषण एवं शिक्षिका सरोज देवी के पुत्र दिव्यांशु भूषण ने आल इंडिया स्टाइपेंडरी ट्रेनी (श्रेणी-2) परीक्षा में जूनियर वैज्ञानिक सहायक बी पद पर एससी श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक में प्रथम स्थान लाकर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। इसके इस कामयाबी पर क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है। लोगों ने उसके सफलता पर बधाई दी है।दिव्यांशु भूषण ने मैट्रिक की परीक्षा विद्यापतिनगर हाई स्कूल मऊ बाजिदपुर दक्षिण तथा इंटर की परीक्षा उगन त्रिवेणी कालेज चमथा से किया है। प्रारंभिक पढ़ाई ग्रामीण परिवेश में करते हुए इस कामयाबी को प्राप्त करने पर माता पिता फुले नहीं समा रहे हैं। दिव्यांशु की इच्छा इसरो में वैज्ञानिक बनकर देश की सेवा करने की है।

अवैध बालू व्यापार के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, 15 लाख सीएफटी बालू जब्त : विजय कुमार सिन्हा

बिहार में ओवरलोडिंग पर अंकुश लगा है : विजय कुमार सिन्हा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- जब्त बालू की बिक्री आवश्यकता अनुसार की जाएगी : विजय कुमार सिन्हा

पटना, 24 नवंबर। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज दावा करते हुए कहा कि बालू घाटों का हेलीकॉप्टर से निरीक्षण किया गया और उसके आधार पर अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक किया गया। इसके तहत डोरीगंज, छपरा से 3000 ट्रक बालू यानी 15 लाख सीएफटी बालू जब्त किया गया।यह कार्रवाई अभी भी जारी है। इस कार्रवाई में चार ट्रक, 6 ट्रैक्टर, जेसीबी के साथ कुछ लोग भी गिरफ्तार हुए हैं।भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में उप मुख्यमंत्री सह खनन विभाग संभाल रहे विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार ने ट्रक पकड़वाने वाले को 10,000 रुपये और ट्रैक्टर पकड़वाने वाले को 5,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।जल्द ही करीब तीन से चार दर्जन ऐसे बिहार के योद्धाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।सिन्हा ने चेतावनी दी कि यदि अवैध खनन जारी रहा, तो दोषी अधिकारियों और थाने के पदाधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।सरकार का उद्देश्य राजस्व की चोरी रोकना और खनन को नियमित करना है।उन्होंने कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के साथ आगे बढ़ रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री सिन्हा ने जोर देकर कहा कि बिहार में ओवर लोडिंग में 90 प्रतिशत की कमी आयी है।इससे जहां ट्रक को लाभ हो रहा है वही सड़कों की आयु भी बढ़ रही है।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में आगे कहा कि जो भी बालू जब्त हुई है उसकी बिक्री लोगों के आवश्यकता के अनुसार किया जाएगा। जल्द ही बालू के ऑनलाइन बिक्री की व्यवस्था लागू की जाएगी।उन्होंने कहा कि बालू की ओवरलोडिंग नहीं होने दिया जाएगा। बालू मित्र की जल्द शुरूआत होगी।उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने बताया कि भोजपुर पटना सहित कई जिलों के भी अवैध कारोबारी को चिन्हित किया गया है। इन्हें कई बार मौका देने के बाद ये नहीं सुधरे हैं।इनके खिलाफ विभाग सख्त कार्रवाई करेगी।वहीं जो अधिकारी माफियाओं के साथ मिलकर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें भी बक्शा नहीं जाएगा। सभी लोगों को चिन्हित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि, बालू खनन में शामिल पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जिस थाने के अंतर्गत अवैध बालू खनन होगा, थाना प्रभारी अगर इसका समर्थन करते हुए पाए गए तो उसकी संपत्ति भी जब्त की जायेगी।इसके लिए सभी थानों में सीसीटीवी कैमरा भी लगाया जाएगा। साथ ही पुलिस द्वारा गाड़ियों से अवैध वसूली को रोकने के लिए यह निर्देशित किया गया।

मस्जिद का सर्वे पूरा हुआ अब यह रिपोर्ट कोर्ट में सौंपी जाएगी,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मस्जिद का सर्वे कर रही टीम आज का काम पूरा कर कोतवाली पहुंची। सर्वे के बाद वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सर्वे पूरा हुआ अब यह रिपोर्ट कोर्ट में सौंपी जाएगी, जो अदालत का निर्णय होगा उसके अनुसार अगली कार्रवाई होगी। कोर्ट कमिश्नर 29 तारीख को दाखिल करेंगे कोर्ट में रिपोर्ट।

संभल में आज सुबह हुए बवाल में अब बड़ी खबर आ रही है, 2 लोगों की गोली लगने से मौत होने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एक चर्चा ये है कि एक व्यक्ति की मौत पुलिस की गोली लगने से हुई है, वहीं ये भी कहा जा रहा है कि छतों से हुई फायरिंग में 2 लोगों की मौत हुई है। घायल व्यक्तियों की अस्पताल मे इलाज के दौरान मौत हुई है। इस संबंध में संभल के पुलिस अधिकारी अभी कुछ कहने से बच रहे हैं। अस्पताल को छावनी बना दिया गया है, बड़ी संख्या में फोर्स व अधिकारी वहां मौजूद हैं।

संभल के उपद्रव में मारे गए दोनों युवकों के शव अस्पताल से उनके घर ले जाए गए हैं। बताया जा रहा है कि इन दोनों की मौत उपद्रवियों द्वारा छतों से की गई फायरिंग में हुई है, मृतकों के नाम नईम व नोमान बताएं जा रहे हैं। दो मौतों के बाद तनाव एकबार फिर से बढ़ गया है और कई क्षेत्रों में रुक-रुक कर पथराव हो रहा है। मुरादाबाद के कमिश्नर भी संभल पहुंच गए हैं, जबकि डीआईजी डीएम एवं एसपी पहले से ही भारी फोर्स के साथ मौके पर मौजूद हैं। खबर है कि करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें 2 महिलाएं भी बताईं जा रहीं है। आसपास के जिलों से भी फोर्स को संभल भेजा गया है। एक सीओ सहित कई पुलिसकर्मी भी पथराव में घायल हुए हैं।

मृतकों की संख्या 3 हुई, अस्पताल में इलाज के दौरान एक और व्यक्ति की हुई मौत। बिलाल नामक इस युवक की मौत भी उपद्रवियों द्वारा छतों से की गई फायरिंग में गोली लगने से होना बताई जा रही है। उधर एक मृतक के परिजनों का आरोप है कि उनके बेटे की मौत पुलिस की गोली से हुई है। मुरादाबाद के पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि पूरे मामले की निष्पक्षता के साथ जांच होगी। एक पुलिस अधिकारी के पैर में भी गोली लगी है। पुलिसकर्मियों सहित 20 लोग घायल हुए हैं।

भारत इमर्जेंसी हॉस्पिटल में फ्री आई चेकअप कैंप का सफल आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

दिनांक 24 नवंबर, 2024 को भारत इमर्जेंसी हॉस्पिटल कैंपस में एक फ्री आई चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टर निखत कौसर (टइर, ऊडटर, ऊटउऌ, फेलो अर्विंद आई हॉस्पिटल, तामिल नाडू) ने लगभग 100 से अधिक मरीजों की जांच की और आँखों की देखभाल के महत्व पर जागरूकता बढ़ाई। डॉक्टर निकहत कौसर, जो पटना से संबंध रखती हैं, हर गुरुवार को भारत इमर्जेंसी हॉस्पिटल में अपनी सेवाएँ देती हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन अस्पताल के निदेशक, डॉ. रोशन कुमार, और मुख्य अतिथि, डॉ. आर. बी. साहनी, द्वारा किया गया। इस अवसर पर चीफ इंजीनियर रियाज अहमद, और दिल्ली

पब्लिक स्कूल, ताजपुर के निदेशक, मस्रूद हसन, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉक्टर निकहत कौसर ने मरीजों को आँखों की सुरक्षा, सही खानपान, और समय-समय पर चेकअप कराने के महत्व पर जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नियमित जांच और सावधानी बरतने से आँखों की बीमारियों से बचा जा सकता है।इस अवसर पर डॉ. रोशन कुमार ने कहा, "हमारा उद्देश्य समाज को स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ और किफायती बनाना है। इस कैंप के माध्यम से हमने लोगों को जागरूक करने और उनकी आँखों की सेहत को बेहतर बनाने का प्रयास किया है।मस्रूद हसन ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, "स्वास्थ्य और शिक्षा समाज के दो मजबूत स्तंभ हैं। ऐसे आयोजन समाज को बेहतर दिशा में ले जाने में सहायक होते हैं।यह आयोजन सफल रहा और स्थानीय लोगों ने इसे भरपूर सराहना दी। भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों का आयोजन करने का वादा किया गया। भारत इमर्जेंसी हॉस्पिटल का यह कदम स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो समाज में जागरूकता फैलाने और स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने में सहायक होगा।

मो सलाम का निकाह (शादी) उजाला प्रवीण के साथ हुआ सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के सतमलपुर पंचायत के बड़ी बाग निवासी मो मुख्तार साहेब के साहेबजादे मो सलाम का निकाह पूसा (वैनी) थाना के मोहम्मदपुर कोआरी बाशिंदा मो तौहीद साहेब की साहेबजादी उजाला प्रवीण के साथ हुआ। निकाह नेक मोहम्मद ने पढ़ाई। निकाह के बाद मौलाना ने नौ उरूस जोड़े को बेहतर जिंदगी गुजारने की दुआ की। इधर निकाह (शादी) सम्पन्न होने के बाद नौ उरूस जोड़े को मुबारकबाक देने वालों में गुलाम कादिर, शेख गयासुद्दीन, सफी अहमद, अब्दुर रहमान, मो जमालुद्दीन, मो अब्बास, मो आलमगीर, मो रब्बानी, लाल बाबू, मो चांद, मो सलाम, अब्दुल अमानत पत्रकार एम नईमुद्दीन आजाद आदि का नाम शामिल है।

सरदार पटेल के सपने साकार कर रहे हैं मोदी और नीतीश - सम्राट चौधरी

कांग्रेस ने लौह पुरुष को सम्मान नहीं दिया, मोदी ने बनवायी सबसे ऊंची प्रतिमा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- उप मुख्यमंत्री ने पटेल सेवा संघ को भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये दिये

पटना । उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारतरत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 149 वें जयंती समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सच्चे अर्थों में सरदार पटेल के सपनों को साकार कर रहे हैं। पटेल सेवा संघ (बिहार) की ओर से आयोजित जयंती समारोह में श्री चौधरी ने कहा कि सरदार पटेल ने 565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर देश की एकता-अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभायी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने धारा-370 और 35-ए की असंवैधानिक व्यवस्था कर जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग-थलग रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2019 में धारा-370 को हटा कर सरदार पटेल के अधूरे काम को पूरा किया।

श्री चौधरी ने कहा कि पिछड़ा विरोधी मानसिकता वाली कांग्रेस ने सरदार को कभी सम्मान नहीं दिया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के सरदार सरोवर बांध पर लौह पुरुष की सबसे ऊँची प्रतिमा बनवा कर उन्हें वह सम्मान दिया, जो उनके ऐतिहासिक और महान योगदान के अनुरूप था।

उन्होंने कहा कि लौह पुरुष की प्रतिमा के निर्माण में देश भर का लोहा जोड़ने का विचार भी प्रधानमंत्री मोदी का था। इस प्रतिमा के लिए बिहार की जनता ने भी लौह दान किया है।

श्री चौधरी ने कहा कि बिहार में सामाजिक न्याय के साथ विकास कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटेल के आदर्शों को धरातल पर उतार रहे हैं। उन्होंने इस अवलर पर अपने कोष से पटेल सेवा संघ (बिहार) को भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये दिये ।

जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए जदयू परिवार की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ का 1 दिसंबर को आहुत जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन जो कपूर्री सभागार बारह पत्थर में आयोजित है, इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ समस्तीपुर का समीक्षात्मक बैठक लोहिया आश्रम में आयोजित किया गया। इस अवसर जदयू जिला अध्यक्ष सह जिला बीस सुत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में अति पिछड़ा समाज को सामाजिक, राजनीतिक उत्थान मिला पंचायती राज, नगर निकाय में आरक्षण, विद्यालयों छात्रों को पोशाक व छात्रवृत्ति, सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर अति पिछड़ा समाज को नई उंचाई दिया। साथ ही कहा की जदयू समस्तीपुर जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के नेतृत्व में मंत्री मदन सहनी, मंत्री जमा खान, सांसद लवली आनंद, विधायक रामविलास कामत, पूर्व मंत्री संतोष निराला, पुर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा, पुर्व विधायक मनीष चौधरी, पुर्व विधायक वशिष्ठ सिंह पधार रहे हैं। इस बैठक की अध्यक्षता जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अशरफी सहनी ने किया।

अनिल ज्वेलर्स लूट कांड की घटना को लेकर दलसिंहसराय पुलिस प्रशासन एवं सराफा व्यवसायी अलर्ट मोड पर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बीते दिन समस्तीपुर शहर के पी के दास रोड स्थित स्वर्ण प्रतिष्ठान अनिल ज्वेलर्स में दिनदहाड़े हुई अपराधी घटना के मद्दे नजर दलसिंहसराय थाना की पुलिस एवं सराफा व्यवसायी संघ के प्रतिनिधि शहर के सभी प्रतिष्ठानों में लगे सायरण एवं सीसीटीवी कैमरा का निरीक्षण किया। ट्रायल के तहत शहर के सभी जेवर दुकानों में लगे सायरण एकाएक बजने के कारण एकबार तों पुरे शहर में हड़कंप मच गया, बाद में ट्रायल की जानकारी होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। मौके पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार रंजन, पुनि रंजीत कुमार सिंह, संघ के अध्यक्ष अनिल सोनी, सचिव उपेंद्र स्वर्णकार, सुनील कुमार बमबम, आकास सोनी, मनोज ठाकुर, गोपाल ठाकुर, बॉबी ठाकुर सहित दर्जनों पुलिस कर्मी एवं संघ के सदस्य मौजूद थे।

दिनदहाड़े हुई अपराधी घटना के मद्दे नजर दलसिंहसराय थाना की पुलिस एवं सराफा व्यवसायी संघ के प्रतिनिधि शहर के सभी प्रतिष्ठानों में लगे सायरण एवं सीसीटीवी कैमरा का निरीक्षण किया।

मधुबनी जिलाधिकारी ने दीपशिखा सिंह द्वारा की गई मांगो का लिया संज्ञान, महिला सुरक्षा के लिए दिए सख्त निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबू बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिलाधिकारी ने दीपशिखा सिंह द्वारा की गई मांगो का लिया संज्ञान, महिला सुरक्षा के लिए दिए सख्त निर्देश
- दीपशिखा सिंह की मांगो को लेकर जिलाधिकारी ने जारी किया आदेश
- महिला सुरक्षा को लेकर दीपशिखा सिंह ने जिला प्रशासन को दिए कई अहम सुझाव

महिला विकास मंच की अध्यक्ष दीपशिखा सिंह की पहल पर डीबी कॉलेज, जयनगर और आसपास के क्षेत्र में महिला सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दो को लेकर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दीपशिखा सिंह ने डीबी कॉलेज, जयनगर के पास छात्र-छात्राओ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बस पड़ाव बनाने की मांग की। इसके साथ ही कॉलेज और विद्यालयों के आस-पास छुट्टी के समय पुलिस गश्त बढ़ाने और अनियमित रूप से चलने वाले ओवरलोडेड ई-रिक्शा पर रोक लगाने का सुझाव दिया।

जिलाधिकारी ने सुझावो को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागो को कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला परिवहन पदाधिकारी को डीबी कॉलेज, जयनगर के गेट के पास बस पड़ाव स्थापित करने के लिए कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल और अनुमंडल पदाधिकारी, जयनगर से समन्वय कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा के लिए विद्यालयो के पास छुट्टी के समय पुलिस गश्त बढ़ाने का आदेश दिया गया। साथ ही जिला परिवहन विभाग को अनियमित रूप से संचालित ई-रिक्शा के परिचालन को नियंत्रित करने और ओवरलोडिंग रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया गया।

महिला विकास मंच और जिलाधिकारी के प्रयासो ने क्षेत्र में महिला सुरक्षा के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है। यह निर्णय छात्र-छात्राओ और महिलाओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कदम न केवल महिलाओ और छात्राओं को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगा, बल्कि प्रशासन और नागरिको के बीच सहयोग का उदाहरण भी स्थापित करेगा।।

नाला निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर ग्रामीण आक्रोशित , बीडीओ ने की जांच पड़ताल

जसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा पंचायत के हंसापीर गांव के वार्ड -14 में नाला निर्माण कार्य में घटिया निर्माण कार्य को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार की सुबह नाला निर्माण स्थल पर पहुंच आक्रोश जताए। ग्रामीणों में रमेश राय,तेरस राय,सिपाही राय, अशोक राय, शिवकुमार राय, सुधीर राय समेत अन्य मौजूद रहें। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही बीडीओ पंकज कुमार ने दल बल के साथ पहुंच नाला निर्माण की जांच पड़ताल की। बीडीओ पंकज कुमार ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा नाला निर्माण कार्य में अनियमितता की शिकायत दर्ज कराई गई तो जांच-पड़ताल की गयी प्रथम दृष्टी में जेई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जबाब आते ही संबंधित पर कारवाई की जाएंगी। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि नाला निर्माण कार्य शुरू हुआ तब भी दीवाल निर्माण अनियमितता चलते दीवाल गिर पड़ा था जिस पर शिकायत दर्ज कराई गई थी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई वहीं ढक्कन निर्माण कार्य में तों और धांधली की जा रही है। जिसका नतीजा हैं कि नाला के ढक्कन का सिर्फ लोहे का सरिया दिख रहा है। ग्रामीणों ने आक्रोश जाहिर करते हुए इसकी जांच करने की मांग की और कार्य को बेहतर गुणवत्ता से कराने की मांग की।

मुसलमान जेडीयू को न पहले वोट देते थे, न अब देते हैं, लेकिन नीतीश कुमार... उपचुनाव के नतीजों पर बोले ललन सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना: बिहार उपचुनाव के नतीजों के बाद केंद्रीय मंत्री और मुंगेर से जेडीयू सांसद ललन सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होने कहा कि अल्पसंख्यक (मुसलमान) पहले भी जेडीयू को वोट नहीं देते थे, और न ही अब देते हैं। तो इस मुगालते में मत रहिए। नीतीश कुमार भी जानते हैं कि उन्हें कौन वोट देता है, और कौन नहीं देता है। नीतीश सिर्फ बिहार के विकास के बारे में सोचते हैं। रविवार को मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज में आयोजित जेडीयू के कार्यकर्ता सम्मेलन में ललन सिंह ने कहा कि बिहार में जब से नीतीश कुमार की सरकार है तब से वो अल्पसंख्यक समुदाय के लिए काम कर रहे हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है। इतना कुछ करने के बावजूद मुसलमान जेडीयू को वोट नहीं देते। वोट ये लोग उनको देते हैं, जिन्होने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कोई काम नहीं किया है। लेकिन नीतीश कुमार का मानना है कि जाने

दीजिए ये लोग किसे वोट देते हैं, हम सरकार में है, इसलिए हमारा फर्ज है। सभी के लिए काम करना। अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को हम सावधान करना चाहते हैं। नीतीश कुमार ने अति पिछड़ा वर्ग को समूह में चिन्हित करने का काम किया। लेकिन कुछ लोग लगे हुए हैं कि अति पिछड़े वर्ग के लोगों को भ्रमित करके उनको अलग-अलग करने का काम कर रहे हैं। जातियों और समाज में बांट रहे हैं। उनसे हम आग्रह करेंगे कि लालू और राबड़ी के शासनकाल को याद रखिएगा। आरजेडी के झांसे में मत आइएगा। बिहार में हुए 4 विधानसभा सीटों के उपचुनावों में एनडीए की बड़ी जीत पर ललन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल ने तो अपनी 2 मौजूदा सीटें भी खो दी है। एनडीए की एकतरफा जीत हुई है केंद्रीय मंत्री और मुंगेर से सांसद ललन सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक पहले भी जेडीयू को वोट नहीं देते थे, और न ही अब देते हैं। नीतीश कुमार भी जानते हैं कि उन्हें कौन वोट देता है, और कौन नहीं देता है। नीतीश सिर्फ बिहार के विकास के बारे में सोचते हैं।

पुलिस ने दो वारंटियों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के अंतर्गत चकमेहसी थाना के एएसआई संजीव कुमार ने अलग अलग स्थानों से दो वारंटियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पकड़े गए वारंटियों में चकमेहसी थाना क्षेत्र के सोरमार गांव निवासी शिव चंद्र ठाकुर का पुत्र संतोष कुमार उर्फ पृथ्वी ठाकुर एवं स्व भगलू सहनी का पुत्र शंभु सहनी के तौर पर हुई है। इधर थाना अध्यक्ष दिव्या ज्योति कुमारी ने कागजी प्रक्रिया के बाद दोनों वारंटियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ट्रक ने आटों में मारा टक्कर,घायल चालक सदर अस्पताल छपरा रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

मशरक छपरा एस एच 90 पर महाराणा प्रताप चौंक पर ट्रक की टक्कर से ऑटो चालक घायल हो गया। घायल को इमरजेंसी 112 की टीम ने सीएचसी मशरक में भर्ती कराया।घायल खैरा थाना क्षेत्र के मुशहेरी गांव निवासी दीनानाथ मांझी का 18 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार मांझी हैं। जो ऑटो का चालक हैं। छपरा जंक्शन से पैसेंजर लेकर मशरक आया था वहीं पर पैसेंजर छोड़ वापस जा रहा था कि महाराणा प्रताप चौंक पर अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गया।

महाराणा प्रताप चौंक पर ट्रक की टक्कर से ऑटो चालक घायल हो गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी के निदेर्शानुसार पार्टी के प्रधान महासचिव अब्दुल खालिक ने लोक बिहार जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनावी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपा है। जो आगामी चुनाव और संगठन को लेकर अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने बताया कि पार्टी के जमुई से माननीय सांसद अरुण भारती को संगठन एवं चुनाव का प्रभारी बनाया गया है, वहीं खगड़िया से माननीय सांसद राजेश वर्मा को चुनाव सह प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह को संगठन का सह प्रभारी, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना को मीडिया प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह एवं डॉ अभिषेक सिंह को संगठन समन्वयक, परशुराम पासवान, वेद प्रकाश पांडे को कार्यक्रम समन्वयक और मोहम्मद सलीम साहिल को समन्वयक कार्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ भट्ट ने दावा किया है कि यह टीम पूरे कुशलता पूर्वक संगठन और पार्टी को और मजबूती प्रदान करेगी। इस नियुक्ति को लेकर पार्टी के नेताओं ने सभी नवनियुक्त प्रभारी और समन्वयकों को शुभकामना व्यक्त की है ।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के अलोक में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र मधुबनी के द्वारा संचालित योजनाओं यथा बिहार स्टूडेंट काक्रेडिट कार्ड

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के अलोक में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र मधुबनी के द्वारा संचालित योजनाओं यथा बिहार स्टूडेंट काक्रेडिट कार्ड योजना,कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के व्यापक प्रसार -प्रसार एवं काउंसलिंग कार्य आज मधुबनी में किया गया । कार्यक्रम में 75-छात्र/छत्राओ ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में के सहायक प्रबंधक संत कुमार , कर्मी- रौशन बरियार,पंकज कुमार (रहड) के द्वारा विस्तार योजना के लाभ सहित आवेदन की प्रक्रिया आदि की जानकारी दी गई। उक्त जानकारी * प्रबंधक,डीआरसीसी मधुबानी अखिलेश कुमार भारती ने दी।

मधुबनी जिला के जयनगर के गैस एजेंसी द्वारा होम डिलीवरी का सुंदर तस्वीर महिला उपभोगता द्वारा सर पर सिलेंडर लेकर यत्र तत्र घूमते रहे भेंडर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर के गैस एजेंसी द्वारा होम डिलीवरी का सुंदर तस्वीर महिला उपभोगता द्वारा सर पर सिलेंडर लेकर यत्र तत्र घूमते रहे जानकारी के अनुसार

बताया जाता है की भेंडर के द्वारा गैस की ब्लेकिंग, रिफलिंग करने वालो को निर्वाद रूप से अधिक पैसा लेकर आपूर्ति कर दी जाती है ,आम उपभोगता से भी 903 / - की जगह 930 / - रुपिया लिया जाता है ,जबकि गैस एजेंसी संचालक द्वारा बोला जाता है कि 903 / - ही लेना है होम डिलीवरी लेने पर ,लेता है 930 / - चाहे गैस गोदाम पर जाकर लीजिए या भेंडर द्वारा पैसा तो अधिक देना ही होगा ।अगर आप ऑनलाइन गैस की बुकिंग करते है तो बिना गैस आपूर्ति के गैस डिलेवरी का मैसेज आएगा नही तो स्वतः बुकिंग कैंसिल का ।

ग्रुप में शामिल पदाधिकारी / अधिकारी को इस बाबत ध्यान देने की जरूरत है ।

चिराग की लोजपा में जीजा अरुण भारती का प्रमोशन, चुनाव और संगठन के प्रभारी बने जमुई सांसद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान के जीजा और जमुई से सांसद अरुण भारती का प्रमोशन हो गया है। बिहार में अगले साल होने वाले चुनाव के लिए चिराग ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है। सांसद अरुण भारती को संगठन एवं चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। उनके अलावा पार्टी के आठ और बड़े नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। राज्य में संगठन को मजबूत बनाने और आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए 9 प्रभारियों की नियुक्ति की है। यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल खालिक ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देश पर इनकी नियुक्ति की गई है।सांसद अरुण भारती को संगठन एवं चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। वहीं खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा को चुनाव सह प्रभारी व प्रदेश प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह को संगठन का सह प्रभारी बनाया गया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना को मीडिया प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह एवं डॉ अभिषेक सिंह को संगठन समन्वयक, परशुराम पासवान व वेद प्रकाश पांडे को कार्यक्रम समन्वयक और मोहम्मद सलीम साहिल को समन्वयक कार्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।आपको बता दें इससे पहले भी चिराग ने जीजा अरुण भारती को बड़ी जिम्मेदारी दी थी, और झारखंड में पार्टी का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया था। झारखण्ड की एक मात्र चतरा सीट पर चिराग की पार्टी ने चुनाव लड़ा, और जीत भी हासिल की। प्रत्याशी जनार्दन पासवान को मिली जीत पर उन्हें बधाई दी। एक तरफ बिहार उपचुनाव में एनडीए की एकतरफा जीत और झारखंड में भी जीत से पार्टी की खुशी दोगुनी हो गई है। अब लोजपा (आर) बिहार के मिशन 2025 में जुट गई है।

लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार चुनाव के मद्देनजर राज्य में संगठन को मजबूत बनाने के लिए 9 प्रभारियों की नियुक्ति की है। सांसद जीजा अरुण भारती को संगठन एवं चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। पार्टी में उनका एक बार फिर से प्रमोशन हुआ है।

सपा से लोकसभा की बढ़त बीजेपी ने छिनी

लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी ने कैसे बदली सियासी हवा

लखनऊ। भाजपा ने 5 महीने में यूपी की सियासी हवा बदल दी। लोकसभा चुनाव में सपा को मिली बढ़त को भाजपा ने उपचुनाव में छीन लिया। भाजपा ने कुंदरकी और कटेहरी जैसी सीट जीतकर अखिलेश यादव के पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) फामूर्ले को झटका दिया है। उपचुनाव के परिणाम ने सीएम योगी को मजबूती और भाजपा कार्यकताओं को नई ऊर्जा दी है। सपा को अपनी रणनीति पर एक बार फिर मंथन करने का संदेश भी दिया। भाजपा को छह, एनडीए की सहयोगी रालोद को एक और सपा को दो सीट मिली है। लोकसभा चुनाव के विधानसभावार परिणाम में इन 9 सीटों में भाजपा और उसकी सहयोगी अपना दल को सिर्फ 2 सीट मिली थी, जबकि सपा और कांग्रेस ने 7 सीटें जीती थीं। उपचुनाव में लोकसभा का रिजल्ट बदल गया। अब भाजपा और उसकी सहयोगी रालोद 7 सीटें जीती हैं, जबकि सपा सिर्फ 2 सीटों पर सिमट गई। लोकसभा चुनाव में भाजपा गाजियाबाद और उसकी सहयोगी पार्टी अपना दल मझवां सीट जीती थी। जबकि सपा ने करहल, फूलपुर, कटेहरी, कुंदरकी, मीरापुर, खैर और उसकी सहयोगी कांग्रेस सीसामऊ में जीत दर्ज की थी। उपचुनाव में भाजपा ने गाजियाबाद और मझवां सीट पर कब्जा बरकरार रखा है। सपा से फूलपुर, कटेहरी, कुंदरकी और खैर सीट छीन ली है। रालोद मीरापुर सीट जीत गई है। वहीं, सपा के खाते में केवल करहल और सीसामऊ सीट आई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में फूलपुर, खैर, मझवां और गाजियाबाद सीट भाजपा गठबंधन के पास थी। जबकि कटेहरी, कुंदरकी, सीसामऊ, करहल और मीरापुर सपा गठबंधन के पास थी। 2022 की तुलना में सपा को उपचुनाव में दो सीट का नुकसान हुआ है। वहीं, रालोद अपनी मीरापुर सीट जीत गई है। 2022 में रालोद का सपा के साथ गठबंधन था। कटेहरी और कुंदरकी सीट भाजपा ने सपा से छीन ली है। इस तरह से भाजपा गठबंधन को 2022 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार 3 सीटों का फायदा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने सपा के खिलाफ आक्रामक चुनाव प्रचार किया। अयोध्या में दलित बेटी के साथ रेप और कन्नौज में सपा नेता की ओर से नाबालिग युवती के साथ रेप जैसे मुद्दों को आक्रामक रूप से जनता के बीच रखा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए अपनी रणनीति में बदलाव किया। सबका साथ सबका विकास की जगह बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे जैसे नारों से हिंदुत्व को धार दी।भाजपा ने उपचुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन की मजबूत रणनीति बनाई। कटेहरी और मझवां सीट जीतने के लिए सहयोगी दल निषाद पार्टी का दबाव भी स्वीकार नहीं किया। 9 में से 6 सीट पर प्रत्याशी बदले। योगी के नेतृत्व में 15 जुलाई से चुनाव की तैयारी शुरू हुई। 30 मंत्रियों की टीम को मैदान में उतारा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद ही संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने के नरेटिव को खत्म करने में ताकत लगाई। सरकार, आरएसएस और भाजपा दलितों और पिछड़ों के बीच जाकर यह समझाने में सफल रहे कि आरक्षण कोई समाप्त नहीं कर सकता है। संविधान से कोई ऐसा बदलाव नहीं होगा, जिससे दलितों और पिछड़ों को नुकसान हो। सीएम योगी ने उपचुनाव के दौरान विपक्ष के हाथ कोई मुद्दा नहीं दिया। पीसीएस भर्ती, आरओ-एआरओ भर्ती के अभ्यर्थियों की मांग पूरी की। बहराइच दंगे में त्वरित कार्रवाई की। लोकसभा चुनाव के समय शांत बैठे संघ कार्यकर्ता इस बार ज्यादा सक्रिय थे। बूथ लेवल पर उन्होंने काम किया और भाजपा की तरफ वोटर्स को मोड़ने में कामयाब रहे। सपा ने प्रत्याशी चयन में परिवारवाद को प्रमुखता दी। 9 में से 6 प्रत्याशी परिवारवाद के आधार पर ही उतारे। करहल, सीसामऊ, कटेहरी, मझवां, मीरापुर और फूलपुर में परिवारवाद के आधार पर प्रत्याशियों का चयन किया। करहल और सीसामऊ को छोड़कर बाकी जगह प्रत्याशी हार गए। करहल परंपरागत सीट थी, जबकि सीसामऊ में नसीम सोलंकी को सहानुभूति वोट मिला। इसलिए यहां सपा जीत पाई। विधानसभा उपचुनाव में सभी 9 सीटों पर सपा ने अपने दम पर चुनाव लड़ा। सपा के साथ कोई भी क्षेत्रीय राजनीतिक दल नहीं था। कांग्रेस ने भी चुनाव से दूरी बनाए रखी, सपा को सहयोग नहीं किया। लोकसभा में जिस तरह से सपा और कांग्रेस नेता एक मंच पर नजर आते थे, वह इस बार नहीं दिखा। लोकसभा चुनाव के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित पार्टी के बड़े नेता अति आत्मविश्वास में रहे। भाजपा से मुकाबले के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई। जमीन स्तर पर ज्यादा फोकस नहीं किया। अखिलेश यादव पीडीए के अलावा कोई मुद्दा जनता के बीच नहीं रख सके। अखिलेश सरकार के खिलाफ भी कोई मुद्दा जनता के बीच नहीं रख सके। लोकसभा चुनाव में सपा गठबंधन को एकमुश्त मुस्लिमों का वोट मिला था। इस बार मीरापुर सीट पर मुस्लिम वोटों में ओवैसी की पार्टी अक्टक्ट और चंद्रेशखर की पार्टी ने सेंध लगाया। कुंदरकी में सपा मुस्लिमों को एकजुट नहीं कर पाई। भाजपा के फेवर में मुस्लिम चले गए। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बड़ा झटका लगा था। एक ओर विपक्ष योगी की घेराबंदी में जुट गया। दूसरी ओर भाजपा में भी लखनऊ से दिल्ली तक एक खेमा योगी की खिलाफत में जुटा था। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह चुनाव योगी के लिए भी बड़ी चुनौती था। योगी ने राजनीतिक सूझ-बूझ से इस चुनौती का सामना किया। साढ़े सात साल में पहली बार दिल्ली के दखल के बिना योगी ने पूरे चुनाव की कमान अपने हाथ रखी। संगठन से बेहतर तालमेल बनाते हुए योगी ने ना केवल पार्टी नेतृत्व की अपेक्षा को पूरा किया। बल्कि खुद को भी यूपी की राजनीति का ह्रचाणक्यह्व साबित किया है।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस कप्तान ने समाधान दिवस में आई शिकायतों का किया मौके पर निपटारा

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के सुमेरपुर में थाना समाधान दिवस के मौके पर पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने आये हुये फरियादियों की परेशानियों को सुनकर निस्तारण किया गया, जबकि बाकि शिकायतों के जल्द निस्तारण के निर्देश देने के साथ ही जमीनी मामलों को पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर जल्द निस्तारण के दिये निर्देश। समाधान दिवस में प्रभारी निरीक्षक सुमेरपुर सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

आज प्रसारित होगा प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री मोदी रविवार 24 नवंबर को सुबह 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम में विभिन्न विषयों और मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। 'मन की बात' कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी नेटवर्क, ऑल इंडिया रेडियो, समाचार वेबसाइट और न्यूज ऑन एआईआर मोबाइल एप पर प्रसारित होगा इसके साथ ही मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आकाशवाणी, दूरदर्शन, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता,प्रदेश/क्षेत्र तथा जिला पदाधिकारी अपने आवंटित बूथों पर स्थानीय पदाधिकारी और आम जनता के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनेंगे और मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठ,मण्डल शक्ति केंद्र व बूथ पदाधिकारी अपने अपने बूथों पर आम जनता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे।

पूज्य अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने दिया त्याग और भक्ति का संदेश

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के अमवा श्री दूबे में आयोजित श्रीराम कथा में श्रीधाम वृंदावन से पधारे पूज्य कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने श्रोताओं को त्याग और भक्ति का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भगवान राम और भरत ने संपत्ति का नहीं, बल्कि विपत्ति का बंटवारा किया। श्री भारद्वाज ने श्रीराम के वन गमन के दौरान केवट और निशाद राज गुह के प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केवट ने भगवान राम के चरण धोने के बाद ही उन्हें गंगा पार कराई, जिससे उसकी सात पीढ़ियां धन्य हो गईं। भरत जी को प्रेम और त्याग का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने श्रीराम की चरण पादुका को सिंहासन पर रखकर रामराज्य की स्थापना की। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और स्वामी विवेकानंद के जीवन का उदाहरण देते हुए ज्ञान और भक्ति का महत्व बताया। श्रेष्ठता को केवल गुणों पर आधारित बताते हुए उन्होंने विषम परिस्थितियों से सीखने और भगवान राम के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कथा का शुभारंभ श्री लक्ष्मण चैतन्य ब्रह्मचारी संस्कृत विद्यालय भेलया के पूर्व प्रधानाचार्य सुरेश मणि त्रिपाठी ने व्यास गद्दी पूजन-अर्चन से किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एस.एन. शुक्ला, भाजपा नेता विजय शंकर तिवारी, राजेन्द्र यादव, शिक्षक बबलू पाठक, होसिलानंद उपाध्याय, डा. संजय मणि त्रिपाठी, ग्राम प्रधान अजय पांडेय, मुख्य यजमान सोनी देवी, हिरण्यगर्भ द्विवेदी पंकज, ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक,जीतन गौड़, अशर्फी गुप्ता, राम-लखन प्रजापति, हृषीकेश द्विवेदी, चित्रसेन द्विवेदी, उपेंद्र द्विवेदी, गुड्डू द्विवेदी, मनोज द्विवेदी, अखिलेश द्विवेदी, साधन सहकारी समिति अध्यक्ष नीलेश उपाध्याय, ग्राम प्रधान राकेश द्विवेदी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर जगमगाएगा गोरखपुर

गोरखपुर। नगर निगम ने शहर को रोशन करने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए अब तक 45,000 इलेक्ट्रिक स्ट्रीट लाइट्स लगाई हैं। हाल ही में हुए सर्वेक्षण में 8,000 स्ट्रीट लाइट्स बंद पाई गईं। इन सभी लाइटों की मरम्मत मकर संक्रांति (खिचड़ी मेला) से पहले सुनिश्चित की जाएगी। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने पथ प्रकाश विभाग की समीक्षा बैठक में इस दिशा में जरूरी निर्देश दिए। सोलर सिटी परियोजना के तहत महानगर में लगी सोलर स्ट्रीट लाइट्स का भी व्यापक सर्वे शुरू किया गया है। खराब पड़ी लाइट्स को ठीक कराने के लिए नेडा (नॉन-कन्वेंशनल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी) के वेन्डर्स को अलर्ट किया गया है। नगर निगम ने वार्ड पार्षदों को वेन्डर्स की सूची भी उपलब्ध कराई है, ताकि वे अपने वार्डों में खराब लाइट्स की शिकायत कर मरम्मत का काम तुरंत शुरू करवा सकें। पथ प्रकाश विभाग की इस महत्वपूर्ण बैठक में नगर आयुक्त ने सभी बंद स्ट्रीट लाइट्स को तय समय-सीमा में दुरुस्त करने का निर्देश दिया। बैठक में मौजूद अधिकारियों को मकर संक्रांति के मद्देनजर तैयारियों में तेजी लाने का आदेश दिया गया। बैठक में अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह, पथ प्रकाश प्रभारी संतोष मिश्रा, सहायक अभियंता मोहित गुप्ता और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। स्मार्ट सिटी योजना के तहत नेडा द्वारा दी गई 1,000 सोलर लाइट्स पहले ही 10 नए वार्डों में लगाई जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, 80 वार्डों में 1,250 सोलर लाइट्स लगाने का लक्ष्य है, जिनमें से 39 वार्डों में यह काम पूरा हो गया है। बाकी वार्डों में जल्द ही लाइट्स लगाने का काम शुरू होगा। महानगर में 300 सोलर हाईमास्ट लगाए जाने हैं। इनमें से 200 हाईमास्ट 45 वार्डों में पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही, 100 हाईमास्ट शहर के डार्क स्पॉट्स पर लगाए गए हैं, जहां पहले प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं थी। इन प्रयासों से गोरखपुर की सड़कों, चौराहों और गलियों में नई रोशनी बिखेरेगी। मकर संक्रांति के दौरान शहर के प्रमुख स्थलों पर जगमग रोशनी का नजारा दिखेगा, जो न सिर्फ शहरवासियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि पर्व की रौनक को भी चार चांद लगाएगा।

साइकिल वितरितः महिलाओं के शिक्षित होने से बनेगा सुंदर समाजः शबनम

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नपाप कुशीनगर अंतर्गत वार्ड संख्या 20 शहीद भगत सिंह नगर (रामनगर सीकरी) स्थित किलकारी और एमएआई स्कूल परिसर में महिला सशक्तिकरण को लेकर जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल वितरित किया गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका शबनम खातून ने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं के शिक्षित होने से देश व समाज के साथ ही शिक्षा, संस्कृति और सुंदर समाज का निर्माण होता है। इस मौके पर टूक लैम फट थिन बुद्धिस्ट ग्रुप वियतनाम के मिस ड्यू फूक ने कहा कि आम जरूरमंद का कल्याण करना ही मेरा संकल्प है। वह जब भी भारत आएंगी जरूरतमंदों की मदद करेंगी। उनके सहयोग से क्लास 5 व 6 की छः छात्राओं को साइकिल वितरित किया गया। सभी का स्वागत प्रबन्धक जहिरुल हक सिद्दकी उर्फ पप्पू गुरु जी ने किया। संचालन सचिन सिंह ने किया। इस अवसर पर शिक्षक नीरज सिंह, अजित सिंह, श्रद्धा सिंह, गोविन्द यादव, संध्या सिंह, कल्पना, बबिता शर्मा, पूनम प्रजापति, पूनम कुशवाहा सहित छात्र - छात्राएँ मौजद रहीं।

मांगों को लेकर ठीकेदारों का निविदा बहिष्कार जारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। लोक निर्माण विभाग के परिसर में ठीकेदार संघ की आयोजित बैठक में छः सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहे निविदा बहिष्कार आंदोलन को ठीकेदारों ने जारी रखा। इसी क्रम में दिवंगत प्रदेश अध्यक्ष गंगा प्रसाद गुप्ता को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शुक्रवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार चतुवेर्दी ने सांगठनिक मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय मे नित नए नियम विभाग द्वारा बनाये जाने से ठीकेदारों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न हो गयी है। जिसको देखते हुए निविदा बहिष्कार का निर्णय लिया गया है। मांगें पूरी न होने तक वहिष्कार जारी रहेगा। अंत में संगठन के संस्थापक गंगा प्रसाद गुप्ता ने निधन पर शोक प्रकट किया गया। संचालन महामन्त्री दीपक कुमार सिंह ने किया। इस दौरान संरक्षक कैलाश सिंह, दीं दयाल तिवारी, प्रमोद यादव, दयाशंकर सिंह, सदा शिव मणि त्रिपाठी, संजय ओझा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ला, दीपक राय, सुनील पाण्डेय, सज्जाद अली, अमित गुप्ता, जितेंद्र शाही, सत्येन्द्र यादव, वृषभान गुप्ता, शैलेन्द्र जायसवाल, संदीप त्रिपाठी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी विवाद में युवक की हत्या, आंखें निकालीं

बस्ती । प्रॉपर्टी के लिए शुक्रवार रात परिवार के ही लोगों ने मिलकर युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। शव से आंखें निकाल लीं। इस निर्मम घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गई। युवक की पत्नी निर्मला देवी ने अपने ससुर, सास, जेठ और देवरों के खिलाफ तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। मामला पैकोलिया थाना क्षेत्र के जितीपुर गांव का है। यहां गांव निवासी निर्मला देवी ने पुलिस को बताया कि परिवार के लोगों ने देर रात साथ बैठकर मांस और शराब पी। इसी दौरान संपत्ती को लेकर नशे में विवाद होने लगा। इसी विवाद के बाद संपत्ति पर कब्जा जमाने के इरादे से परिवार के सदस्यों ने मिलकर मेरे बेटे अमेरिका वर्मा पर हमला किया। निर्मला देवी ने तहरीर में आरोप लगाया मेरे ससुर, सास, जेठ और देवरों ने लाठी-डंडों से मेरे पति को बेरहमी से मारा। उन लोगों ने हैवानियत की हद पार कर दी। अमेरिका के शव से आंखें भी निकाल लीं। अमेरिका वर्मा को आनन-फानन में परशुरामपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे अयोध्या रेफर कर दिया गया। लेकिन अयोध्या पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पैकोलिया थाने के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र यादव ने बताया कि पत्नी निर्मला देवी की तहरीर के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ हत्या समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

5 मिनट में सॉफ्टवेयर से लग्जरी गाड़ी उड़ा लेते थे

लखनऊ । गोमती नगर थाना पुलिस ने 5 वाहन चोरों को सहारा पुल के पास से पकड़ा। आरोपियों के पास से सेंसर वाली गाड़ी खोलने के उपकरण मिले हैं। 45 मैनुअल लॉक की चाबी और लग्जरी गाड़ी भी बरामद हुई है। पुलिस ने सबकी तलाशी लेने के बाद उनके पास मिली गाड़ी मारूति सुजुकी ग्रैंड विटारा का नंबर ई-चालान ऐप पर डाला। इसमें आदित्य सिंह का नाम आया। हालांकि गाड़ी हुंडई क्रेटा रजिस्टर्ड थी। इसके बाद गाड़ी की चेकिंग की गई तो उसमें 4 बैग मिले। गाड़ी के कोड को अपने सॉफ्टवेयर के कोड से बदलकर ब्लैक चाभी में कर लेते थे। इसके बाद कार मालिक की चाभी बेकार हो जाती और सारा कंट्रोल चोरों के पास आ जाता था। ये काम महज 5 से 7 मिनट में करते थे। गिरोह का सरगना आदित्य आईटी से डिप्लोमा किया हुआ है। वही सॉफ्टवेयर प्रोग्राम सीखा है। पुलिस ने पूछताछ कि तो पांचों ने बताया कि चार पहिया गाड़ी चुराते हैं। एक जगह से गाड़ी चोरी करते हैं। दूसरी जगह से गाड़ी का नंबर प्लेट निकालते हैं। गोमती नगर और आस-पास के रिहायशी इलाकों में गाड़ियों की रेकी करके चिह्नित करते हैं। उसकी चाबी बनाने और गाड़ी को अनलॉक करने में इन्हीं सब उपकरण का इस्तेमाल करके गाड़ियों को चुरा लेते हैं। इन इलाकों से कई गाड़ियां चोरी कर बेची हैं। विपुल खंड से अर्टिगा गाड़ी चुराकर कानपुर की तरफ जा रहे थे। हाई-वे पर ही पुलिस के शक होने पर पीछा करने लगी। पुलिस से बचने के लिए अर्टिगा गाड़ी को हाईवे पर उत्तरीपुरा के पास ही छोड़कर फरार हो गए। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अंकुर विहार गाजियाबाद के रहने वाले आदित्य सिंह (30), सारण बिहार के रहने वाले राजू यादव (30), गोपालगंज बिहार के रहने वाले अमित कुमार सिंह (24), पनकी कानपुर के रहने वाले विप्लव दिवाकर (26) और मऊआईमा प्रयाग के रहने वाले विपिन केसरवानी (28) के रूप में हुई।

बौद्ध संग्रहालय पहुंचे 1110 छात्र - छात्राओं में वितरित हुआ पर्यटन साहित्य

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत संग्रहालय द्वारा चल रहे विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवम्बर के क्रम में 1110 छात्र-छात्राओं को तेज प्रताप शुक्ला के द्वारा राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों से अवगत कराया गया। शनिवार को कुशीनगर संग्रहालय भ्रमण पर आए राम कृष्ण विवेकानंद विद्या मंदिर मंझरिया पश्चिमी चंपारण बिहार, सर्वहितकारी कन्या इंटर कॉलेज बिछिया गोरखपुर, मां सरस्वती शिक्षा मंदिर प्राथमिक विद्यालय मल्लुडीह कुशीनगर, सेठ मंगतराम जयपुरिया स्कूल तिलई बेलवा देवरिया, श्रीमती पानमति इंटर कॉलेज परतावल बाजार महाराजगंज, मिशन स्कूल रुद्रपुर देवरिया, एसपी मगध एकेडमी आनंद नगर महाराजगंज, बीजे डिग्री कॉलेज मोतीराम अड्डा गोरखपुर, डॉल्फिन पब्लिक स्कूल मांगुराहा रामनगर पश्चिमी चंपारण बिहार सरदार पटेल स्कूल खड्डा कुशीनगर के छात्र-छात्राओं को संग्रहालय सहायक तेज प्रताप शुक्ला ने सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों की चर्चा करते हुए कहा कि इनकी सुरक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का दायित्व हैं। वे हमें अपने गौरवपूर्ण अतीत का बोध कराती है। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए पर्यटक साहित्य सभी को दिया गया। जिसको प्रकार बच्चे बहुत उत्साहित और प्रसन्न दिखे।

ठंड में बढ़ जाता है अस्थमा अटैक का खतरा

सर्दियों के मौसम में अस्थमा और फेफड़े के रोगियों के लिए मुश्किलें बढ़ जाती हैं। इस दौरान सांस की नली में सूजन आने से उन्हें अस्थमा अटैक होने का खतरा रहता है। डॉक्टरों से जानें अस्थमा रोगियों के लिए सर्दी के मौसम में जरूरी सावधानियां और टिप्स। सर्दियों का मौसम आ गया है और इस मौसम में अस्थमा रोगियों की समस्याएं भी बढ़ जाएंगी। अस्थमा रोगी घर के अंदर रहें या बाहर, सर्दियों में अस्थमा के अटैक का खतरा बना रहता है। फेफड़ों के रोग से पीड़ित मरीजों को सर्दियों का मौसम परेशानियों से भरा महसूस हो सकता है। अमेरिकन लंग एसोसिएशन की फैक्टशीट में कहा गया है कि अस्थमा सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है और फिलहाल इससे 18 वर्ष से कम आयुवर्ग के 7.1 मिलियन बच्चे प्रभावित हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी के अनुसार 13.8 मिलियन डिसैबिलिटी एडजस्टेड लाइफ ईयर (DALYs) अस्थमा के कारण हर साल दम तोड़ देते हैं, यह रोग वैश्विक स्तर पर बीमारी के बोझ के 1.7 फीसदी का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया भर में 30 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं और सर्दियों के मौसम में इन मरीजों में अस्थमा के लक्षण और बदतर तरीके से उभरते हैं।

ठंड में बढ़ जाती है अस्थमा रोगी की परेशानियां

विशेषज्ञों के अनुसार, अस्थमा के मरीजों की सांस की नली में सूजन आ जाती है, जिसके कारण मरीजों के सांस लेने में दिक्कत होती है। इससे मरीजों के अन्य अंगों का प्रतिक्रिया भी बढ़-चढ़कर होती है। अस्थमा के मरीजों के लिए ठंडा माहौल उपयुक्त नहीं है। इससे उनके हानिकारक वायरस की चपेट में आने का खतरा रहता है। अस्थमा के मरीजों के फेफड़े और सांस की नली काफी संवेदनशील होते हैं।

इनहेलेशन थेरेपी और उससे जुड़ी गलत धारणाएं

कई मरीजों और उनकी देखरेख करने वाले परिजनों को अस्थमा के कारणों और इलाज के मौजूदा विकल्पों की जानकारी नहीं होती। अस्थमा एक आनुवांशिक और एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य में फैलने वाला रोग है। मरीजों को अस्थमा के अटैक से बचाने के लिए कई इलाज उपलब्ध हैं, जिसमें फिश थेरेपी, वैकल्पिक दवाएं और योग शामिल हैं। अस्थमा के रोग को उभरने का मौका न देकर इससे बचाव किया जा सकता है। अस्थमा से पीड़ित मरीजों को एक सामान्य सा भ्रम रहता है कि इनहेलर्स उनके पास अस्थमा के अटैक से बचने का आखिरी उपाय है। अस्थमा रोग के बारे में मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टरों की ओर से शिक्षित किए जाने की जरूरत है। इनहेल्ड कार्टिकोस्टेरॉइड्स या इनहेलेशन थेरेपी के कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ अस्थमा का इलाज किया जा सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

पल्मोनरी रोग विशेषज्ञ डॉ. हरीश भाटिया कहते हैं कि ठंड में अस्थमा के मरीजों के सांस लेते समय खरखराहट और घरघराहट की आवाज आने, सांस से संबंधित रोगों और ब्रॉन्काइल अस्थमा के मामलों में 30 से 40 फीसदी की बढ़ोतरी होती है। इसलिए फेस्टिव सीजन के बाद सभी आयु वर्ग के अस्थमा मरीजों के अस्पताल में इलाज कराने आने का संभावना होती थी। उन मरीजों को अस्थमा को काबू में करने में परेशानी आती है, जिन मरीजों में दवाइयां लेने पर रोग के लक्षण और तेजी से उभरते है। इससे उनकी रोजमर्रा की शारीरिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए इनहेलेशन थेरेपी सबसे प्रभावी थेरेपी है। इसके साइड इफेक्ट बहुत कम है और यह तेजी से अपना असर दिखाती है।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध लेख के अनुसार, अस्थमा के लिए इनहेलेशन थेरेपी और क्लिनिकल प्रभावशीलता का संबंध काफी सकारात्मक है। वयस्कों, नवजात शिशुओं और बच्चों पर किए गए बहुत से अध्ययन के अनुसार इनहेलेशन थेरपी से रोग के लक्षणों पर जल्द नियंत्रण पाया जा सकता है और फेफड़े सामान्य तरीके से काम करने लगते हैं।

5 से 11 साल के बच्चों में बढ़ी अस्थमा की बीमारी

डॉ. गौरव सेठी बताते हैं कि कुछ घंटों के लिए प्रदूषक तत्वों के संपर्क में आने से भी फेफड़ों का रोग बिगड़ सकता है। इससे मरीज पर अस्थमा अटैक हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना बहुत जरूरी है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में 5 से 11 वर्ष के आयुवर्ग में अस्थमा से पीड़ित बच्चों की संख्या 10 से 15 फीसदी के बीच है। हालांकि, अभी भी हजारों पेरेंट्स ऐसे हैं, जिन्हें इलाज के सही तरीकों की जानकारी नहीं है। इनहेलेशन थेरेपी में सांस की नली में सूजन आने पर बहुत थोड़ी मात्रा में, करीब 25 से 100 माइक्रोग्राम कार्टिकोस्टेरॉइड्स की जरूरत होती है, लेकिन जब यह दवाई के माध्यम से मौखिक रूप से आंतों के रास्ते मरीजों में पहुंचती है तो दवाई की बहुत ज्यादा मात्रा, करीब 10 हजार माइक्रोग्राम मरीज के शरीर में पहुंचती है, पर इस दवाई का केवल थोड़ा सा हिस्सा ही फेफड़ों तक पहुंचता है। इसका मतलब यह है कि जब अस्थमा की मरीज कोई गोली या टैबलेट खाता है तो अपनी जरूरत से 200 गुना अधिक दवाई लेता है। इससे मरीजों की सेहत पर खराब असर पड़ता है।

टैबलेट और सिरप से ज्यादा कारगर है इन्हेलेशन थेरेपी

बाल और नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ सीतांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अस्थमा के इलाज में टैबलेट और सिरप काफी कम प्रभावी होते हैं। इससे शरीर के बाकी हिस्सों पर भी गैरजरूरी रूप से साइड इफेक्ट पड़ता है। जब अस्थमा की दवाई और सिरप लिया जाता है तो मरीज की शरीर की जरूरत से ज्यादा 40 गुना दवाई उसके शरीर में पहुंचती है। यह दवा उन दूसरे अंगों में भी प्रवेश कर जाती है, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

रेसिपी

रबड़ी खीर

सामग्री

- रबड़ी : 250 ग्राम
- चावल : ¼ कप
- चीनी: ½ कप
- इलायची पाउडर : ½ छोटी चम्मच
- किशमिश : 1 टेबल स्पून
- बादाम : 9-10
- काजू : 9-10
- दूध : 1 लीटर

विधि

चावलों को अच्छे से धोकर पानी में ½ घंटे के लिए भिगो कर रख दीजिए। अब पानी हटाकर चावलों को दरदरा पीस लीजिए। दूध को एक बर्तन में डालकर उबालने रख दीजिए। दूध में उबाल आने पर भीगे पिसे चावल डाल दीजिए और 1-2 मिनिट चलाते रहें। अब आप काजू और बादाम को बारीक टुकड़ों में काट कर तैयार कर लीजिए। जब चावल पक जाएं तब कटे हुए काजू, बादाम और किशमिश खीर में डाल दीजिए। जब चावल और मेवे सभी मुलायम हो जाए और खीर गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दीजिए। अब इसमें चीनी और इलाइची डालकर मिला दीजिए। खीर को 2-3 मिनिट के लिए ढककर रख दीजिए और थोड़ा ठंडा होने के बाद इसमें रबड़ी डाल कर मिला दीजिए।

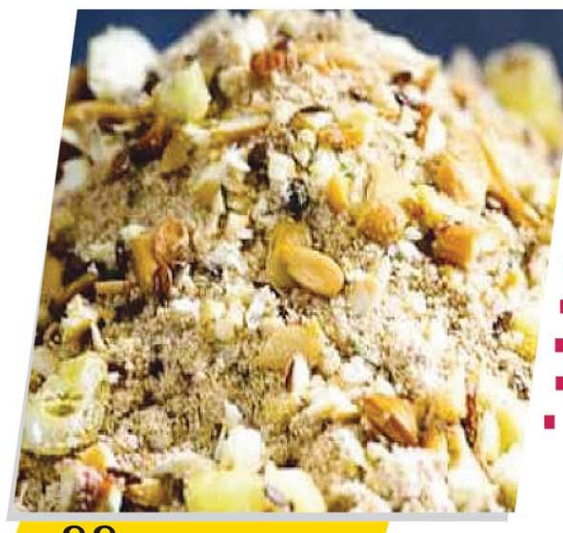

ड्राई फ्रूट पंजीरी

सामग्री

- घी: 200 ग्राम
- चीनी: 3/4 कप
- काजू: 30 ग्राम
- तरबूज के बीज: 1 चम्मच
- इलायची पाउडर: आधा चम्मच
- बेसन: 200 ग्राम
- बादाम: आधा कप
- कमल के बीज: 3/4 कप
- खरबूजे के बीज: 1 कप
- क्रश किए हुए पिस्ता: 11 चम्मच

विधि

इस पंजीरी रेसिपी को बनाने के लिए एक गहरे तले वाला पैन लें और उसमें घी गर्म करें। काजू और बादाम डालकर फ्राई करें और उन्हें निकालकर एक बोल में रख लें। उसी पैन में थोड़ा और घी डालें और उसमें कमल के बीज डालकर 5 से 6 मिनट हल्का और क्रिस्पी होने तक भूनें। इन्हें भी निकालकर ड्राई फ्रूट्स वाले बोल में रख दें। ग्राइंडर की मदद से बादाम, काजू और कमल के बीजों को एक साथ पीस लें। गैस पर एक कढ़ाई रखें और उसमें घी गर्म करें। इसमें बेसन डालकर 6-7 मिनट भूनें या तब तक भूनें जब तक आपका मनचाहा गोल्डन कलर न आ जाए। अब इसमें क्रश किए हुए पिस्ता, इलायची पाउडर और खरबूज के बीच डालकर 5 मिनट और भूनें। अब पिसे बादाम, काजू और कमल के बीच का मिश्रण मिक्स करें। इस दौरान पूरी सामग्री को चलाते रहें। इसे कम से कम 6-7 मिनट के लिए और पकाएं। गैस बंद कर दें और ठंडा होने पर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3360

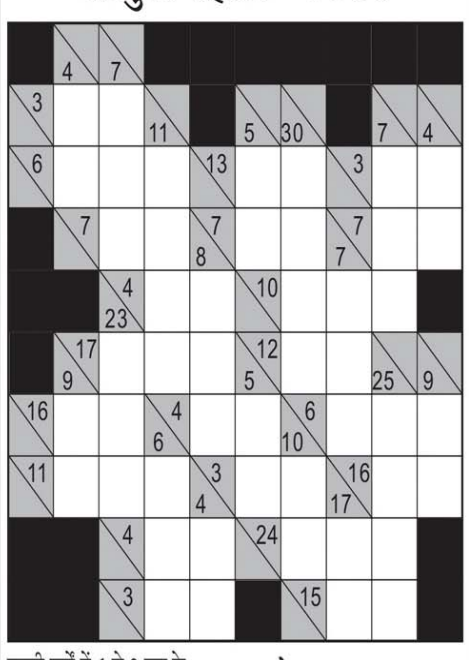

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

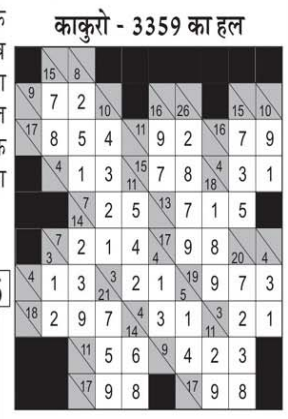

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3359 का हल

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है, कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा- मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

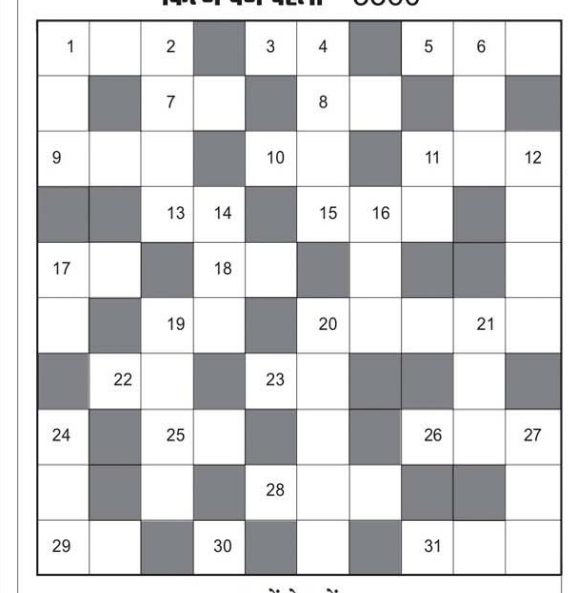

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली - 3360

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3359

सूडोकु -3360

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3359 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3360

बाएँ से दाएँ

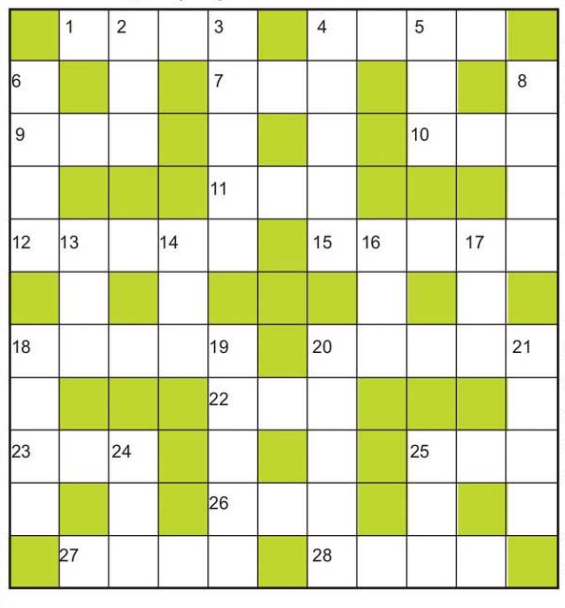

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3359 का हल

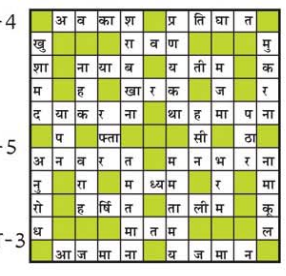

महिंद्रा लाइफस्पेस की इकाई सुमितोमो चेन्नई औद्योगिक पार्क में करेगी 225 करोड़ का निवेश

- औद्योगिक पार्क वर्तमान में 307 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी और जापान सुमितोमो कॉरपोरेशन तमिलनाडु में अपनी मौजूदा औद्योगिक पार्क परियोजना के विस्तार के लिए करीब 225 करोड़ रुपये निवेश करेंगी। औद्योगिक पार्क वर्तमान में 307 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें वैश्विक और घरेलू कंपनियां अपनी औद्योगिक सुविधाएं स्थापित कर रही हैं। महिंद्रा लाइफस्पेस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी महिंद्रा वर्ल्ड सिटी डेवलपर्स लिमिटेड (एमडब्ल्यूसीडीएल), सुमितोमो कॉरपोरेशन और महिंद्रा इंडस्ट्रियल पार्क चेन्नई लिमिटेड (एमआईपीसीएल) ने तमिलनाडु में मौजूदा औद्योगिक पार्क के विस्तार के लिए एक 'पूरक संयुक्त उद्यम समझौता' किया है। महिंद्रा इंडस्ट्रियल पार्क चेन्नई लिमिटेड (एमआईपीसीएल), एमडब्ल्यूसीडीएल की अनुषंगी कंपनी है। महिंद्रा लाइफस्पेस के पास एमडब्ल्यूसीडीएल में 89 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (टीआईडीसीओ) के पास शेष 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा एमडब्ल्यूसीडीएल के पास एमआईपीसीएल में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शेष 40 प्रतिशत हिस्सेदारी सुमितोमो कॉरपोरेशन (जापान) के पास है। कंपनी सूचना के अनुसार संयुक्त उद्यम साझेदारों यानी एमआईपीसीएल के शेयरधारकों ने परियोजना के विकास के लिए करीब 225 करोड़ रुपये निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। पूंजी निवेश संयुक्त उद्यम साझेदारों की मौजूदा शेयरधारिता के अनुसार उसी अनुपात में किया जाएगा।

महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महिंद्रा लाइफस्पेस में हम औद्योगिक संकुल और एकीकृत शहरों को विकसित करने पर गर्व महसूस करते हैं जो आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देते हैं तथा व्यवसायों का समर्थन करते हैं।

अदाणी ग्रुप को करना पड़ सकता है फंडिंग संकट का सामना

- कुछ बैंक अदाणी ग्रुप को नए कर्ज देने पर अस्थायी तौर पर लगा सकते हैं रोक

नई दिल्ली ।

गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अधिकारियों द्वारा 265 डॉलर मिलियन के कथित रिश्वत मामले में गिरफ्तारी वारंट हुआ है जिसके बाद अदाणी ग्रुप को फंडिंग संकट की मुश्किलें सामने आ सकती हैं। क्रेडिट एनालिस्ट्स कहते है कि कुछ बैंक अदाणी ग्रुप को नए कर्ज देने पर अस्थायी तौर पर रोक लगा सकते हैं। अदाणी ग्रुप के बॉन्ड्स में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। अदाणी के अंतरराष्ट्रीय कर्जदाता बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने अपने संस्थानों के भीतर कई बार बातचीत की है। चर्चा इस बात पर है कि इस मामले का अदाणी ग्रुप की वित्तीय स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। एक रिसर्च फर्म ने कहा है कि अदाणी ग्रुप के ग्रीन एनर्जी कारोबार, जो इन आरोपों के केंद्र में है, के लिए रीफाइनेंसिंग सबसे बड़ी चिंता है। एक रेटिंग एजेंसी ने चेतावनी दी है कि ग्रुप को अपनी बड़े पैमाने पर विस्तार योजनाओं के लिए नियमित रूप से इक्विटी और कर्ज बाजार तक पहुंच की जरूरत होगी। हालांकि, मौजूदा स्थिति में निवेशकों का भरोसा कमजोर हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय और कुछ अंतरराष्ट्रीय बैंक और बॉन्ड निवेशक अदाणी ग्रुप को एक इकाई के रूप में देखते हैं। वे ग्रुप पर अपने एक्सपोजर को सीमित करने के लिए कदम उठा सकते हैं। अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी और सात अन्य लोगों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारती सरकारी अधिकारियों को 265 मिलियन की रिश्वत देने की योजना बनाई थी। इसका उद्देश्य 20 वर्षों में 2 डालर बिलियन के लाभ वाले अनुबंध और भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना हासिल करना था। अदाणी ग्रुप ने इन आरोपों को बेबुनियाद और गलत बताते हुए खारिज किया है। कंपनी ने कहा कि वह कानूनी विकल्पों का सहारा लेगी।

भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देगी

- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन बढ़ाने और चीन पर निर्भरता घटाने भारत देगा 4-5 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पुर्जों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाई है। इस योजना के तहत सरकार 5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की योजना बना रही है। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग को मजबूत करना और चीन से आयात पर निर्भरता को कम करना है। दो सरकारी अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। पिछले छह सालों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 2024 में 115 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसमें एप्पल और सेमसंग जैसी वैश्विक कंपनियों की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ोतरी का बड़ा योगदान है। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन सप्लायर बन गया है। यहां तक कि इस सेक्टर की आलोचना इसके पुर्जों के आयात पर भारी निर्भरता के लिए की जा रही है, खासकर चीन जैसे देशों से। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने यह योजना तैयार की है। नई योजना से प्रिंटेड सर्किट बोर्ड जैसे मुख्य पुर्जों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे घरेलू वैल्यू एडिशन बढ़ेगा और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्थानीय सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह योजना अगले 2-3 महीनों में लॉन्च की जा सकती है। इसमें वैश्विक या स्थानीय कंपनियों को 4-5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की उम्मीद है। इस योजना की अंतिम मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय की जल्द ही मंजूरी देने की उम्मीद है। नीति आयोग के अनुसार, भारत का लक्ष्य 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाना है, जिसमें 150 अरब डॉलर के पुर्जों का निर्माण शामिल है। इस योजना के लॉन्च होने पर भारत वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करने की संभावना है। सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के प्रमुख अे धिकारी ने भी इस योजना की महत्वकांक्षा को साबित करते हुए कहा है कि यह योजना भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मंदी में बड़े लक्ष्यों की ओर अग्रसर कर सकती है। इसके लिए सरकार ने मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई है जिसके तहत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा।

अडानी समूह की मुश्किलें बढ़ेंगी, अब सेबी ने भी मागा जवाब

- सेबी भी जानना चाहता है कि क्या अडानी समूह ने खुलासा मानदंडों का उल्लंघन किया है

नई दिल्ली ।

अमेरिका में गौतम अडानी और अडानी समूह से जुड़े 7 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल होने के बाद अब बाजार नियामक सेबी भी यह जानना चाहता है कि क्या अडानी समूह ने खुलासा मानदंडों का उल्लंघन किया। सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को अडानी समूह की कंपनियों से अमेरिकी न्याय विभाग और सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन मामलों से संबंधित लिस्टिंग नियमों के उल्लंघन की जानकारी मांगने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि 21 नवंबर को अमेरिकी न्याय विभाग ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और समूह से जुड़े सात अन्य लोगों पर भारत में कारोबार हासिल करने के लिए रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अडानी समूह ने इन आरोपों से इनकार करते हुए इन्हें निराधार बताया है। समूह ने कहा कि वह सभी कानूनी विकल्प का उपयोग करेगा। एक्सचेंजों ने अडानी समूह से पूछा है कि क्या अमेरिका में जांच के खुलासे में कोई चूक या देरी हुई थी, जिसके तहत समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी को 20 नवंबर को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों ने कहा कि फिलहाल अधिकारियों या कंपनियों के खिलाफ कोई जांच शुरू नहीं हुई है। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा है कि ऐसी किसी भी जांच या कार्रवाई में काफी देर होती है। फिलहाल में सभी प्रक्रियाएं हमारे निगरानी तंत्र के दायरे में हैं।

भारतीयों को ब्रांड भारत बनाने पश्चिम के फरमानों पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए: सीतारमण

- प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है

बेंगलुरु ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव 2024 में कहा कि अगर हम 'ब्रांड भारत' बनाना चाहते हैं, तो हमें सही क्या है, इस बारे में पश्चिम के फरमानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम हजारों साल से वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं, शोषण की बात कभी नहीं उठी और अचानक एक पारंपरिक उद्योग जैसे, मान लीजिए, कालीन बनाने के काम के लिए, आपको पश्चिम के खरीदारों से एक फरमान आया कि आप इन कालीनों को बनाने के लिए बच्चों का उपयोग कर रहे हैं। हम इसे आपसे नहीं खरीदेंगे। सीतारमण ने कहा कि भारत में परिवार बच्चों को स्कूली शिक्षा से वंचित किए बिना शिल्पकार बनाने में लगे हुए हैं, क्योंकि जब तक शिल्प बहुत कम उम्र में नहीं सीखा जाता है, एक शिल्पकार कभी इसमें महारत हासिल नहीं कर सकता। ऐसे में हमें खड़े होकर कहना होगा कि हम उनकी शिक्षा का ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर नैतिक उत्पादन के लिए जिस तरह के कदम उठाने की जरूरत है, वे हमारी तरफ से अपने आप होने चाहिए, न कि पश्चिमी फरमानों के जारी होने के बाद किए जाने चाहिए। सीतारमण ने यह भी कहा कि हमारे मंदिरों और हमारे प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का महत्व अभी की तुलना में बहुत अधिक होना चाहिए। लोगों को यह बताने की जरूरत है कि प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है। सीतारमण ने कहा कि भारत के पास सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन ग्रंथों की बदौलत ज्ञान का समृद्ध भंडार है। ये प्राचीन भारत के ब्रांड हैं, जिनका हम आज भी उल्लेख करते हैं।

आईआईएफसीएल की 60 करोड़ डॉलर जुटाने एडीबी, कोरियाई बैंक से चल रही बातचीत

- कंपनी राशि का इस्तेमाल निवेशक आधार को बढ़ाने और उधार लेने की लागत कम करने के लिए करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और कोरियाई एक्जिम बैंक के साथ बातचीत कर रही है। आईआईएफसीएल ने कहा कि वह इस राशि का इस्तेमाल अपने निवेशक आधार को बढ़ाने और उधार लेने की लागत कम करने के लिए करेगी। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पीआर जयशंकर ने यहां निवेशक सम्मेलन में कहा कि बातचीत अग्रिम चरण में है और समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईएफसीएल एक बार में पूरे 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर उधार लेने की इच्छुक है। हालांकि इतनी धनराशि की उपलब्धता उधार देने वाली एजेंसी पर निर्भर है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 20 करोड़ करोड़ डॉलर आ सकते हैं और बाकी राशि 2025-26 में आएगी।

अब फ्लाइट में देरी होने पर यात्रियों को मिलेगी राहत

- यात्रियों को विमान में बैठे रहने की बाध्यता नहीं होगी

नई दिल्ली । सर्दियों में उत्तर भारत में कम विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट्स समय पर उड़ान नहीं भर पाती है। इसे लिए अब डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने यात्रियों की इन समस्याओं को कम करने के लिए एयरलाइंस पर सख्ती बढ़ा दी है। फ्लाइट डिले की स्थिति में यात्रियों को सुविधाएं प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने डीजीसीए के निर्णय की जानकारी साझा की। निर्देशों के अनुसार नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने यात्रियों के लिए एक और बड़ी सुविधा दी है। यदि तकनीकी कारणों या खराब मौसम के कारण फ्लाइट में देरी होती है, तो यात्रियों को विमान में बैठे रहने की बाध्यता नहीं होगी। वे एयरपोर्ट पर आराम से इंतजार कर सकते हैं और फ्लाइट तैयार होने पर दोबारा विमान में चढ़ सकेंगे। इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ डिल की जा रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि ये प्रावधान यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और लंबे इंतजार के दौरान उनके अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किए गए हैं।

भारत में रक्षा क्षेत्र में बड़ा विस्तार: एमआरओ क्षेत्र में भारत की तैयारी

- घरेलू कंपनियां वैश्विक एरोस्पेस दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगी

नई दिल्ली । भारत का रक्षा रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में विस्तार के लिए तैयार है। इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय एमआरओ केंद्र स्थापित करने के लिए घरेलू कंपनियां वैश्विक एरोस्पेस दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगी। लॉकहीड मार्टिन और बोइंग जैसी कंपनियों के निवेश और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) जैसी भारतीय कंपनियों के साथ क्रियान्वयन में बड़ी सहायता मिलेगी। भारत को एक क्षेत्रीय सैन्य विमानन रखरखाव केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए उद्योग और नीतिगत सुधारों के बल पर अगले पांच वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। भारत में रक्षा प्लेटफॉर्मों की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक रक्षा मूल उपकरण विर्माताओं (ओईएम) का समर्थन करने वाले स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को बढ़ावा मिलेगा। लॉकहीड मार्टिन के निदेशक निक स्मिथ ने इस क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में भारत के लिए क्षेत्रीय स्थान साबित होने का दावा किया। एमआरओ क्षेत्र में होने वाले बड़े निवेश की उम्मीद है जो लाखों डॉलर का हो सकता है। भारत को राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति 2016, एमआरओ दिशानिर्देश 2021 और जीएसटी दरों में परिवर्तन करने की जरूरत है ताकि विस्तार में कोई रुकावट न आए। इसमें जो चुनौतियां हैं, उन्हें दूर करके भारत एक गरिमामय रक्षा एमआरओ क्षेत्र बनाने की दिशा में बढ़-चढ़ कर बढ़ रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताह भर रही तेजी

मुंबई ।

इस सप्ताह बैंकिंग शेयरों में खरीदारी, आईटी इंडेक्स में तेजी और एफएमसीजी इंडेक्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक शेयरों में खरीदारी की वजह से शेयर बाजार में तेजी देखी गई। बुधवार 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की वजह से घरेलू शेयर बाजार में कारोबार नहीं हुआ, जिससे इस सप्ताह केवल चार दिन ही शेयर बाजार खुले रहे। विदेशी फंडों की लगातार निकासी, आईटी शेयरों में बिकवाली और अमेरिकी बाजारों से कमजोर संकेत के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक फिर फिसल गए। बीएसई सेंसेक्स 511 अंक गिरकर 77,058 पर खुला और 241.30 अंक गिरकर 77,339.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 162 अंक गिरकर 23,370 पर खुला और 78.90 अंक गिरकर 23,453.80 पर बंद हुआ। मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी से उछाल आया और सात सत्रों की गिरावट थम गई, इस दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 1044.89 अंक बढ़कर 78,383.90 पर खुला और 239.38 अंक की बढ़त के साथ 77,578.38 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 304.50 अंक बढ़कर 23,758.30 पर खुला और 64.70 अंक की बढ़त के साथ 23,518.50 अंक पर बंद हुआ। अदाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट और विदेशी फंड के निरंतर निकासी के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई।

शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 468.17 अंक गिरकर 77,110.21 अंक पर खुला और 422.59 अंक गिरकर 77,155.79 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 179.75 अंक गिरकर 23,338.75 अंक पर खुला और 168.60 अंक गिरकर 23,349.90 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से `मिलेजुले संकेतों के बावजूद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 750 अंक की तेजी के साथ 77,920 के स्तर पर खुला और 1,961.32 अंक चढ़कर 79,117.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 230 अंक तेज होकर 23,580 के स्तर पर खुला और 23,900 अंकों के पार 557.35 अंकों की बढ़त के साथ 23,907.25 पर बंद हुआ।

गुजरात के जीएसटी विभाग ने 3.53 करोड़ की कर चोरी पकड़ी

- कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं

अहमदाबाद । गुजरात राज्य जीएसटी विभाग ने सात वाणिज्यिक संस्थाओं की तलाशी के दौरान 3.53 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया। एक अधिकारी ने कहा कि ये कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं, बिना चालान के बिक्री कर रही थीं और कर देनदारी को कम करके दिखा रही थीं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राज्य में उपभोक्ताओं के साथ लेनदेन करने वाली संस्थाओं (बी2सी) द्वारा माल और सेवा कर (जीएसटी) की चोरी की आशंका में सात परिसरों में तलाशी ली गई थी। बयान में कहा गया कि इन फर्मों में अहमदाबाद के दो बैटरी डीलर, डांग जिले के वाघई में चार तंबाकू डीलर और नाडियाड के खेड़ा शहर में एक सैलून शामिल हैं।

अपाचे आटीआर 160 4वी का अपडेटेड वर्जन लांच

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में टीवीएस अपाचे आटीआर 160 4वी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। इस एडवांस वर्जन की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1.40 लाख रखी गई है। इस बाइक में 159.7सीसी का ऑयल-कूल्ड फ्यूल-इंजेक्टेड 4-वॉल्व इंजन दिया गया है, जो 17.55 पीएस की पावर और 14.73 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन अपनी स्मूथ परफॉर्मेंस और शानदार माइलेज के लिए जाना जाता है। बाइक में 37एमएम का यूएसडी फोर्क और तीन राइडिंग मोड्स - स्पोर्ट, अर्बन और रेन दिए गए हैं, जिससे अलग-अलग कंडीशन्स में बेहतर राइडिंग अनुभव मिलता है। अपाचे आटीआर 160 4वी टीवीएस की स्मार्ट एक्सोनेट तकनीक दी गई है, जो बाइक को ब्लूटूथ से कनेक्ट करने की सुविधा देती है। इसके जरिए टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, कॉल और एसएमएस अलर्ट, और वॉयस असिस्ट जैसे फीचर्स मिलते हैं। साथ ही इसमें जीटीटी (ग्लाइड थ्रू ट्रैफिक) तकनीक दी गई है, जो ट्रैफिक में स्मूथ राइडिंग में मदद करती है। बाइक में ड्यूल-चैनल एबीएस, एलईडी हेडलाइट, टेललैंप, और नया बुलपुप एग्जॉस्ट दिया गया है। टीवीएस मोटर्स के प्रीमियम बिजनेस हेड विमल सुंबले ने कहा, टीवीएस अपाचे आटीआर 160 4वी भारतीय बाजार में प्रदर्शन मोटरसाइकिलों का मानक है। यह नई बाइक उन्नत तकनीक और स्टाइल के साथ हमारे ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा करेगी। हम प्रदर्शन, प्रौद्योगिकी और डिजाइन के इस नए स्तर से उत्साहित हैं। टीवीएस अपाचे आटीआर 160 4वी नई सुविधाओं और दमदार परफॉर्मेंस के साथ उन राइडर्स के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, जो स्टाइल और तकनीक का परफेक्ट मिश्रण चाहते हैं।

टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी

जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने साइबर सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत केंद्र सरकार अपनी किसी एजेंसी के माध्यम से टेलीकॉम कंपनियों से ट्रैफिक डेटा या अन्य डेटा की मांग कर सकती है। यह डेटा संदेशों को कंटेंट के अलावा अन्य किसी फॉर्मेट में भी हो सकता है और इसे स्टोर और प्रोसेस करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे की स्थापना की जा सकती है। नए नियमों के अनुसार जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा। इसके लिए टेलीकॉम कंपनियों को एक साइबर पॉलिसी अपनानी होगी, जिसमें सिक्योरिटी से संबंधित रिस्क मैनेजमेंट, नेटवर्क टेस्टिंग, ट्रेनिंग और रिस्क असेसमेंट जैसी प्रक्रियाएं शामिल होंगी। टेलीकॉम कंपनियों को अब चीफ टेलिकम्युनिकेशंस सिक्योरिटी ऑफिसर की नियुक्ति करनी होगी। इस अधिकारी का काम सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं के दौरान तत्काल उपाय करना होगा। सुरक्षा से जुड़ी किसी भी घटना को केंद्र सरकार को 6 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही घटना की विस्तृत जानकारी जैसे पीड़ित यूजर्स की संख्या, स्थान और घटनाओं का असर भी 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना होगा। नए नियमों के तहत भारत में बने या आयात किए गए सभी फोन डिवाइस का आईएमईआई नंबर रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य फर्जी डिवाइस और अवैध गतिविधियों को रोकना है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 17.76 अरब डॉलर की गिरावट

- पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त सप्ताह में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था। सितंबर के अंत में भंडार 704.88 अरब डॉलर के उच्चस्तर पर था, फिर से उसमें पिछले कई हफ्तों से गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रहीं। इसमें उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियां शामिल हैं, जिनमें यूरो, पाउंड, और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राएं होती हैं। साथ ही स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा और विशेष आहरण अधिकार 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब डॉलर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया। इन आंकड़ों की छठे संख्यांक चिह्न है, जो देश की विदेशी मुद्रा संबंधी स्थिति को दर्शाते हैं।

चुनाव परिणाम : सत्ता पक्ष को फिर मिला जनादेश

सुरेश हिंदुस्तानी

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है।

देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं। यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको खुशी और सबक दोनों ही दिए हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है। इस चुनाव की सबसे खास बात यह मानी जा सकती है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा प्राप्त नहीं कर सकी, जिससे यह सन्देश निकल रहा है कि अब भविष्य की राजनीति की दिशा और दशा गठबंधन के सहारे ही तय होगी। वर्तमान में राजनीति दो विचार धाराओं के बीच है, जिसमें एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने वाले राजनीतिक दलों का विचार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विचारों से तालमेल रखने वाले दलों की बानगी है। इतना ही नहीं इन चुनावों एक दूसरे के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया गया, वह राजनीतिक हिसाब से भले ही जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन आम नागरिकों के समक्ष भ्रम जैसी स्थिति को ही प्रादुर्भित करती हैं।

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी। झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है।

परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है। पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई। जो धड़े अलग हुए वे भाजपा के साथ जाकर खड़े हो गए और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। कहा जा रहा है कि जनादेश ने भाजपा के साथ वाली शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को असली होने का प्रणाम पत्र दे दिया है। अब महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की ही सरकार बनेगी, यह तय है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कयास भी लगने लगे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर भाजपा ने शानदार वापसी की है। ज्यादा उम्मीद इसी बात की है कि एकनाथ शिंदे ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पीछे राजनीतिक कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सहयोगी दलों की जरुरत है, इसलिए भाजपा अपने सहयोगी दलों को अब नाराज नहीं कर सकती। दूसरी बात यह भी है भाजपा ने एकनाथ शिंदे को जिस प्रकार से चौकाने वाले अंदाज में मुख्यमंत्री बनाया था, वह हर किसी के लिए आश्चर्य ही था। अब यह भी हो सकता है कि भाजपा ने जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया, वही प्रयोग शिंदे के साथ भी किया जा सकता है।

संपादकीय

शिक्षा में अड़ंगे

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एमफिल या पीएचड़ी ड़िग्री कोर्सेज को ओपन या ड़िस्टेंस या ऑनलाइन मोड़ से चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मेड़िकलङ्क इंजीनियरिंग समेत 18 कोर्सेज को भी ओपन ड़िस्टेंस मोड़ या ऑनलाइन मोड़ से चलाने पर रोक लगा दी है। फीजियोथेरेपी, फामेर्सी, नर्सिग, डेंटल, आर्किटेक्चर, कानून, कृषि, हॉर्टिकल्चर, होटल प्रबंधन, कैटरिंग, पाक विज्ञान, दृश्य कला, योगा जैसे कोर्स अब ऑनलाइन या ड़िस्टेंस से नहीं चलाए जा सकेंगे। ड़ॉक्टर ऑफ फिलॉसफी या मास्टर ऑफ फिलॉसफी उन्नत शोध ड़िग्री योग्यता हैं। उच्चतम शिक्षा पाने वाले चुनिंदा छात्र ही इन अति विशिष्ट कोर्स तक पहुंचते हैं। सरकार ने दूरदराज या अन्य क्षेत्रों में व्यस्त छात्रों के लिए घर से बैठ कर ये शिक्षा लेने की व्यवस्था की थी। मगर विश्वविद्यालयों की धांधली या निरंतर मिलने वाली शिकायतों के चलते यूजीसी को सख्त निर्णय लेने पड़ते हैं। प्रति वर्ष तमाम विश्वविद्यालयों को प्रतिबंधित करने या पाबंदियां लगाने संबंधी नोटिस जारी करता रहता है। कहना गलत नहीं है कि कुछ जरूरतमंद और उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने को इच्छुक छात्रों को इससे असुविधा भी हो सकती है। आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग के ढेरों विद्यार्थी हैं, जो कोई रोजगार या नौकरी करते हुए अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त करने के लिहाज से ओपन या ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेने को मजबूर होते हैं। ऐसे जरूरतमंदों के लिए भी आयोग को रास्ता सुझाना चाहिए। आयोग का काम मान्यता की जांच करने की सलाह पर ही खत्म नहीं हो जाता। उसे सख्तीपूर्वक ऐसे किसी भी विश्वविद्याल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए क्योंकि इससे न केवल छात्रों का भविष्य चौपट होता है। बल्कि उनका बहुत सारा पैसा भी बर्बाद हो जाता है। विज्ञापनों द्वारा ऐसे संस्थान जब प्रचार कर रहे होते हैं, उसी वक्त इन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। दूसरे, दुनिया जब तकनीक और संचार व्यवस्था द्वारा शिक्षा को सुविधाजनक बना रही हैं, ऐसे में विवि की लापरवाही का खमियाजा छात्रों को भुगतने से बचाना भी आयोग का ही जिम्मा है।

यूपी उपचुनाव : पीडीए के डी ने बनाई सपा से दूरी!

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेश में सम्पन्न हुए विधानसभा उपचुनाव के परिणामों ने प्रदेश की सियासत में अठखेलियाँ कर रही कई सियासी समीकरणों की ऐसी-तैसी कर दी है। सबसे अधिक झटका समाजवादी पार्टी को लगा है। बीते लोकसभा चुनाव में जिस तरह सपा का पीडीए फामूर्ला जबरदस्त तरीके से सफल रहा था वही यह फामूर्ला चंद महीने बाद हुए उपचुनाव तक आते-आते अपना दम तोड़ते दिखा। क्योंकि जिस फामूर्ले पर लोकसभा चुनाव में सपा को 37 सीटे मिली थी उसी फामूर्ले के तहत लड़े गए उपचुनाव में सपा को 9 में से महज 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा। इस चुनाव परिणाम ने यह साबित कर दिया कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों वाले सपा के पीडीए फामूर्ले के डी यानि दलित मतदाताओं ने सपा से दूरी बना ली है। दलित पूरी तरह बँटते हुए दिखे। बिखरे हुए इन वोटों में से कुछ प्रतिशत वोट बीएसपी तो अधिकांश बीजेपी को मिले हैं। प्रदेश के सियासी गलियारे की ठीक-ठाक समझ रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि इस उपचुनाव में बीजेपी ने सपा के फामूर्ले में ठीक-ठाक सेंधमारी की है। सपा और उसके गठबंधन सहयोगियों को कहीं न कहीं कांग्रेस के इस चुनाव में साथ न उतरने का भी खामियाजा भुगतना पड़ा। क्योंकि पारंपरिक दलित मतदाताओं ने सपा के सिंबल पर वोट डालने से परहेज किया। जबकि यही मतदाता लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ होने के चलते पूरी तरह से गठबंधन के साथ रहा। नतीजतन प्रदेश में सपा-कॉंग्रेस गठबंधन को ऐतिहासिक परिणाम मिला। सपा को जहां अनापेक्षित 37 सीटे मिली वहीं लगभग समाप्तप्राय हो चुकी कांग्रेस को भी छः सीटे मिल गईं।

इस उपचुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच पनपी तल्खी के चलते कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे। क्योंकि कांग्रेस चार सीटे मांग रही थी जबकि सपा महज दो सीटे देने को राजी थी। लिहाजा कांग्रेस ने अपनी नाजुक स्थिति को देखते हुए किनारे रहते हुए सपा उम्मीदवारों को ही समर्थन देने का निर्णय लिया। लेकिन समर्थन मात्र नाम का ही था। कॉंग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव ने कोई संयुक्त रैलियाँ नहीं की। न ही राहुल गांधी ने किसी सपाई उम्मीदवार के क्षेत्र में प्रचार ही किया। राहुल-प्रियंका के अलावा कांग्रेस की प्रांतीय नेतृत्व ने भी अपेक्षित रुचि नहीं दिखाई।

इस चुनाव में कहीं न कहीं कुछ प्रभावी मुद्दों को हवा न देना भी मतदाताओं को अखर गया। लोकसभा चुनाव में जिस तरह सपा-कांग्रेस गठबंधन ने जातीय जनगणना को मुद्दा बनाया था। वो मुद्दा इस चुनाव में दूर-दूर तक नहीं दिखा। कॉंग्रेस नेता राहुल गांधी समेत सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी लोकसभा चुनाव के अपनी सभी जनसभाओं में इसे जोर-शोर से उठाया था। लेकिन इस बार किसी ने कही कोई चर्चा नहीं की। जाति जनगणना के साथ-साथ संविधान बचाने का मुद्दा भी इन चुनावों में नहीं दिखा। कहीं न कहीं यही कुछ वजहे थी जिनके चलते पीडीए के मुख्य घटक डी यानि दलितों ने इस गठबंधन से अपनी दूरी बना ली। जिसका खामियाजा सपा और कॉंग्रेस दोनों को ही इस चुनाव परिणाम में देखने को मिले ही है आने वाले अन्य चुनावों में भी देखने को मिल सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवसः चिंताजनक है महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 25 नवम्बर को महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवसह्न मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के विरूद्ध हिंसा रोकने के ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तीन बहनों पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किए जाने पर उस क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवम्बर 1960 को उन तीनों की हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक और कार्यकर्ता उन्हीं तीनों बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 दिसम्बर 1999 को एकमत से हर साल 25 नवम्बर का दिन ही महिलाओं के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्धारित किया गया। सरकारों, निजी क्षेत्र और प्रबुद्ध समाज से यौन हिंसा और महिलाओं के उत्पीड़न के विरूद्ध कड़ा रूख अपनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि महिलाओं के प्रति हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरन्तर और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में शामिल है, जिसका दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भोगना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ह्यसंयुक्त राष्ट्र महिलाह्न का गठन किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लडकियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं, करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है, हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती है। महिलाओं को हिंसा और दुर्व्यवहार की भारी कीमत चुकानी पड़ती है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी के अधिकार को बाधित करता है, उन्हें उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता से वंचित करता है। इससे आर्थिक सुधार और सतत विकास में खलल पड़ता है।

भारत के संदर्भ में महिला हिंसा को लेकर आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति काफी चिंताजनक है। हालांकि 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद देशभर में सड़कों पर महिलाओं के आत्मसम्मान के प्रति जिस तरह की जन-भावना और युवाओं का तीखा आक्रोश देखा गया था, यौन हिंसा रोकने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए थे, उसके बाद लगने लगा था कि समाज में इससे संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौंसले पस्त होंगे किन्तु विड़म्बना है कि समूचे तंत्र को झकझोर देने वाले निर्भया कांड और उसके बाद के वर्षों में सामने आ चुके महिला अपराधों के कई अन्य जघन्य मामलों के बाद भी हालात यह हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं बीतता, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम पुलिस-प्रशासन को कोसते हुए संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालकर या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन कर रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा महिला हिंसा की छोटी-बड़ी घटनाएं तो बदस्तूर होती ही रहती हैं। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैरजिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रवैया ही सामने आता रहा है। प्रश्न यही है कि निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मयार्दा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिसके वे हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कोलकाता की महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और नृशंस हत्या का मामला हो या हैदराबाद की बेटी दिशा का या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते ऐसे तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

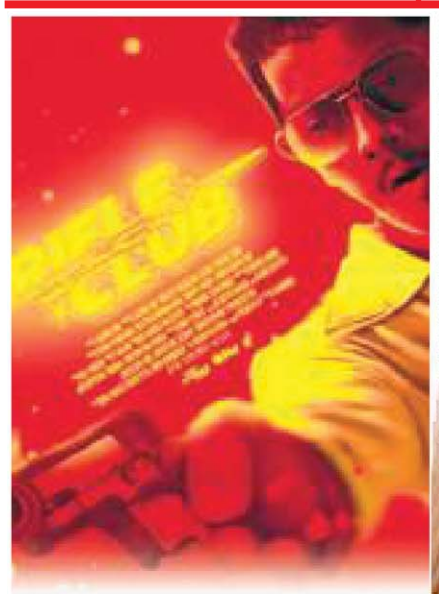

रैपर हनुमानकाइंड की डेब्यू फिल्म राइफल क्लब की रिलीज डेट आई

सामने, अनुराग कश्यप भी दिखाएंगे कमाल

लंबे इंतजार के बाद बहुप्रतीक्षित फिल्म राइफल क्लब की रिलीज डेट सामने आ गई है। फिल्म निर्माता आशिक अबू ने आधिकारिक तौर पर इसका एलान करने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट का सहारा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की पूरी कास्ट का एक पोस्टर साझा किया। साथ ही बताया कि राइफल क्लब 19 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

राइफल क्लब की रिलीज से उठा पर्दा

आशिक अबू ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की टीम का एक पोस्टर साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, राइफल क्लब मूवी 19 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में। पोस्टर में विजयराघवन, दर्शन राजेंद्रन, विंसी एलोशियस, सुरेश कृष्णा, सुरभि लक्ष्मी, वाणी विश्वनाथ और विष्णु अगस्त्य शामिल हैं। दिलेश पोथन और मुख्य अभिनेत्री, उन्नीमाया प्रसाद को एक ईसाई दूल्हा और दुल्हन के रूप में दो कुत्तों को पकड़े हुए दिखाया गया है, जबकि फ्रेम में परिवार के अन्य सदस्य शराब के गिलास पकड़े हुए हैं।

रैपर हनुमानकाइंड का अभिनय डेब्यू

बिग डॉग्स के साथ ग्लोबल म्यूजिक चार्ट में हिस्सा बनाने वाले रैपर हनुमानकाइंड उर्फ सूरज चेरुकट अब अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वह राइफल क्लब में भीरा नाम के शख्स का किरदार निभाने वाले हैं। उनके किरदार पोस्टर ने पहले से ही उत्साह पैदा किया हुआ है, जिसमें उन्हें बंदूक लहराते हुए दिखाया गया है। अनुराग कश्यप भी हैं फिल्म का हिस्सा बॉलीवुड के जाने-माने निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप भी राइफल क्लब में नजर आने वाले हैं। फिल्म में निर्देशक अनुराग कश्यप ने हनुमानकाइंड के पिता का किरदार निभाया है। बता दें कि राइफल क्लब के जरिए अनुराग कश्यप मलयालम सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशिक अबू ने किया है, जो पहले वायरस, डैडी कूल, साल्ट एन पेपर, 22 फीमेल कोट्टायम, इडुक्की गोल्ड और मायानाधि जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

सूर्या 45 में तृषा संग रोमांस का तड़का लगाएंगे सूर्या

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म का आधिकारिक एलान हो चुका है। निर्माताओं ने सूर्या 45 का पोस्टर जारी करते हुए जानकारी दी थी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान आर बालाजी संभालेंगे। वहीं, अब अभिनेता की फिल्म पर नई जानकारी सामने आई है। अभिनेत्री तृषा कृष्णन को कथित तौर पर सूर्या के आगामी प्रोजेक्ट के लिए साइन किया गया है।

दूसरी बाद साथ काम करेंगे सूर्या-तृषा

सूर्या 45 में एक बार फिर सूर्या और तृषा की जोड़ी बनेगी। यह लगभग दो दशकों के बाद उनका दूसरा सहयोग है। उन्होंने आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में साथ काम किया था। इस नई परियोजना का नाम अस्थायी रूप से सूर्या 45 रखा गया है, जिसका निर्माण ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स द्वारा किया जाएगा।

एआर रहमान तैयार करेंगे संगीत

प्रोडक्शन हाउस ने 20 नवंबर को इस सहयोग की घोषणा की। तृषा की पूर्व कमिटमेंट के कारण फिल्म की शूटिंग कोयंबटूर में नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, इस फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान द्वारा तैयार किया जाएगा। इस फिल्म में अब सूर्या और तृषा को एक साथ देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। हालांकि, तृषा के फिल्म के कलाकारों में शामिल होने की खबरों पर आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है। कंगुवा ऑडियो लॉन्च के मौके पर आरजे बालाजी ने सूर्या को निर्देशित करने के बारे में अपनी उत्सुकता साझा की थी, जिनके वे कॉलेज के दिनों से प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूर्या का उन पर और स्क्रिप्ट पर भरोसा ही इस सहयोग का कारण बना, जबकि उन्होंने अन्य निर्देशकों को मना कर दिया था। कंगुवा को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिलने के बाद आरजे बालाजी की फिल्म के लिए काफी उत्सुकता है।

सूर्या की आगामी फिल्म

वहीं, बात करें सूर्या की फिल्मों के बारे में तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। वहीं, अब सूर्या की अगली रिलीज कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक तमिल फिल्म होगी, जो अभिनेता की 44वीं फिल्म होगी।

राम पोथिनेनी की नई फिल्म में भाग्यश्री बोरसे को चुना गया

राम पोथिनेनी बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। लगातार पांच फिल्में फ्लॉप होने के बाद अभिनेता टिकट खिड़की पर सफलता पाने के लिए पहले से कहीं ज्यादा बेताब हैं। ऐसे समय में जब अभिनेता कुछ राहत की तलाश में हैं, उन्होंने मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी फेम निर्देशक पी महेश बाबू के साथ एक नई फिल्म साइन की है।

महेश बाबू पी ने आखिरी बार अनुष्का शेट्टी अभिनीत मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का निर्देशन किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता थी। इस नए प्रोजेक्ट की एक विशेषता यह है कि इसे मशहूर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा पर्याप्त बजट पर बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है और निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म के लिए भाग्यश्री बोरसे को चुना गया है, जो आखिरी बार रवि तेजा के साथ मिस्टर बच्चन में नजर आई थीं। राम मेकओवर के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार अभिनेता देहाती बदलाव से गुजरेंगे, जिसे देख पता चलता है कि फिल्म एक देहाती ड्रामा होगी। काफी समय हो गया है, जब राम किसी गांव के नाटक का हिस्सा बने हैं और शायद यही वजह है कि उन्होंने एक देसी कहानी को चुना। प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवीज ने 19 नवंबर को नई फिल्म के लॉन्च की घोषणा की है। उन्होंने आधिकारिक हैंडल एक्स पर इसे पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा, अनटोल्ड इमोशन्स को फिल्माने की खूबसूरत यात्रा की शुरुआत। मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी की सुपर सफलता से उत्साहित निर्देशक पी महेश ने कथित तौर पर एक देहाती ड्रामा लिखा है, जिसमें एक्शन की भरमार है। यह एक चरित्र-आधारित फिल्म है और राम इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राम पहले त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक फिल्म करने वाले थे, लेकिन बजट के मुद्दों और रचनात्मक पहलुओं के कारण इस परियोजना को रोक दिया गया, तब से अभिनेता ने अपना ध्यान महेश की फिल्म पर केंद्रित कर लिया है।

खुद को चुनौती देने जा रही हूं...

माधुरी दीक्षित को हाल ही में अनीस बज्मी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ देखा गया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच एक नए इंटरव्यू में माधुरी ने एक नए प्रोजेक्ट का संकेत देते हुए कहा कि वह इस साल खुद को चुनौती देंगी। अभिनेत्री के एलान ने उनके प्रशंसकों को काफी ज्यादा उत्साहित कर दिया है। एक हालिया इंटरव्यू में माधुरी दीक्षित ने साझा किया कि उनका अगला प्रोजेक्ट उनके दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। अभिनेत्री ने कहा, मैं इस साल खुद को चुनौती देने जा रही हूं। मैं जल्द ही अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने वाली हूं। यह कुछ बहुत अलग और चुनौतीपूर्ण है, कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है। इसी दौरान शाहरुख खान के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए, माधुरी ने कोयला की शूटिंग के दिनों को याद किया। इससे पहले दोनों ने फिल्म अंजाम में स्क्रीन स्पेस साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया, मैंने शाहरुख से कहा कि हम किस तरह की फिल्में कर रहे हैं? हम या तो एक-दूसरे को मार रहे हैं या खलनायकों से दूर भाग रहे हैं। हम बहुत गंदे और खून से सने कपड़ों वाले किरदारों में हैं। हमे एक साफ सुथरी, खूबसूरत और रोमांटिक फिल्म करनी चाहिए। इसी के बाद दिल तो पागल है बनी।

खलनायक बन धमाल मचा सकते हैं जयम रवि

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधा कोंगरा की पिछली फिल्म सोरारई पोटरु, ओटीटी पर काफी बड़ी हिट रही थी। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार सूर्या ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। इस फिल्म के बाद सूर्या के सुधा की एक और पीरियड एक्शन फिल्म, पूरननूरु की घोषणा की गई थी, लेकिन बाद में सूर्या इससे बाहर हो गए थे। इसके बाद से ये फिल्म लगातार कलाकारों के बाहर होने की वजह से चर्चा में रही। एक बार फिर ये फिल्म चर्चाओं में शामिल हो गई है। कई सितारों के फिल्म से बाहर हो जाने के बाद अब ये चर्चा हो रही है कि फिल्म में जयम रवि बतौर खलनायक नजर आने की रेस में सबसे आगे हैं, जिसे पहले दुलकर सलमान निभाने वाले थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रवि इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत भी हो चुके हैं। इसके अलावा फिल्म में श्रीलीला के मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आने की भी अटकलें लगाई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म 1960 के दशक की हिंदी विरोधी आंदोलन से संबंधित है।

बता दें कि कंगुवा अभिनेता सूर्या के साथ फिल्म के अन्य कलाकारों का खुलासा करते हुए एक मोशन पोस्टर भी जारी किया गया था, लेकिन बाद में सूर्या ने चौंकाते हुए इससे बाहर हो गए। इसके बाद फिल्म को अमरण अभिनेता शिवकार्तिकेयन के साथ दोबारा से शुरू किया गया। इस फिल्म में फिर मलयालम फिल्मों के मशहूर अभिनेता दुलकर सलमान, नाजरिया और विजय वर्मा भी शामिल हुए, लेकिन बाद में वो भी इससे बाहर हो गए।

इम्तियाज अली ने कास्टिंग काउच पर कह दी बड़ी बात

मशहूर फिल्मकार इम्तियाज अली ने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच से जुड़े मुद्दे पर हाल ही में अपनी राय जाहिर की। गोवा में आयोजित इफ्फी (इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया) के दौरान एक साक्षात्कार में उन्होंने इस धारणा पर अपने विचार रखा कि क्या व्यक्तिगत सीमाओं को पार करके फिल्म इंडस्ट्री में सफलता प्राप्त की जा सकती है? उन्होंने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री में निर्देशक के तौर पर 15-20 साल से काम कर रहा हूं, इसलिए मैंने कास्टिंग काउच के बारे में काफी सुना है। एक लड़की आती है, डरती है और महसूस करती है कि उसे समझौता करना पड़ेगा। लेकिन मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि अगर कोई लड़की या महिला न नहीं कह पाती है, तो यह जरूरी नहीं कि उसका करियर आगे बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा नहीं है कि अगर कोई लड़की समझौता कर ले, तो उसे कोई रोल जरूर मिल जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, अगर कोई लड़की नहीं कह सकती है और खुद को सम्मान देती है, तो तभी दूसरे भी उसका सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कास्टिंग से संबंधित निर्णय अक्सर इस बात पर आधारित होते हैं कि क्या फिल्मकार उस व्यक्ति को गंभीरता से ले रहे हैं। इम्तियाज ने कहा, हम जैसे लोग अक्सर यह सोचते हैं कि क्या हमें उस व्यक्ति को गंभीरता से लेना चाहिए या नहीं। हमें उसे कास्ट करने से पहले उसका सम्मान करना चाहिए।

समझौते से नहीं मिलती सफलता

इम्तियाज अली आगे अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, समझौता करने से फिल्म इंडस्ट्री में सफलता मिलती है, यह एक मिथक है और इसे समझना जरूरी है। मेरे अनुभव में तो यह बिल्कुल उल्टा है। जो लोग समझौता करते हैं, वे अक्सर अपने करियर से भी समझौता कर लेते हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म अमर सिंह चमकीला हाल ही में रिलीज हुई थी। इसमें दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा मुख्य भूमिका में नजर आए थे। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

जब जैकलीन फर्नांडीज ने सलमान खान को बताया परिवार, अब किक 2 में फिर से दिखेगी जोड़ी

जैकलीन फर्नांडीज एक बार फिर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ बहुप्रतीक्षित किक 2 में नजर आने वाली हैं। दोनों की जोड़ी को पर्दे पर पसंद करने वाले फैंस इस खबर से काफी ज्यादा रोमांचित हैं। बता दें कि एक समय जैकलीन ने सलमान खान को अपना परिवार बताते हुए कहा था कि वो उनके लिए कुछ भी कर सकती हैं। एक इंटरव्यू में, जैकलीन फर्नांडीज ने बताया था कि कैसे सलमान खान उनके लिए एक गुरु से परिवार बन गए। उन्होंने कहा था कि वह फिल्मों के चुनाव को लेकर आश्वस्त नहीं थीं, लेकिन तब सलमान के साथ किक में काम करना उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने कहा था कि फिल्म किक से उन दोनों के बीच का रिश्ता काफी मजबूत हुआ। बताते चलें कि सलमान किक 2 के अलावा अपनी आगामी फिल्म सिकंदर में भी नजर आने वाले हैं।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: यशस्वी और विराट के शतकों से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दिया 534 रनों का कठिन लक्ष्य

मेजबानों ने 12 रनों पर ही 3 विकेट खोये

पर्थ (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शानदार शतकों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच पर शिकंजा कस लिया है। यशस्वी के 161 और विराट के 100 रनों की सहायता से भारतीय टीम ने तीसरे दिन टी ब्रेक के बाद अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन पर घोषित कर मेजबान टीम को जीत के लिए 534 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया है। जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 4.2 ओवर में ही 12 रनों पर ही दूसरी पारी में अपने तीन विकेट खो दिये थे। अब ऑस्ट्रेलिया के पास दो दिन हैं और वह 522 रन पीछे हैं जबकि उसके पास सात विकेट शेष हैं।

जसप्रीत बुमराह ने दूसरी पारी में भी जबरदस्त गेंदबाजी करते तीन में से दो विकेट लिए। बुमराह ने पहले नैथन मैकस्वीनी को शून्य और मार्नस लाबुशेन को 3 रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। मोहम्मद सिराज ने नाइटवाचमैन के तौर पर आए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को 2 रन पर आउट कराया।

इससे पहले आज भारतीय बल्लेबाजी छाये रहे पहले यशस्वी और उसके बाद विराट ने शतक लगाये। विराट के 100 रन पूरे करते ही कप्तान बुमराह ने पारी घोषित कर दी। तब दूसरे छोर पर नीतिश कुमार रेड्डी में 38 रन बनाकर खेल रहे थे। विराट ने 143 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। जबकि, नीतिश ने 3 चौके और 2 छक्के लगाये।

विराट ने इस शतक के साथ ही एक विदेशी धरती में सबसे अधिक शतक बनाने के सुनील

गावस्कर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उन्होंने इसके अलावा एक देश के खिलाफ 9 शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। तेंदुलकर के श्रीलंका के खिलाफ 9 शतक और ऑस्ट्रेसिया के खिलाफ 11 शतक हैं। गावस्कर के नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक बनाने का रिकॉर्ड है। विराट ने इस मैच में अपना 30वां शतक है और इस प्रकार वह आस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के 29 शतकों से आगे निकल गए हैं।

भारतीय टीम ने दो विकेट पर 313 रन की मजबूत स्थिति के बाद 18 गेंदों के अंदर ही आठ रन पर तीन विकेट खो दिए थे पर इसके बाद विराट ने वाशिंगटन सुंदर के साथ छठे विकेट के लिए 89 रन और नीतिश कुमार रेड्डी के साथ सातवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी कर भारत की कुल बढ़त को 500 के पार पहुंचा दिया। वहीं भारतीय टीम ने दूसरे दिन के कोई विकेट खोए 172 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था।यशस्वी ने दूसरे दिन के अपने 90 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए 297 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 161 रन की बड़ी पारी खेलने के बाद आउट हुए। वहीं केएल राहुल ने 77 रन बनाए।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर रोकने के बाद भारत ने तीसरे दिन 218 रन की बढ़त के आगे खेलना शुरू करते हुए दूसरी पारी में 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 535 रन का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी पारी में नाथन लायन ने 2 जबकि मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने एक-एक विकेट लिया।

विराट ने 17 महीने बाद शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतक लगाने के साथ ही एक बार फिर अपना फार्म हासिल किया है। यहां पहली पारी में भी विराट रन नहीं बना पाये थे और केवल 5 रन बनाकर ही जोश हेजलवुड की गेंद पर आउट हुए थे। विराट ने टेस्ट के तीसरे दिन के अंतिम सत्र में अपना शतक लगाया । इसी के साथ ही विराट ने 17 महीने के बाद कोई शतक लगाया है। इससे पहले विराट का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और न्यूजीलैड के खिलाफ पिछली 12 पारियों में वह केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस मैच से काफी समय बाद विराट अपने ही अंदाज में दिखे। ये विराट का 30वां टेस्ट शतक है। शतक तक पहुंचने में विराट ने 7 चौके और 2 छक्के लगाये। वह टेस्ट में 30 शतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। उससे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने ही भारत की ओर से 30 या उससे ज्यादा शतक लगाये हैं। गौरतलब है कि महान सर डॉन ब्रैडमैन ने टेस्ट में सबसे पहले 29 शतक का रिकार्ड बनाया था। विराट अब ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा सात टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इसी के साथ ही विराट ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा है। सचिन ने यहां 38 पारियों में 6 शतक लगाये हैं जबकि विराट के 27 पारी में 7 शतक हो गए हैं। इसक अलावा सुनील गावस्कर के नाम यहां 19 पारियों में 5 जबकि वी वी एस लक्ष्मण के नाम 29 पारियों में 4 शतक हैं। विराट ने टेस्ट में अपना अंतिम शतक जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर लगाया था। अब 17 महीने बाद पूर्व भारतीय कप्तान ने टेस्ट में शतक लगाया है।

यशस्वी ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन शतक लगाने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। यशस्वी इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इस क्रिकेटर ने पारी के 61वें ओवर में अपना शतक लगाया जिसमें उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। अपनी शतकीय पारी के साथ ही यशस्वी ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर ही शतक बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले एमएल जयसिम्हा ने साल 1967-68 और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने 1977-78 में पहले ही टेस्ट में शतक लगाये थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज यशस्वी ने 22 साल की उम्र में ही एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वह 28 दिसंबर को अपना 23 वां जन्मदिन मनाएंगे। इस बल्लेबाज के नाम अभी तक तीन शतक हैं और 2024 में अभी तीन मैच और खेलने हैं। वहीं यशस्वी से ज्यादा पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने साल 1971 में 4 शतक, विनोद कांबली ने 1993 में 4 शतक, रवि शास्त्री ने 1984 में 3 शतक और सचिन तेंदुलकर ने 1992 में 3 शतक लगाये थे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक बनाने वाले आखिरी भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 110 थे जिन्होंने 2014-15 में सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) पर शतक बनाया था।

कपिल देव ने बुमराह की सराहना की, कहा- ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान चुना जाए

मुम्बई (एजेंसी)। महान ऑलराउंडर कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पर्थ टेस्ट में आगे बढ़कर भारत की अगुवाई करने के लिए रविवार को जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि मेहमान टीम ने अब तक उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

पर्थ टेस्ट के कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर पांच विकेट चटकाकर टीम को 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम महज 104 रन पर आउट हो गई। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 11वीं बार पांच विकेट चटकाए और एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में सातवीं बार यह उपलब्धि हासिल की। वह इन देशों में सर्वाधिक बार पांच विकेट लेने के मामले में कपिल के बराबर पहुंच गए।

कपिल ने यहां विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान मीडिया से कहा, 'बुमराह को विशेष बधाई दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान चुना जाए उन्हें जिस तरह से नेतृत्व करते हुए देखा है वह बहुत अच्छा लगता है।'

कपिल ने देश में तेज गेंदबाजी को फिर से चर्चा में लाने के लिए बुमराह की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है - उनके रिकॉर्ड बताते हैं (कि वह कितने अच्छे हैं। वह दुनिया के शीर्ष गेंदबाज हैं, हमें और क्या चाहिए?'

कपिल ने कहा, 'मैंने पहले कभी नहीं सोचा था कि भारत में एक तेज गेंदबाज के बारे में इतनी चर्चा होगी लेकिन आज ऐसा हो रहा है और मुझे इस पर खुशी और गर्व है।' कपिल ने कहा कि भारत का प्रदर्शन शानदार है क्योंकि टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है। उन्हें पहला टेस्ट जीतना चाहिए, सकारात्मक सोच हमेशा बनी रहनी चाहिए।'

ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को बीसीसीआई ने संदिग्ध गेंदबाजों की सूची में डाला

-हुड्डा को आईपीएल नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने रिलीज कर दिया था

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से ठीक पहले एक बुरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के जरिए सामने आया है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को बीसीसीआई की संदिग्ध गेंदबाजों की सूची में शामिल किया गया है और उन पर बैन लगने की संभावना है। वह इस साल एलएसजी का हिस्सा नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार दीपक हुड्डा और सौरभ दुबे और केसी करियप्पा जैसे खिलाड़ियों पर पर बीसीसीआई को उनके संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए शार्टलिस्ट किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि मनीष पांडे और श्रीजीत कृष्णन को गेंदबाजी के लिए बैन कर दिया गया है, जबकि ऑफ स्पिनर दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि सौरभ दुबे और केसी करियप्पा बीसीसीआई की संदिग्ध सूची में शामिल किए गए हैं। बता दें दीपक हुड्डा को नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। उन्होंने 11 मैचों में सिर्फ 145 रन बनाए और कोई विकेट भी नहीं लिया था। हुड्डा के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए 10 वनडे मैच खेले हैं और 153 रन बनाए हैं। 20 इंटरनेशनल में उन्होंने 21 मैच खेले हैं और एक शतक के साथ 368 रन बनाए हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2023 में ही खेला था। जो न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच था। वहां उन्होंने 30 रन बनाए थे। बता दें कि आईपीएल 2025 के आगामी सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा।

रोहित ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये हैं, वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे। रोहित शनिवार शाम को मुंबई एयरपोर्ट से रवान हुए थे। इस दौरान उन्हें पत्नी रितिका सजदेह को गले लगाकर बाय कहते देखा गया था। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ही पहले टेस्ट से बाहर रहे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन को उन्होंने पहले ही संकेत दिया था कि वे पर्थ टेस्ट नही खेलेंगे। रोहित के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इससे पहे न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित असफल रहे थे, ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर रन बनाकर लय हासिल करना रहेगा। इस साल रोहित ने 11 टेस्ट मैचों में 29.40 के औसत से 588 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का घरेलू सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने पांच मैचों में 13.30 के औसत से 133 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक शामिल हैं।

गिलक्रिस्ट सहित पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की शानदार पारी की सराहना की है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया है। गिलक्रिस्ट ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी के लिए सलामी बल्लेबाज के खेलने के तरीके और प्रतिबद्धता की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। गिलक्रिस्ट ने कहा कि जिन्होंने उसे खेलते देखा है वे जानते हैं कि वह काफी आक्रामक खिलाड़ी है। उसने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टेस्ट क्रिकेट में भी वह अपने आक्रामक अंदाज के कारण जाना जाता है। उसने कम समय में भी काफी छक्के लगाये हैं। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइक हसी भी गिलक्रिस्ट से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि मैं उसे ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों पर खेलते हुए देखना चाहता था, यह देखने के लिए कि वह इसे कैसे संभालेगा पर यह पारी दिखाती है कि वह दुनिया भर में किसी भी हालात में खेलकर उसे संभाल सकता है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच डैरेन लेहमैन का मानना है कि जयसवाल और राहुल के प्रयासों से भारतीय टीम मैच में हावी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह एक कठिन दिन था लेकिन दो भारतीय बल्लेबाजों के प्रयासों से टीम बेहतर हालात में पहुंची है। इन दोनो ही शानदार तरीके से खेला है।

पर्थ टेस्ट में पिच बदलाव पर इरफान पठान की मजेदार टिप्पणी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती मैच में पर्थ की पिच ने सभी को चौंका दिया। पहले दिन सतह पर तेज गेंदबाजों के लिए भरपूर उछाल और मूवमेंट था, लेकिन दूसरे दिन यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई। पिच धीमी पड़ने के साथ दरारें उभरने लगीं, जिससे बल्लेबाजों को कुछ राहत मिली। पूर्व भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने पिच के इस अचानक बदलाव पर मजेदार टिप्पणी की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, इतना जल्दी तो मेरी पत्नी का मूड भी नहीं बदला, जितनी जल्दी ये पिच बदली है। पर्थ की हरी सतह ने पहले दिन दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने घास से भरी इस पट्टी पर स्विंग और उछाल का खूब फायदा उठाया। लेकिन दूसरे दिन पिच की प्रकृति बदल गई, सतह पर हलचल कम हो गई और बल्लेबाजों ने क्रीज पर अधिक समय बिताने का मौका पाया। इरफान पठान की यह हल्की-फुल्की पोस्ट क्रिकेट प्रशंसकों के बीच तेजी से वायरल हो गई। फैन्स ने इसे न केवल पिच की स्थिति पर एक सटीक मजाक माना, बल्कि पठान की हाजिरजवाबी की भी तारीफ की। पिच में अचानक बदलाव ने खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। कुछ ने इसे टेस्ट क्रिकेट की अनिश्चितता का हिस्सा बताया, जबकि अन्य ने इसे पिच क्यूरेटर की तैयारी पर सवाल उठाने का मौका माना। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस पहले मुकाबले ने पहले ही दो दिनों में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। अब देखना यह है कि अगले तीन दिनों में खेल का क्या रुख रहता है।

सफ़ेद मोहरो से करेंगे भारत के गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत

सिंगापुर (एजेंसी)। फीडे 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के साथ ही मैच की शुरुआत हो गयी और साथ ही अब पहले मुक़ाबले की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है कल डिंग लिरेन और गुकेश डी के बीच उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सिंगापुर के कैपिटल थियेटर में 400 से अधिक मेहमान उपस्थित थे, जो सिंगापुर के सांस्कृतिक और नागरिक क्षेत्र के दिल में स्थित एक प्रमुख स्थल है।

गाला शाम की शुरुआत शानदार संगीत प्रस्तुति, और दोनों देशों चीन और भारत के राष्ट्रगानों से हुई। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम था दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले मुक़ाबले के लिए रंगों का चयन करना, और इस बार गुकेश डी को पहले खेल में सफेद

मोहरे मिले। 2013 की विश्व शतरंज चैंपियनशिप में आनंद के खिलाफ कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से खेल की शुरुआत की थी और कई शतरंज प्रेमी इसे गुकेश के लिए भी अच्छा बता रहे है।

सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वयक, श्री तेओ ची हेअन ने इस ऐतिहासिक मैच के महत्व पर बात की और कहा, 'यह विश्व चैंपियनशिप हमारे क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखती है। यह पहली बार है जब दो एशियाई ग्रैंडमास्टर एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। सिंगापुर इस ऐतिहासिक मैच का मेज़बान बनकर गर्वित है।'

FIDE के अध्यक्ष, श्री आर्कडी ड्वॉर्कोविच ने मीडिया का धन्यवाद करते हुए कहा, 'आज हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जब भारतीय टाइगर गुकेश, 18 साल की उम्र में, चीन के ड्रैगन डिंग लिरेन, विश्व चैंपियन को चुनौती देंगे। यह मैच न केवल शतरंज के इतिहास को आकार देगा, बल्कि भविष्य को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि इस मैच को दुनिया भर में लाखों लोग देखेंगे।'

इस विश्व चैंपियनशिप में डिंग लिरेन (चीन) और गुकेश डी (भारत) के बीच 14-मुकाबलों का मैच होगा। जो खिलाड़ी 7.5 अंक या उससे अधिक स्कोर करेगा, वह मैच जीत जाएगा और कुल 2.5 मिलियन डॉलर के पुरस्कार फंड का हिस्सा जीतेगा।

प्रीमियर लीग : चार बार के चैंपियन मैनचेस्टर सिटी की टोटेनहैम के हाथों करारी हार

लंदन। चार बार के गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को शनिवार को यहां टोटेनहैम के खिलाफ प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 0-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी जो सभी प्रतियोगिताओं में उसकी लगातार पांचवीं हार है। इस हार के बाद मैनचेस्टर सिटी की टीम शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक पीछे है। सिटी के 23 जबकि लीवरपूल के 28 अंक हैं। लीवरपूल ने हालांकि एक मैच कम खेला है। टोटेनहैम की टीम 19 अंक के साथ छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन (13वें और 20वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि पेड्रो पोरो (52वें मिनट) और ब्रेनेन जॉनसन (90 प्लस तीन मिनट) ने एक-एक गोल किया। तीसरे स्थान पर काबिज चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया जबकि चौथे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। पांचवें स्थान पर मौजूद ब्राइटन ने बोर्नेमाउथ को 2-1 हराया।

राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश टीम का शानदार प्रदर्शन

इन्दौर। उत्तराखंड के हरिद्वार में ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों से लगभग 2000 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें इंदौर के आर्यन भारतीय ने 16-18 वर्ष -50 किलो भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन कर 04 मुक़ाबले जीतते हुए फाइनल में वेस्ट बंगाल के खिलाड़ी को आर्मबार तकनीक से हराते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कुमारी आर्या चौधरी ने भी अपने चारों मुक़ाबले समय से पहले ख़त्म करते हुए 18-20 वर्ष की -53 भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। मध्यप्रदेश के 75 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक और 15 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदकों के साथ देश भर में चौथा स्थान प्राप्त किया खिलाड़ियों के साथ उनके कोच विक्रम अवार्डी विकाश शर्मा एवं सहायक सुरभि साँखला उपस्थित रहे। ग्रेपलिंग रेसलिंग मध्यप्रदेश संघ से हिमांशु अत्रिवाल अध्यक्ष ,एहतेशाम उद्दीन सचिव, उपाध्यक्ष प्रवीन पाटिल, कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र भट्ट सहित समस्त ग्रैपलिंग संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जर्मनी को हराकर नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में

एम्स्टडर्म। जर्मनी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंच गया है। मंगलवार को स्पैनियार्ड के करियर के अंतिम मैच में राफेल नडाल को हराने वाले बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प ने शुक्रवार को पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर डच टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच प्वाइंट की जरूरत थी। ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। ग्रिक्सपुर ने कहा कि हमें खुद पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है इसलिए अब ऐसा करना अविश्वसनीय लगता है। रविवार के फाइनल में नीदरलैंड का सामना गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगा। इटली की टीम का नेतृत्व विश्व के नंबर एक जैननिक सिनर कर रहे हैं। नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा कि यह जीत रोमांचित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है - लेकिन यह एक टीम प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमें खुद पर विश्वास करना होगा, चाहे कोई भी हमारे खिलाफ हो, कि हम यह कर सकते हैं। इस साल यह हमारा समय है। हम यहां हैं और हम इसे गिनने जा रहे हैं। 3 बार का विजेता जर्मनी 1993 में आखिरी बार खिताब जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने का लक्ष्य बना रहा था।

ऋषभ आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

आईपीएल नीलामी: भारतीय खिलाड़ियों पर बरसे पैसे... पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा, श्रेयस को पंजाब ने 26.75 करोड़ दिए

जेद्दाह (एजेंसी)। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा है। ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ में खरीदा। उन्होंने इस मामले में श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ा। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। हम यहां आपको आईपीएल 2025 और नीलामी इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ियों के विषय में बताएंगे।

आईपीएल 2024 के लिए पिछले साल हुई मिनी नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के विश्व विजेता कप्तान पैट कमिंस और स्टार्क पर जमकर पैसों की बारिश हुई थी और दोनों ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के ही तूफानी गेंदबाज मिचेल स्टार्क नीलामी टेबल पर आए और उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा। दोनों का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। आईपीएल नीलामी इतिहास में पहली बार 20 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार हुआ था और वह भी एक साथ दो खिलाड़ियों पर। दूसरी सेट से कैप्ड प्लेयर डेविड मिलर को लखनऊ ने 7.5 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। दूसरी मार्की लिस्ट से कैप्ड प्लेयर मोहम्मद शमी को हैदराबाद ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में इंडियन पेसर शमी इंजरी की वजह से नहीं खेले थे।

110 करोड़ में बिके शुरुआती 6 खिलाड़ी

पहले सेट में 6 खिलाड़ियों पर बोली लगी। 4 टीमों ने इन प्लेयर्स पर 110 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। लखनऊ सुपरजायंट्स ने 27 करोड़ में ऋषभ पंत और पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में श्रेयस अय्यर को खरीदा। अर्शदीप सिंह 18 करोड़, जोस बटलर 15.75 करोड़, मिचेल स्टार्क 11.75 करोड़ और कगिसो रबाडा 10.75 करोड़ रुपए में बिके।

आईपीएल 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी

खिलाड़ी	कितने में खरीदा (करोड़ रु)	टीम
ऋषभ पंत	27	लखनऊ सुपरजायंट्स
श्रेयस अय्यर	26.75	पंजाब किंग्स
अर्शदीप सिंह	18	पंजाब किंग्स
युजवेंद्र चहल	18	पंजाब किंग्स
जोस बटलर	15.75	गुजरात टाइटंस
कगिसो रबाडा	10.75	गुजरात टाइटन्स
मिचेल स्टार्क	11.75	दिल्ली कैपिटल्स
मोहम्मद शमी	10	सनराइजर्स हैदराबाद

विनोद उपाध्याय / 24 नवम्बर, 2024

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूर इलाके से एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना की खबर सामने आई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इसमें एक अन्य के घायल होने की खबर है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद पुरुष यात्री (40) को तुरंत ही एम्बुलेंस कर्मियों द्वारा उपचार दिया गया, मगर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं हेलीकॉप्टर पायलट (39) को इलाज के लिए मेलबर्न के एक अस्पताल भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर पायलट को कुछ मामूली चोटें आई थी, जिसका उपचार किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) ने इस हादसे की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों व्यक्ति एक अमेरिकी पंजीकृत सुपर प्यूमा हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे। यह विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास न्यू साउथ वेल्स में, सिडनी से लगभग 600 किमी पश्चिम और मेलबर्न से 400 किमी उत्तर में वन ट्री नाम के छोटे से शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑस्ट्रेलियाई समुद्री सुरक्षा प्राधिकरण (एएमएसए) ने कहा कि उसे स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजे हेलीकॉप्टर से संकेत मिला। जवाब में, एएमएसए ने खोज शुरू करने के लिए एक बचाव विमान और एयर एम्बुलेंस हेलीकॉप्टर भेजा। खोज में सहायता करने वाले एक स्थानीय स्काईडाइविंग विमान ने दुर्घटना स्थल का पता लगाया। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर दुर्घटना के समय न्यू साउथ वेल्स के ब्रोकन हिल और एल्बरी शहरों के बीच लगभग 680 किलोमीटर की यात्रा कर रहा था। वहीं इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो का कहना है कि वह इस दुर्घटना की जांच करेगा।

नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में सिडनी हवाई अड्डे पर पकड़े गए इतावली नागरिक को हो सकती है उम्रकैद की सजा

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया में एक इटली के रहने वाले व्यक्ति को नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल (एबीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सिडनी हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने एक 18 वर्षीय इतालवी व्यक्ति के सामान में कथित तौर पर 15 किलोग्राम मेथामफेटामाइन पाया था, जिसके बाद उस पर यह कार्रवाई की गई है। उस व्यक्ति को अदालत में नशीली दवाओं के केस में आरोपी बना कर पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि एबीएफ अधिकारियों ने बुधवार को यूरोप से उड़ान भरकर सिडनी पहुंचने पर उस व्यक्ति के सामान की जांच की। अधिकारियों को कथित तौर पर उस व्यक्ति के सूटकेस में बड़े काले प्लास्टिक के पैकेट में छिपे हुए सफेद पदार्थ के पैकेट मिले। शुरुआती जांच में पता चला कि यह पदार्थ मेथामफेटामाइन है। इस दवा पर ऑस्ट्रेलिया में नियंत्रण लगाया गया है। एएफपी ने उस व्यक्ति को सीमा-नियंत्रित दवा की वाणिज्यिक मात्रा आयात करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अगर वह दोषी पाया जाता है, तो उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, मेथामफेटामाइन की इस मात्रा से 150,000 तक सौदे किए जा सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 13 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 8.4 मिलियन डॉलर) है। एएफपी के डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट मोर्गन ब्लुंडेन ने एक बयान में कहा, सभी जोखिमों के बावजूद, हम अभी भी नियमित रूप से उन लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं, जिन्होंने हमारे हवाई अड्डों के माध्यम से हमारे देश में अवैध ड्रग्स लाने का प्रयास किया है। बता दें कि इस साल नवंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई आपराधिक खुफिया आयोग द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में मेथामफेटामाइन को ऑस्ट्रेलिया में दूसरी सबसे अधिक खपत की जाने वाली अवैध दवा के रूप में पहचाना गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी के सऊदी अरब से जुड़े बयान पर मच गया बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की परेशानियां सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुई थीं। उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इस्हाक डार और पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने 'एक्स पर पोस्ट की गई बुशरा बीबी की वीडियो क्लिप को लेकर उनकी आलोचना की। बुशरा बीबी ने बृहस्पतिवार को वीडियो बयान में कहा कि खान की समस्याएं उस समय शुरू हुईं जब वह (खान) मदीना गए और उन्हें बिना जूतों के अपने विमान से बाहर आते देखा गया। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद तत्कालीन सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पास फोन आने लगे। उन्होंने खान की सितंबर 2018 की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, खान के लौटने के तुरंत बाद, बाजवा को फोन आने लगे और कहा गया कि 'ये तुम क्या उठा के लाए हो? इस वीडियो का उद्देश्य खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों को रविवार को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था।

इजरायली हवाई हमलों से बेहाल हुआ लेबनान राजधानी बेरुत पर आईडीएफ का खतरनाक प्रहार

बेरुत, एजेंसी। इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह के गढ़ को खत्म करने की कसम खा चुका है। अपनी इस कसम को पूरा करने के लिए इजरायल लगातार हमले कर रहा है। कई रॉकेटों के साथ किए गए इस इजरायली हमले से लेबनान की राजधानी हिल गई। लेबनान के सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक शनिवार की सुबह तड़के ही इजरायल की तरफ से यह हमला किया गया। इस हमले में कम से कम चार रॉकेट दागे गए थे। इसमें कई इमारतें ध्वस्त हो गई। इमारतों में फंसे लोगों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बेरुत के बस्ता इलाके में यह हमला किया गया। विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों स्थानीय लोगों की मदद से इलाकें में मदद की व्यवस्था की। लेबनान की मीडिया के मुताबिक इस हमले में कम से कम चार इमारतें नष्ट हो गई हैं, जबकि इसके आसपास की भी कई इमारतें बुरी तरफ क्षतिग्रस्त हो गई। पिछले एक सप्ताह में इजरायल द्वारा बेरूत पर किया गया यह चौथा हमला है। पिछले हफ्ते में हिजबुल्लाह के एक प्रवक्ता की मौत हो गई थी।

इजरायल का लेबनान पर हमला पिछले कई महीनों से जारी है। यह पूरी लड़ाई 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुई थी, जब हमास के आतंकियों ने इजरायल की सीमा के अंदर घुसकर आम नागरिकों की हत्या की और कई नागरिकों को बंधी बनाकर अपने साथ ले गए। इस हमले के बदले में इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमला बोल दिया। गाजा के समर्थन में उतरे लेबनान में इजरायल पर हवाई हमले करना जारी रखा। शुरुआती समय में इजरायल ने चेतावनी देते हुए लेबनान से कहा कि वह हमला करेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना होगा। इसके बावजूद भी हिजबुल्लाह नहीं रुका। बदले की कार्रवाई करते हुए इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ने के बाद लेबनान का रुख किया। संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण के बाद इजरायली राष्ट्रपति ने कहकर हिजबुल्लाह चीफ को हवाई हमले में मार गिराया। लेबनान में सैन्य कार्रवाई करते हुए इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह को नेस्तानाबूद करने की कसम खाई। वर्तमान में इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच में लेबनान की दक्षिणी सीमा पर लड़ाई जारी है। दूसरी तरफ इजरायल अपने हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्लाह की कमर तोड़ने में लगा हुआ है। इजरायली सेना की मानें तो वह लेबनान में उन सभी जगहों, इमारतों को निशाना बना रहा है, जो हिजबुल्लाह के कंट्रोल में हैं। दूसरी तरफ हिजबुल्लाह भी पीछे ना हटते हुए लगातार इजरायली जमीन पर रॉकेट और मिसाइलों से हमला कर रहा है।

नेतन्याहू के अरेस्ट वॉरेंट पर अमेरिका हुआ नाराज, इसे जल्दबाजी बताया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसले को खारिज कर दिया, जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों का आरोप है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक प्रेस वार्ता में फैसले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से खारिज करते हैं। उन्होंने वारंट मांगने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की और परेशान करने वाली प्रक्रिया की त्रुटियों की ओर इशारा किया जिसके कारण यह नतीजा निकला।

जीन-पियरे ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले पर आईसीसी के अधिकार क्षेत्र की कमी के बारे में स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियोजक चाहे कुछ भी कहे, कोई सबूत नहीं है, इज़राइल और हमास के बीच कोई सबूत नहीं है। व्हाइट हाउस अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए इज़राइल सहित अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की, हम मौलिक रूप से इस बात को खारिज करते हैं कि स्थिति पर आईसीसी का अधिकार क्षेत्र है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं और हम इसे जारी रखेंगे। यह बयान तब आया है जब अमेरिका अपने नेताओं के खिलाफ आईसीसी के आरोपों के बीच इजरायल के प्रति समर्थन दिखाना जारी रखता है। हेग में आईसीसी ने नेतन्याहू और गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया और उन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया। आरोपों में गाजा में नागरिकों को निशाना बनाने और भुखमरी की नीतियां लागू करने के आरोप शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने की पाकिस्तान में हुए हमले की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए घातक हमले की कड़ी निंदा की है. आतंकियों ने गुरुवार को तीन यात्री वाहनों को निशाना बनाकर हमले किए जिसमें कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए. महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को दैनिक ब्रीफिंग में देकर कहा कि नागरिकों के खिलाफ हमले अस्वीकार्य हैं. गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों और पाकिस्तान सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की. उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से जांच कराने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए. पाराचिनार में शिया और सुन्नी के बीच पहले भी खूनी टकराव हुए हैं. किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, जबकि सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. पाकिस्तान के संघीय मंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि संघीय सरकार केपी प्रांतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में है. पिछला सप्ताह कठिन और परेशान करने वाला रहा है. उन्होंने कहा, हम हर दिन एक नई घटना देखते हैं और अब केपी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं. पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी इस दुखद घटना की निंदा की और कहा कि निर्दोष यात्रियों पर हमला एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है. शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच भूमि विवाद को लेकर पहले भी हिंसक और जानलेवा झड़पें हो चुकी हैं. पिछले कुछ सालों में इन दोनों के बीच आपसी संघर्ष की कई घटनाएं हुई. इस दौरान दोनों पक्षों के सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है. जनजातियों के बीच पिछले संघर्ष के बाद से स्थानीय लोगों को स्थानीय बुजुर्गों द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार केवल काफिले में यात्रा करने की अनुमति थी. कुर्रम जिले में गुरुवार का हमला शिया और सुन्नी के बीच लंबे समय से चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष में सबसे घातक हमलों में से एक है. इस महीने की शुरुआत में हजारों निवासी पाराचिनार में एक शांति मार्च में भाग लेने के लिए एकत्र हुए थे।

मेरी चीन की यात्रा काफी सफल रहेगी: ओली

काठमांडू, एजेंसी। 'मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि चीन की उनकी आगामी आधिकारिक यात्रा काफी सफल रहेगी। कार्यभार संभालने के बाद किसी पड़ोसी देश की यह उनकी पहली यात्रा होगी। ओली ने कहा, ''मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''उत्पादकता बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी।' हालांकि, सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ओली की यात्रा और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला का खुलासा: जहर देने की कोशिश, पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर लगाए आरोप

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने गुरुवार को खुलासा किया कि 2022 में पदभार ग्रहण करने से कुछ दिन पहले उन्हें और उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन को जहर देने की कथित कोशिश की गई थी. गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लूला ने कहा, जैसा कि सीएनएन ने उद्धृत किया कि मुझे अब बहुत आभारी होना चाहिए, और भी अधिक इसलिए क्योंकि मैं जीवित हूं. मुझे और (उपराष्ट्रपति) अल्कमिन को जहर देने की कोशिश सफल नहीं हुई, अब हम यहां हैं. सीएनएन ब्राजील के अनुसार, यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और 36 अन्य पर 2022 के चुनावों के बाद तख्तापलट की साजिश की जांच में अभियोग लगाया गया है. जांच में आरोप लगाया गया है कि बोल्सोनारो को लूला को उनकी चुनावी जीत के बाद पदभार ग्रहण करने से रोकने की योजनाओं की पूरी जानकारी थी. ब्राजील की संघीय पुलिस ने निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी. सैकड़ों पन्नों की इस रिपोर्ट में उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की हत्या की योजना का विवरण दिया गया है. सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में जहर और विस्फोटक शामिल थे. मंगलवार को, कथित साजिश के सिलसिले में बोल्सोनारो के पूर्व सलाहकार और सेवानिवृत्त जनरल मारियो फर्नांडीस सहित पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया. संदिग्धों ने कथित तौर पर सरकार का नियंत्रण जब्त करने के लिए एक संस्थागत संकट प्रबंधन कार्यालय बनाने की मांग की. अभियोग के जवाब में, बोल्सोनारो ने कहा कि उन्होंने अभी तक आरोपों की समीक्षा नहीं की है. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि संघीय पुलिस की ओर से इस अभियोग में क्या है. मैं वकील का इंतजार करूंगा. जाहिर है, यह अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में जाएगा. यह पीजीआर में है कि लड़ाई शुरू होती है. मैं उस टीम से कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकता जो मेरी निंदा करने के लिए रचनात्मकता का उपयोग करती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जस्टिस मोरेस की भी आलोचना की. आरोपित लोगों में बोल्सोनारो के पूर्व रक्षा मंत्री वाल्टर ब्रागा नेट्टो, पूर्व सुरक्षा प्रमुख ऑगस्टो हेलेनो और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी की हत्या के बारे में सोचना भले ही कितना भी घिनौना क्यों न हो, यह कोई अपराध नहीं है. जांच 8 जनवरी के दंगों के बाद चल रहे तनाव को बढ़ाती है, जिसके दौरान बोल्सोनारो समर्थकों ने लूला की जीत के विरोध में सरकारी इमारतों पर धावा बोला था.

डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज की एलन मस्क की सिफारिश, अपने ही करीबी को बड़ा जिम्मा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रेजरी सचिव यानी कैबिनेट में वित्त मंत्री के पद के लिए एलन मस्क की पसंद को खारिज कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने अपने करीबी स्कॉट बेसेंट को ट्रेजरी सचिव नियुक्त किया है। ट्रंप के इस कदम के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। हेज फंड के दिग्गज स्कॉट बेसेंट ट्रम्प के आर्थिक विचारों का समर्थन करते हैं। वहीं मस्क ने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण वाले हॉवर्ड लुटनिक के नाम का समर्थन किया था। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पहले ही इस मामले पर अपने विचार रखते हुए अपना पक्ष रखा था। मस्क ने सार्वजनिक रूप से हॉवर्ड लुटनिक को समर्थन देते हुए कहा था कि वह जरूरी परिवर्तन ला सकते हैं। हालांकि ट्रंप स्कायर ग्रुप के संस्थापक बेसेंट ट्रम्प की आर्थिक नीतियों, खास कर उनके टैरिफ समर्थक रुख के बड़े समर्थक रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के साथ बैठक के बाद 62 वर्षीय बेसेंट की नियुक्ति की गई है। ट्रंप ने शनिवार को एक बयान में कहा, स्कॉट मेरे साथ मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए काम करेंगे। स्कॉट और उनके परिवार को बधाई। इससे पहले एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप के कैबिनेट मंत्री चुनने के फैसले पर चर्चा करते हुए लिखा था, इस पर और लोगों की राय सुनना दिलचस्प होगा ताकि डोनाल्ड ट्रंप फीडबैक पर विचार कर सके। उन्होंने आगे लिखा, मेरा विचार यह है कि स्कॉट बेसेंट एक विकल्प हो सकते हैं। हालांकि हॉवर्ड लुटनिक सच में बदलाव ला सकते हैं। आम फैसले लेने की वजह से अमेरिका दिवालिया हो सकता है इसलिए हमें किसी न किसी तरह से बदलाव की जरूरत है।

कौन हैं स्कॉट बेसेन्ट : स्कॉट बेसेन्ट ने राष्ट्रपति चुनावी अभियान के दौरान ट्रंप को आर्थिक नीति पर सलाह दी थी। वह की स्कायर कैपिटल मैनेजमेंट की स्थापना कर चुके हैं। स्कॉट ब्रिटिश पाउंड और जापानी येन के खिलाफ अपने सफल दांव के लिए जाने जाते हैं। सोरोस फंड मैनेजमेंट में हेज फंड एक्जीक्यूटिव और पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका के लिए पहचान बनाने वाले स्कॉट बेसेन्ट ट्रंप की ट्रेजरी सचिव के लिए पहली पसंद थे। ट्रंप का चयन वित्तीय जगत में बेसेन्ट की सफलता और जॉर्ज सोरोस के साथ एमएजीए एजेंडे के लिए उनके समर्थन से भी प्रभावित है।

पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा-ट्रंप की वापसी से बहुत दुख हुआ, वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती

लंदन, एजेंसी। पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल का कहना है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर उन्हें बहुत 'दुख हुआ क्योंकि वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती हैं। मर्केल ने कहा कि और उन्हें याद है कि उनके साथ हर भेंट ''एक प्रतियोगिता होती थी: आप या मैं। जर्मन साप्ताहिक 'डेर स्पीगेल में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में मर्केल ने कहा कि ट्रंप दुनिया खासकर बहुपक्षवाद के लिए एक चुनौती हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो हमारे लिए इंतजार कर रहा है, वह वास्तव में आसान नहीं है क्योंकि दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था इस राष्ट्रपति के पीछे खड़ी है एवं डॉलर प्रमुख मुद्रा है।

मर्केल ने जर्मन चांसलर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान सत्ता में थीं - यह उनके 16 साल के कार्यकाल में जर्मन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे तनावपूर्ण अवधि थी, जो 2021 के अंत में समाप्त हुई। उन्होंने 'ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में एक चर्चित अजीबोगरीब पल को एक खास दृश्य के रूप में याद किया, जब वह पहली बार मार्च 2017 में व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलने गई थीं। फोटोग्राफर ने आवाज लगायी हाथ मिलाइए। और मर्केल ने धीरे से ट्रंप से पूछा: क्या आप हाथ मिलाना चाहते हैं? ट्रंप की ओर से कोई जवाब नहीं आया, जो अपने हाथ जोड़कर सामने देखते रहे। मर्केल ने कहा, मैंने फोटोग्राफर के वास्ते हाथ मिलाने के लिए उन्हें मनाने की कोशिश की क्योंकि मैंने अपने रचनात्मक तरीके से सोचा कि शायद उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वे ऐसी तस्वीर चाहते हैं। लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने सोच-समझकर यह इनकार किया था। इस यात्रा के दौरान अन्य मौकों पर भी दोनों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मर्केल ने कहा,''कमरे में जितने अधिक लोग थे, विजेता बनने की उनकी इच्छा उतनी ही अधिक थी। उन्होंने कहा,''आप उनसे बात नहीं कर सकते। हर भेंट एक प्रतियोगिता है: आप या मैं। मर्केल ने कहा कि उन्हें पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप की जीत पर 'दुख महसूस हुआ।

अपने पार्टनर को धोखा देना अपराध नहीं, अमेरिकी कोर्ट ने बदल दिया 100 साल पुराना कानून

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक कोर्ट ने शुक्रवार को सौ साल से भी ज्यादा पुराने कानून को निरस्त कर दिया है। इसके बाद अब यहां अपने जीवनसाथी को धोखा देना अपराध के तहत नहीं आएगा। गवर्नर कैथी होचुल ने 1907 में बने इस कानून को निरस्त करने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए। एडल्ट्री यानी अपने साथी के अलावा किसी और से संबंध रखने को लेकर पिछले कई सालों से यह बहस जारी है कि इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाए या नहीं। अमेरिका की कई राज्यों में एडल्ट्री पर प्रतिबंध को लेकर सख्त कानून है। इसे उस वक्त बनाया गया था जब पति या पत्नी के धोखा देने को साबित करना ही कानूनी तलाक पाने का एकमात्र तरीका था। कानून का मकसद देश में तलाकों की संख्या को कम करना था। कुछ राज्यों ने बीते कुछ सालों में ऐसे कानूनों को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं। विधेयक को मंजूरी देते हुए गवर्नर ने कहा, मैं अपने पति के साथ 40 साल तक एक अच्छा विवाहित जीवन जीने के लिए भाग्यशाली रही हूं। इसीलिए मेरे लिए एडल्ट्री को अपराध मुक्त करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर करना थोड़ा विडंबनापूर्ण है। मैं जानती हूं कि लोगों के बीच अक्सर जटिल रिश्ते होते हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने चाहिए न कि हमारी न्याय प्रणाली द्वारा। आइए इस बेतुके, पुराने कानून को हमेशा के लिए खत्म किया जाए। न्यूयॉर्क में एडल्ट्री की परिभाषा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ उस समय यौन संबंध बनाता है जब उसका कोई जीवित जीवनसाथी होता है, या दूसरे व्यक्ति का कोई जीवनसाथी होता है तो उसे धोखा माना जाता है । न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख के अनुसार इस कानून का कई बार इस्तेमाल किया जा चुका है जिसमें तीन साल तक जेल की सजा दी जाती थी। बिल लाने वाले विधानसभा सांसद चार्ल्स लैविन ने कहा कि 1970 के दशक से इस कानून के तहत लगभग एक दर्जन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं और उनमें से केवल पांच मामलों में दोष साबित हुआ है। उन्होंने कहा, कानून हमारी रक्षा करने और असामाजिक व्यवहार को रोकने के लिए होते हैं। यह कानून किसी भी उद्देश्य को पूरा नहीं करता है। इसका आखिरी बार 2010 में इस्तेमाल किया गया था।

रूस-यूक्रेन जंग को रुकवाने के लिए ग्रेनेल को विशेष दूत चुन सकते ट्रंप, समर्थक नाराज : वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप, जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद के लिए उनके पूर्व खुफिया प्रमुख रिचर्ड ग्रेनेल को चुना जा सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल 2017-2021 के दौरान ट्रंप प्रशासन में अमेरिका के जर्मनी में राजदूत और खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक रह चुके हैं। ट्रंप के चुनाव अभियान में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी और वे अमेरिका के विदेश मंत्री बनने के प्रबल दावेदार भी थे। यदि उन्हें यह पद मिलता है, तो वह रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के ट्रंप के प्रयासों में अहम भूमिका निभाएंगे। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि ट्रंप यह पद बनाएंगे या किसी और को इसके लिए चुनेंगे।

नौसेना के बेड़े में शामिल हुई छठी मिसाइल-गोला बारूद नौका

नई दिल्ली। मुंबई डॉकयार्ड में आयोजित एक समारोह में छठी मिसाइल और गोला बारूद नौका (एलएसएएम-12, यार्ड 80) नौसेना को सौंपी गई। इस बाबत आयोजित किए गए समारोह की अध्यक्षता नौसेना की पश्चिमी कमांड के मुख्यालय के मुख्य मरम्मत अधिकारी कमोडोर अभिरूप मजूमदार ने की। नौसेना ने बताया कि ऐसी कुल आठ नौकाओं के निर्माण के लिए विशाखापट्टनम की मैसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया एक समझौता इस साल 19 फरवरी 2024 को पूरा हो गया था। यह एक एमएसएमई शिपयार्ड है। इन नौकाओं के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। क्योंकि इनकी मदद से बंदरगाह के किनारे और बाहरी बंदरगाहों पर भारतीय नौसेना के प्लेटफार्मों तक वस्तुओं, गोला बारूद के परिवहन, चढ़ने और उतरने में सुविधा होगी। नौसेना ने कहा कि नौकाओं का स्वदेशी रूप से डिजाइन करने के लिए एक भारतीय जहाज डिजाइनिंग फर्म से सहयोग लिया गया था। इसके अलावा बल की विज्ञान-तकनीकी प्रयोगशाला (विशाखापट्टनम) में इनका सफलतापूर्वक मॉडल तैयार किया गया। जिससे इनकी समुद्री योग्यता सुनिश्चित की जा सके। इस निर्माण कार्य को भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) के तय नियमों और विनियमों के तहत किया गया है। सातों नौकाएं केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की पहल की गौरवशाली ध्वजवाहक हैं।

मंत्रियों और विधायकों के घरों को लूटने और आगजनी करने वाले 7 और गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में विधायकों के आवासों पर हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में सात और लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि काकचिंग जिले से शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है कि इस मामले में सात और लोगों की गिरफ्तारी के साथ अब तक कुल 41 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि 16 नवंबर को प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीएम ने कहा कि लोकतांत्रिक आंदोलन के नाम पर कुछ गिरोहों ने मंत्रियों और विधायकों के घरों में लूटपाट और आगजनी की। सीसीटीवी फुटैज के जरिए संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

जम्मू कश्मीर में आतंकियों के ठिकाने से गोला बारूद व हथियार बरामद

- मालवा गांव से सटे जंगलों में चलाया गया संयुक्त अभियान

श्रीनगर। पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर बारामुल्ला जिले के कुंजर इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला बारूद और हथियार बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेना, पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान आतंकियों के ठिकाने का खुलासा हुआ। जानकारी अनुसार बारामुल्ला पुलिस, बडगाम पुलिस और 62 आरआर द्वारा पुलिस स्टेशन कुंजर के अधिकार क्षेत्र के मालवा गांव से सटे जंगलों में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान, एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत सामग्री जब्त करने के बाद, ठिकाने को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया है।

झांसी अग्निकांड में हुई दो और बच्चों की मौत, संख्या बढ़कर हुई 17, घर वालों का रो रोकर बुरा हाल

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र में 15 नवंबर को आग लगने से हुए हादसे में दो और नवजात बच्चों की मौत हो गई है। अब मरने वाले बच्चों की संख्या 17 हो गई है। बच्चों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं, कई बच्चों का इलाज चल रहा था और स्वस्थ होने पर छुट्टी कर दी गई। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर ने बताया कि शनिवार को ललितपुर निवासी राधा पत्नी प्रीतम और तालबेहट निवासी पूनम पत्नी रंजीत के बच्चों की मौत हो गई। जन्म के बाद बीमारी के चलते इनकी जान गई है। ये दोनों शिशु झुलसे नहीं थे। अब तक 28 नवजातों को छुट्टी दी जा चुकी है। वहीं, हादसे के बाद कमिश्नर और डीआईजी की अध्यक्षता में एक जांच कमेटी का गठन किया गया था, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा रिपोर्ट मांगी गई। इस चार सदस्यीय कमेटी ने इस मामले में पूरी जांच पड़ताल की। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह की अगुवाई में टीम मौके पर दो दिन पड़ताल के बाद लौट आई है और रिपोर्ट तैयार कर ली। बता दें कि 15 नवंबर को एनआईसीयू वार्ड में आग लगते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई थी और वहां मौजूद स्टाफ तथा लोग जिन भी बच्चों को लेकर निकल सके उन्हें लेकर निकले। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन, बचाव टीम और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। हालात इतने भीषण थे कि खिडकियों की जालियां तोड़कर शिशुओं को बाहर निकाला गया। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे ने बताया था कि जिस वार्ड में आग लगी थी और वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। इस हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद इलाज के दौरान 7 बच्चों की मौत हो गई। जिसके बाद 17 बच्चों की मौत हो गई।

हेमंत सोरेन ने शिवराज और हिमंत की जोड़ी को सत्ता के आसपास भी नहीं भटकने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद हेमंत सोरेन को सत्ता से बेदखल करने में असफल रही। शनिवार को आये विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन की सरकार को एकबार फिर से सत्ता की चाबी सौंप दी। मतदान के बाद आये ज्यादातर एक्जिट पोल में यहां भाजपानीत राजग गठबंधन की सरकार बनने के दावे किये गये थे। चुनाव नतीजों ने जहां राज्य में हेमंत सोरेन का प्रभाव बरकरार रखा वहीं भाजपा की तरफ से चुनाव बागडोर संभाल रहे केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की जुगलबंदी अपनी पार्टी को जीता पाने में नाकाम साबित हुए।इस जोड़ी को सोरेन ने सत्ता के आसपास भी नहीं भटकने दिया।

केंद्र में कृषि मंत्री बनने के बाद मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान को प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया गया था। असम के मुख्यमंत्री

हिमंत बिस्व सरमा को सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी। दोनों नेताओं ने चुनाव से पहले ही लगातार प्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी। चुनाव रणनीति से लेकर उम्मीदवारों के चयन तक चौहान और सरमा की बड़ी भूमिका रही। चुनाव प्रभार के दौरान शिवराज सिंह ने लगातार बड़ी जनसभाएं की। हिमंत बिस्व सरमा ने हिंदुत्व कार्ड को आगे रखा। दोनों नेता हेमेंत सोरेन को सत्ता से हटा पाने में कामयाब नहीं रहे। भाजपा नेतृत्व शुरू से ही यह मानकर चल रहा था कि झारखंड विधानसभा चुनाव जीत लेंगे। अति आत्मविश्वास भी भाजपा की हार का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। भाजपा नेताओं को लग रहा था कि हेमेंत सोरेन को आसानी से हरा लेंगे। इसके साथ ही स्थानीय नेताओं की अनदेखी भी एक बड़ी वजह कही जा रही है। भाजपा ने शिवराज और हिमंत बिस्व सरमा को चुनाव में प्रभारी और सहप्रभारी बनाकर एक बड़ा दांव खेला था। चौहान जहां हिंदुत्व के साथ साथ सोशल इंजीनियरिंग को महत्त्व देते हैं, जबकि हिमंता बिस्व शर्मा हार्ड कोर हिंदुत्व के बल पर चुनाव प्रचार में उतरते हैं। लेकिन इन दोनों नेताओं की खूबियों पर हेमंत सोरेन का आदिवासी, मुस्लिम और यादव का समीकरण भारी पड़ा। भाजपा ने यहां भी महाराष्ट्र और यूपी की तर्ज पर बंटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया, लेकिन ध्रुवीकरण नहीं हुआ। यहां हिन्दू-मुस्लिम से ज्यादा सोरेन का आदिवासी अस्मिता का नारा काम आया। बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा भी भाजपा नेताओं के हर भाषण का हिस्सा रहा। हेमंत सोरेन ने भाजपा पर काटो-बांटो की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बेटी-माटी-रोटी का नारा दिया, जो चुनाव जीताने में सहायक रहा।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर गंभीर, नोएडा के स्कूल भी 27 तक ऑनलाइन

- हवा में प्रदूषण के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में सांस लेने में मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अभी भी गंभीर बनी हुई है। शनिवार को शहर में एक्यूआई 500 के स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही गुरुग्राम में भी 491 का एक्यूआई दर्ज किया गया। हवा में प्रदूषण के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में सांस लेने में मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक्यूआई को 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मॉडरेट, 201-300 के बीच 'खराब, 301-400 के बीच बेहद खराब और 401-500 के बीच गंभीर माना जाता है। गुरुवार को हवा की गति में वृद्धि के कारण राजधानी में गंभीर श्रेणी की 5 दिनों की चेन टूटी थी। हालांकि, शनिवार को फिर से यह 412 पर पहुंच गया, जो कि गंभीर कैटेगरी में आता है। यह आंकड़ा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 24 घंटे के औसत डेटा पर आधारित है। शनिवार को शाम 7 बजे तक दिल्ली का वजीरपुर 440 एक्यूआई के साथ सबसे अधिक प्रदूषित क्षेत्र रहा। अलीपुर, आनंद विहार, अशोक विहार, बवाना, चांदनी चौक, डीटीयू, द्वारका, जहांगीरपुरी, मंदिर मार्ग, नरेला, नेहरू नगर, पटपड़गंज, रोहिणी, पंजाबी बाग, वजीरपुर और मुंडका सहित 20 से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया। प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए नोएडा के सभी स्कूल 27 नवंबर तक ऑनलाइन संचालित होंगे। एक्यूआई की गंभीर श्रेणी में सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और खांसी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। खासतौर पर अस्थमा के मरीजों, बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को ज्यादा दिक्कत होती है। ऐसे मौसम में घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी जाती है।

पीएम मोदी के दीवाने हुए ट्रूडो: भारत को घेरने वाले अब अपने ही अफसरों को बता रहे क्रिमिनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के दीवाने हो गए है। निज्जर की हत्या के मामले में जो सवाल कनाडा ने उठाए थे उसको लेकर कनाडा अब पूरी तरह बैकफुट पर आ गया है। खालिस्तान प्रेम में डूबे जस्टिन ट्रूडो की अक्ल ठिकाने आ गई है। ऐसा लगता है कि उन्हें भारत से पंगा लेने का अहसास होने लगा है। भारत की सख्ती का असर देखिए कि कनाडा के तेवर नरम हो चुके हैं। पहले कनाडा सरकार ने निज्जर कांड पर बैकफुट पर आई। अब खुद जस्टिन ट्रूडो को उनके ही अपने अधिकारी क्रिमिनल लगने लगे हैं। जी हां, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों को 'अपराधी' कह दिया। क्योंकि,फर्जी रिपोर्ट में निज्जर हत्याकांड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर के नाम को घसीटा गया था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रूडो से सवाल किया गया कि कैसे कनाडा का एक प्रमुख अखबार बिना सबूत के कोई खबर छाप सकता है? इस पर ट्रूडो ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को टॉप-सीक्रेट जानकारी लीक करने वाले अपराधी लगातार गलत खबरें फैलाते रहे हैं। यही वजह है कि हमने विदेशी दखल पर एक राष्ट्रीय जांच की थी। इस जांच में यह बात सामने आई थी कि मीडिया संस्थानों को जानकारी लीक करने वाले अपराधी न केवल अपराधी होते हैं बल्कि वे अविश्वसनीय भी होते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा पहला काम कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है।

यह पहली बार है जब कनाडा के मीडिया ने पीएम मोदी को इस मामले में घसीटा है, जो पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है। हालांकि रिपोर्ट में अधिकारी की पहचान नहीं बताई गई। रिपोर्ट में यह जरूर कहा गया कि सूत्र ने स्वीकार किया कि कनाडा के पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि नरेंद्र मोदी जानते थे। हालांकि, भारत ने पहले ही इस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। हालांकि, बाद में कनाडा सरकार ने सफाई दी कि नरेंद्र मोदी, एस जयशंकर और अजीत डोभाल का निज्जर हत्याकांड से न तो कोई कनेक्शन है और न कोई सबूत.. कनाडा सरकार ने पीएम मोदी को निज्जर की हत्या से जोड़ने वाली विवादास्पद रिपोर्ट को खारिज किया और कहा कि यह अटकलों पर आधारित और गलत है।

-यूपी उपचुनाव में कांग्रेस का साथ न होना सपा को पड़ा भारी

योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे ने कर दिया खेल, नहीं समझ सके अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' झारखंड के लोगों को पसंद नहीं आया। वहां के लोगों ने इसे नकारते हुए बीजेपी को भी नकार दिया है। यूपी में अखिलेश यादव के साथ वही हुआ है, जो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के साथ। लोकसभा में मिली जीत ने अखिलेश को आत्मविश्वास से भर दिया था। अति आत्मविश्वास को ही योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार की वजह बताया था।

बहरहाल, उपचुनावों में तो हिसाब बराबर हो गया है। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने करहल, सीसामऊ, कटेहरी और कुंदरकी सीटों पर जीत हासिल की थी। करलहल से तो खुद अखिलेश यादव ही चुनाव जीते थे, लेकिन बाद में कन्नौज से लोकसभा में सांसद बन कर पहुंच गए। मीरापुर विधानसभा सीट जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी के पास थी, जो समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ चली गई है। बीजेपी ने 2022 में फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर सीटों पर कब्जा किया था।

हाल के उपचुनाव में अखिलेश ने सभी नौ सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे और कांग्रेस ने समर्थन दिया था। खास बात ये थी कि अखिलेश यादव ने भी हरियाणा चुनाव

में तवज्जो न मिलने से नाराज होकर ही ये कदम उठाया था। नतीजे आने के बाद तो लगता है कि कांग्रेस का साथ न होना ही अखिलेश यादव को भारी पड़ा है। वो पहले ही समझ गए होते कि 'बंटेंगे तो कटेंगे', तो ये हाल होने से बच सकते थे।

अखिलेश यादव और राहुल गांधी का साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार फायदे का सौदा साबित हुआ था। चुनाव नतीजों से ये भी साफ हो गया कि अगर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ें और एक दूसरे के वोटो का ट्रांसफर तय कर पायें तो सफलता मिल सकती है। अगर 'बंटेंगे तो कटेंगे' में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश के लिए संदेश है, तो महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए नसीहत हैं और इंडिया ब्लॉक के मामले में राहुल गांधी को भी समझ लेना चाहिए एक हैं तो सेफ हैं।

मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट का रिजल्ट भी कुछ कह रहा है। कुंदरकी में योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे नारे का ऐसा असर हुआ है कि तीन दशक बाद बीजेपी हार के दुख से उबरी है। बीजेपी उम्मीदवार ठाकुर रामवीर सिंह ने समाजवादी पार्टी के हाजी मोहम्मद रिजवान को हराया है। हैरानी की बात ये है कि कुंदरकी में करीब 64 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अब तो ऐसा ही लगता है कि अगर कांग्रेस का साथ रहा होता तो समाजवादी पार्टी का ये हाल न हुआ होता। करहल और सीसामऊ के नतीजों ने जैसे तैसे इज्जत बचाने की कोशिश की है।

उपचुनाव के लिए प्रचार खत्म होने के ठीक पहले अखिलेश ने एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा था- प्रिय उत्तर प्रदेश वासियों और मतदाताओं, उत्तर प्रदेश आजादी के बाद के सबसे कठिन उपचुनावों का गवाह बनने जा रहा हैज्ये उपचुनाव नहीं हैं, ये रुख चुनाव हैं, जो उत्तर प्रदेश के भविष्य का रुख तय करेंगे। उपचुनावों के नतीजे तो अलग ही रुख दिखा रहे हैं। अखिलेश के लिए भी, और राहुल गांधी के लिए भी।

किसी का समर्थन नहीं किया, तो मेरा मुद्दा कैसे विफल हो सकता है, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बोले जरांगे

जालना (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उनके आंदोलन का कोई असर नहीं होने की चर्चा को रविवार को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र में 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। चुनाव परिणाम शनिवार को घोषित किए गए। महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल हैं। महायुति ने मराठवाड़ा क्षेत्र की 46 में से 40 सीट जीतीं, जिनमें जालना की सभी पांच सीट शामिल हैं।

जालना, नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे के आंदोलन का केंद्र रहा है। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के खराब प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक जरांगे के आंदोलन को दिया गया था। जरांगे ने विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी।

जरांगे ने कहा, ''कोई यह कैसे कह सकता है कि विधानसभा चुनाव में जरांगे फैक्टर विफल हो

गया, जबकि मैंने न तो चुनाव लड़ा और न ही किसी का समर्थन किया? मैंने मराठा समुदाय को इन राजनीतिक दलों के चंगुल से मुक्त कराया। मराठा समुदाय को अपनी पसंद के अनुसार वोट देने की आजादी मिली। मेरा ध्यान मराठाओं को सशक्त बनाने पर है।'' उन्होंने चुनाव परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 204 मराठा उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं।

जरांगे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नियमित रूप से उम्मीदवार उतारने या समुदाय की आरक्षण मांग का विरोध करने वालों को हराने की बात करते रहे थे। विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) सिर्फ 46 सीट ही जीत सका। एमवीए में कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) शामिल हैं। भाजपा को 132 सीट मिलीं, शिवसेना को 57, जबकि राकांपा को 41 सीट मिलीं। एमवीए में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 और कांग्रेस ने 16 सीट जीतीं, जबकि शिवसेना (उबाठा) ने 20 सीट पर जीत दर्ज की।

राज्यपाल बोस ने राजभवन में लगवाई खुद की प्रतिमा, टीएमसी बोली- हार भी पहना दीजिए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राजभवन में खुद की प्रतिमा लगवाई और खुद ही उसका अनावरण किया। अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपनी प्रतिमा का शनिवार को अनावरण किया है। इस मौके पर पौधारोपण और पेंटिंग प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। इसके अलावा चित्रकारी की स्पर्धा करवाई गई थी जिसमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया था।

अपनी ही प्रतिमा का अनावरण करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आलोचकों का कहना है कि पद पर रहते हुए अपनी ही प्रतिमा लगवाना गलत है। अनावरण के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसपर लोगों ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों का कहना है कि राज्यपाल अपने ही महिमामंडन में लगे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्थ साहा नाम के एक कलाकार ने यह मूर्ति राज्यपाल को भेंट की थी। पार्थ साहा कोलकाता के

इंडियन म्यूजियम से संबंधित हैं। राज्यपाल की तस्वीर के आधार पर उन्होंने फाइबर की यह प्रतिमा बनाई है। वह कभी आमने-सामने राज्यपाल से नहीं मिले थे। राज्यपाल कार्यालय ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने खुद अपनी प्रतिमा नहीं बनवाई है बल्कि एक कलाकार ने भेंट की है। वहीं टीएमसी ने इसपर आपत्ति जताते हुए कहा कि जीवित रहते हुए ही राज्यपाल अपने महिमामंडन के लिए खुद की प्रतिमा लगवाए दे रहे हैं। टीएमसी ने कहा, हमने ऐसा पहले कभी नहीं सुना था। वह पब्लिसिटी के भूखे हैं। अब आगे क्या होगा। क्या वह अपनी प्रतिमा को हार पहनाएंगे। उन्हें अब हार भी पहना देना चाहिए। टीएमसी प्रवक्ता जयप्रकाश मजुमदार ने कहा कि राज्यपाल मंगोलों की तरह काम कर रहे हैं। सीपीएम सेंट्रल कमेटी के दस्य सुजान चक्रवर्ती ने कहा, यह बहुत ही अपमानजक है। यह हमारे राज्य का दुर्भाग्य भी है। बंगाल की संस्कृति के साथ भी गंदा खेल खेला जारहा है। बता दें कि मूर्ति का अनावरण करते हुए सीवी आनंदबोस ने कहा था कि बंगाल की राजनीतिक दशा बहुत ही खराब है। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता लंबे समय तक यह सब बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने दो साल के अपने खट्टे-मीठे अनुभव बयां किए।

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रकोप से बचाने के लिए भारत-ईयू के बीच हुआ विचार मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के मध्य भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की सह-अध्यक्षता में 10वीं ऊर्जा पैनल की बैठक ब्रुसेल्स में संपन्न हुई। इसमें विदेश मंत्रालय की ओर से सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल और यूरोपीय संघ के ऊर्जा मामलों के महानिदेशक डिट्टे जूल जोर्गेनसेन शामिल हुए। दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी 2025-28 तक एक कार्य योजना को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक का उद्देश्य ऊर्जा पैनल के विषय पर दोनों पक्षों की ऊर्जा परिवर्तन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा 2021-24 तक भारत-ईयू स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी के दूसरे चरण की उपलब्धियों की समीक्षा करना था। इसमें भारत के केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली मंत्रालय के प्रतिभागियों के अलावा ईयू से ऊर्जा और क्लाइमेट एक्शन के निदेशालय प्रमुख शामिल हुए।

मंत्रालय ने बताया कि भारत और ईयू ने तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पूरी की गई 9 क्षेत्रों की 51 गतिविधियों का विस्तार से जायजा लिया। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए फ्रेमवर्क को भी स्वीकृति दी गई। फ्रेमवर्क में भारत और ईयू में ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए बनाए गए सिद्धांत मुख्य रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि ईयू और संघ के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन में भाग लिया था। वहीं, भारत मौजूदा वर्ष में यूरोपियन हाइड्रोजन सप्ताह में विशेष भागीदार के रूप में शामिल हुआ। दोनों पक्ष एक दीर्घावधि शोध साझेदारी प्रतिबद्धताओं से भी जुड़े हुए हैं। जिसमें स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में शोध के लिए सहयोग प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह परियोजना पिछले साल 2023 में स्थापित किए गए स्वच्छ और हरित तकनीक के लिए गठित किए गए भारत-ईयू व्यापार और तकनीकी परिषद कार्य समूह का हिस्सा है।

चार वर्षीय भागीदारी में भारत और ईयू मुख्यत- प्राथमिकता वाले 5 क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसमें ग्रीन हाइड्रोजन, अपतटीय हवा, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इलेक्ट्रिसिटी मार्केट इंटीग्रेशन, स्मार्ट ग्रिड, एनर्जी और क्लाइमेट कूटनीति मुख्य हैं। दोनों ने हरित हाइड्रोजन सहयोग के लिए एक व्यापक एजेंडा तैयार किया है। जिसमें बुनियादी ढांचे का विकास, नियामक और तकनीकी सहयोग, सप्लाई चेन को मजबूती प्रदान की जाएगी। भारत और ईयू ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में अपने सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई और जी-20 के तंत्र के तहत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में गहनता से सहयोग को लेकर सहमति जताई।